जबलपुर रविवार 27 सितंबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा

वर्ष 32 अंक 90 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

# स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

**मौसम**
अधिकतम तापमान 25.4°C
न्यूनतम तापमान 19.8 °C
सूर्योदय - 6.01 | सूर्यास्त - 6.02

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

गलत तथ्यों के आधार पर स्टे प्राप्त करने का ... ⏩ 4

माधुरी दीक्षित कौन होणार करोड़पति में .. ⏩ 7

एक भक्ति ऐसी भी: 216 घंटे बाद लिया जल, ... ⏩ 8

## भारत के नाम कबड्डी के दोनों गोल्ड मेडल

नागोया (जापान)

भारत ने एशियन गेम्स में एक ही दिन कबड्डी के दोनों गोल्ड मेडल जीत लिए। शनिवार को महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में लगातार 10वीं बार मेडल जीता। महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल हासिल किया। भारत ने अब तक 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज सहित 28 मेडल जीत लिए हैं। मेडल टैली में भारत अब 10वें स्थान पर है।

(विस्तृत खबर पेज 10 पर)

## छतरपुर: बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत

**छतरपुर।** मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। हादसा चौका गांव में एडिफाइ स्कूल के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक, हादसा मातगुवां थाना क्षेत्र के चौका गांव के पास हुआ। हादसे में बोलेरो सवार पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। बोलेरो सवार

सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं जो बिजावर से अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बगौता जा रहे थे। मृतक में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को कब्जे में ले लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई. आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की गई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। पुलिस हादसे में मृतकों और घायलों की पहचान कराने में जुटी है। जानकारी में सामने आया है कि दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो बिजावर के एक परिवार की बताई जा रही है। हादसे के समय बोलेरो सवार सभी लोग बिजावर से बगौता अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। पुलिस, बोलेरो में सवार सभी लोगों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना किस वजह से हुई, क्या दोनों वाहनों की रफ्तार अधिक थी या फिर किसी अन्य कारण से टक्कर हुई, इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने की कार्रवाई भी शुरू की है, ताकि यातायात व्यवस्था सामान्य हो सके।

# गणेश पंडाल में करंट से 4 युवकों की मौत

### प्रतिमा विसर्जन के बाद पंडाल में सोए थे 8 युवक, 3 की हालत गंभीर

मंडला (स्वतंत्र मत)। मंडला जिले के नैनपुर क्षेत्र के हीरापुर गांव में शनिवार सुबह हादसा हुआ। गणेश मंच के पंडाल में सो रहे युवकों पर बिजली का तार टूटकर गिर गया। करंट फैलने से चार युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है, जिसे जिला अस्पताल भेजा गया है। मृतकों में 24 वर्षीय रवि झरिया पिता कल्लू झरिया ग्राम कोटवार का बेटा था और मजदूरी करता था। 19 वर्षीय जेनू भांवरे पिता मुकेश भांवरें मजदूरी करता था। 18 वर्षीय कृष्ण कुमार भांवरे पिता दिलीप, पढ़ाई के साथ मजदूरी करता था। वहीं 24 वर्षीय वीरेंद्र भांवरे पिता सोनू भी मजदूरी करता था। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक का नाम प्रियांशु बताया गया है। घायल प्रियांश भावरे को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मंडला रेफर किया गया जबकि दो अन्य घायलों को सामान्य चोट होने के कारण निगरानी में भर्ती रखा गया है।हादसे में घायल मौसम भावरे ने बताया कि शाम को गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद सभी दोस्त मंच के पास सो गए थे। सुबह करीब 5.30 बजे अचानक एम्प्लीफायर में स्पार्किंग हुई और सभी को करंट लग गया। मौसम के मुताबिक, सभी युवक एक लाइन में सो रहे थे, इसलिए किसी को कम तो किसी को ज्यादा करंट का झटका लगा। वह सबसे आखिरी में सोया था, इसलिए उसे कम झटका लगा। जिन चार युवकों की मौत हुई, वे सबसे आगे सोए थे। उन्हें उठाने की कोशिश में मौसम को भी करंट का झटका लगा। हीरापुर गांव के सरपंच प्रेमचंद भावरे ने बताया कि सुबह तेज हवा के साथ बारिश हुई थी। पानी के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ होगा। बिजली का तार ग्रिल से टकरा गया, जिससे करंट फैल गया। सुबह दो युवकों ने पूरे गांव को हादसे की जानकारी दी।

(पेज 5 भी देखें)

### पीड़ित परिवारों से मिलीं मंत्री

हादसे की सूचना मिलते ही मंत्री संपतिया उइके मौके पर पहुंचीं। पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने बताया पीड़ित परिवारों को 5-5 हजार रुपए दिए गए हैं। तीन दिन में 4-4 लाख रुपए की राहत राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। घायल बच्चे के परिवार को 1.5 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। उइके ने बताया- कुछ पीड़ित परिवार ऐसे हैं, जिनमें माता-पिता दोनों दिव्यांग हैं। परिवार में एक ही संतान है। ऐसे परिवारों के एक-एक सदस्य को आउटसोर्स के जरिए रोजगार देने पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से विचार किया जा रहा है।

### पक्का बना हुआ है पंडाल

एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के अनुसार, समिति के सदस्य सुबह करीब 4 बजे गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर लौटे थे। इसके बाद झांकी में रखे सामान की रखवाली के लिए 8 युवक पंडाल में ही सो गए थे। इसी दौरान सुबह हादसा हुआ। उन्होंने बताया- मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसके बाद उन्हें परिजन को सौंप दिया गया। पंडाल पक्का बना हुआ है। बिजली का तार टूटने या शॉर्ट सर्किट से करंट फैलने की आशंका है। मामले की जांच की जा रही है।

## प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें वरना माना जाएगा चोरों को संरक्षण

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुप्पी तोड़ने चाहिए और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो चोरों को उनका संरक्षण माना जाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में जांच में 'बड़ी मछलियों' को बचाया गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच तथा सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मामले को 'चंदा चोरी, आस्था धोखा' करार देते हुए कहा कि आरोप पत्र में सामने आए तथ्यों से विशेष जांच दल की जांच और 'सरकारी लीपापोती' पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप पत्र में दर्ज घटनाक्रम का हवाला देते हुए कहा कि इस साल चार जून को गणना कक्ष के बाथरूम से 2.25 लाख रुपये मिलने का वीडियो ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय को भेजा गया था और अगले दिन उन्हें सीसीटीवी फुटेज भी दिखाई गई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि जब सीसीटीवी फुटेज, नकदी की बरामदगी और संदिग्ध कर्मचारियों की पहचान सामने आ चुकी थी, तो 25 जून को प्राथमिकी दर्ज होने तक कथित तौर पर 21 दिन क्यों लगे? रमेश ने यह भी सवाल उठाया, एसआईटी की जांच में चढ़ावे की रकम को बिना अनुमति हटाने या छिपाने की 105 घटनाएं सामने आने के बावजूद जांच सिर्फ आठ आरोपियों तक ही क्यों सीमित रही? चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को आरोपी बनाने के बजाय गवाह क्यों बनाया गया?

**राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस का बड़ा हमला**

### टीएमसी विधायक की कार पर हमला

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला हुआ। घोष श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। विधायक के ऑफिस की तरफ से एक्स पर घटना का वीडियो पोस्ट किया गया है। वीडियो में कुणाल घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीछे की सीट पर भी कुछ लोग बैठे थे, जो वीडियो बना रहे थे। हमले में कार का पीछे का शीशा भी टूट गया। टीएमसी नेताओं ने घटना के पीछे बीजेपी के शामिल होने का आरोप लगाया है।

### नगालैंड में जहरीली शराब से 19 मौतें

**कोहिमा।** नगालैंड में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई। पिछले दो दिनों में मोकोकचुंग जिले में 8 और तुएनसांग जिले में 11 मौतें हुई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीने के बाद कुछ लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई और बाद में उनकी मौत हो गई। मौतों के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की। इस कार्रवाई में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया और करीब 3,000 शराब की बोतलें जब्त की गईं। राज्य में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है।

### 'इंडिया' गठबंधन की बैठक 30 को

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने और विपक्ष की रणनीति तय करने के लिए इंडिया गठबंधन की अगली बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश भेजकर कहा है कि विपक्षी दलों को साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने यह बात मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच कही।

## राहुल गांधी के बिना कोई कुछ नहीं है, गलतफहमी मत पालना : इमरान मसूद

**लखनऊ।** क्या उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन होगा? यूपी की राजनीति में इस समय यह सवाल काफी प्रमुखता से उठाया जा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से गठबंधन संबंधी बयान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। शनिवार को उन्होंने कहा कि हम लोग अपने काम को लेकर आश्वस्त हैं। कांग्रेस किसी के भरोसे नहीं है। हम अपने काम पर पूरी तरह से लगे हुए हैं। मसूद ने कहा, देश में जो माहौल है उसे राहुल गांधी ने तैयार किया है। राहुल किसी से डरते नहीं हैं और हम लड़ेंगे। इमरान मसूद ने कहा, कल यह पूरे देश ने देखा कि कांग्रेस किस तरह से सड़क पर उतरी थी। कांग्रेस किसी से दबने और डरने वाली पार्टी नहीं है। हमारे यहां बहुत

से नेता हैं और उनके यहां भी बहुत सारे नेता हैं। बारात जब चढ़ती है तो ढोल बजाने वाले बहुत से लोग होते हैं। इसलिए ढोल बजाने दीजिए, हम पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। बिना अलायंस के कांग्रेस कुछ भी नहीं है वाले बयान पर इमरान मसूद ने कहा कि आखिर यह किसने कह दिया। जो ऐसा बोल रहा है उसे यह बात अपने नेता से कहलवानी चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, फिलहाल देश के अंदर ऐसे हालात हैं कि राहुल गांधी के बिना कोई कुछ नहीं है। कोई भी गलतफहमी पालकर ना रखे। बंगाल में क्या हाल हुआ, यह आपने देख लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम विष भी पीएंगे। हम आखिरी दम तक कोशिश करेंगे कि साथ चलें। मालूम हो कि अखिलेश यादव ने गुरुवार को रायबरेली में पीडीए रथ यात्रा के दौरान 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति के संकेत दिए। राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से सपा के चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन होगा, लेकिन सीटों का बंटवारा इस आधार पर किया जाएगा कि किस सीट पर कौन जीत सकता है।

## मुरली मनोहर जोशी ने कहा- बद्रीनाथ को नाच गृह मत बनाइए...यहां शंख भी बैन है

**चमोली।** बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने उत्तराखंड के बद्रीनाथ में आयोजित एक सांस्कृतिक उत्सव पर कड़ा ऐतराज जताया है। जोशी ने शुक्रवार को कहा कि किसी पवित्र स्थल पर ऐसे संगीत कार्यक्रम की अनुमति देना न केवल सांस्कृतिक मर्यादा का उल्लंघन है बल्कि पवित्र धाम की सुचिता पर सीधा हमला भी है। मुरली मनोहर जोशी ने केंद्र और उत्तराखंड सरकार से ऐसे आयोजनों पर रोक लगाकर देवभूमि की पवित्रता बनाए रखने का आग्रह किया है। इससे पहले साधु-संतों ने भी इस तरह के कार्यक्रम पर आपत्ति जताई थी। बद्रीनाथ धाम में सेना के देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल-2026 के दौरान तेज म्यूजिक और डीजे पर डांस के वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। 19 और 20 सितंबर को बद्रीनाथ के टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में हुए कार्यक्रम का आयोजन सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत जिला

प्रशासन और पर्यटन विभाग की मदद से किया था। कार्यक्रम की थीम 'हमारी विरासत, हमारा भविष्य' थी। मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को अनुमति प्रदान करना ना केवल सांस्कृतिक मर्यादाओं का उन्लंघन है अपितु धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। यह इस बात का प्रतीक है कि अब देवभूमि को बाजारू संस्कृती के रूप में परिणीत किया जा रहा है। मैं भारतीय संस्कृति के अनुयायीयों तथा विशेषकर पूजनीय शंकराचार्यों तथा महात्माओं से यह अनुरोध करता हूं कि वह संस्कृति के इस क्षरण को रोकने के लिए प्रभावी आवाज उठाएं। मैं केंद्र एवं राज्य सरकार से भी आग्रह करूंगा कि वह ऐसे आयोजनों पर प्रतिबंध लगा कर देवभूमि की मर्यादा को बनाए रखें, हिमालय देवात्मा है भगवान शंकर का निवास मां गंगा का उद्गम है इसे नाच गृह बनाना करोड़ों भारतीयों की आस्था पर गहरा आघात है।

### एसआईआर विवाद के बाद चुनाव आयोग का फैसला

## घर-घर जाकर दस्तावेज एकत्र करेंगे अफसर

नई दिल्ली

एसआईआर पर विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा कि जिन लोगों के नाम कट गए हैं, वे नाम जोड़ने के लिए अप्लाई कर सकते हैं। अफसर घर-घर जाकर उनके दस्तावेज कलेक्ट करेंगे और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। इन पर तय समय के भीतर रीजनल इलेक्टोरल अफसर फैसला लेगा। दिल्ली के निर्वाचन भवन में शनिवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद रहे। चुनाव आयोग ने कई मुद्दों पर अपना पक्ष साफ किया है और एसआईआर को लेकर कई फैसले भी लिए हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि कैबिनेट सचिव

को भेजा गया पत्र आयोग की किसी नीति या आईटी विभाग से जुड़ा मामला नहीं था, बल्कि आयोग में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। चुनाव आयोग के मुताबिक, यह पत्र प्रतिनियुक्ति पर आयोग में काम कर रहे एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। संबंधित अधिकारी ने काम के पुनर्वितरण से जुड़े जो आदेश जारी किए थे, उन्हें वास्तव में लागू नहीं किया गया। दोनों चुनाव आयुक्तों के आदेश के बाद काम के पुनर्वितरण वाले आदेशों को लागू नहीं किया गया था। आयोग के मुताबिक, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर की आईटी डिविजन पर निगरानी वास्तव में कभी वापस नहीं ली गई। यानी आईटी डिविजन की निगरानी हटाए जाने की बात को आयोग ने सही नहीं माना है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की सुविधा के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। आयोग की शनिवार को हुई बैठक में तय किया गया कि अनमैप्ड और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ और एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी। चुनाव आयोग की बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, ऐसे लोगों के घर जाकर बूथ लेवल अधिकारी दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी दस्तावेजों के आधार पर फैसला करेंगे। आयोग ने कहा कि केवल विशेष परिस्थितियों में, ईआरओ के निर्णय के अनुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा।

### दिल्ली-महाराष्ट्र में समयसीमा बढ़ी

चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर अब तक 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है, जिनमें बिहार और पश्चिम बंगाल भी शामिल हैं। आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान या उसके बाद किसी व्यक्ति का नाम छूट गया है तो वह संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी यानी ईआरओ के पास नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकता है। यह सुविधा युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं के लिए भी उपलब्ध है। चुनाव आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा भी बढ़ाई है।

### चारधाम यात्रा रविवार तक स्थगित

**देहरादून।** पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप की ओर से चारधाम यात्रा को रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। आयुक्त ने चारधाम यात्रा प्रबंधन व नियंत्रण संगठन, गढ़वाल मंडल की ओर से मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त मौसम संबंधी सूचना का संज्ञान लेते हुए शनिवार दोपहर से आज रविवार तक यात्रा को स्थगित कर दिया गया है।

### धमाके से दहला पाकिस्तान,12 की मौत

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान में शनिवार को एक पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाकर बम धमाका किया गया। यह घटना दराजिंदा इलाके के पास अमन मेला चेकपोस्ट पर हुई। स्थानीय आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। धमाके के बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबे से लोगों को निकालने का काम शुरू किया। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी खान मुबाशिर मलिक ने बताया कि हमलावर ने विस्फोटकों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस चेकपोस्ट से टकरा दिया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ।

# बैडमिंटन में ब्यौहारी महाविद्यालय का दबदबा पुरुष-महिला दोनों वर्गों में जीती चैंपियन ट्रॉफी

## जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, छह खिलाड़ी संभाग के लिए चयनित, निशा बुनकर और क्षितिज प्रधान बने जिला टीम के कप्तान

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में पंडित राम किशोर शुक्ला कला एवं वाणिज्य शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने दमदार खेल से प्रतियोगिता में दबदबा कायम किया। प्रतियोगिता का आयोजन 25 एवं 26 सितंबर को पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के आतिथ्य में किया गया। प्रतियोगिता में शहडोल जिले के शासकीय महाविद्यालय बुढार, शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर, शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी तथा यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटी.डी.), पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय शहडोल की टीमों ने हिस्सा लिया।

### सभी मुकाबलों में शानदार जीत

राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए मुकाबलों में ब्यौहारी महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सभी टीमों को पराजित किया। खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, सटीक सर्विस, मजबूत डिफेंस और दमदार स्मैश से दर्शकों को प्रभावित किया। लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर ब्यौहारी महाविद्यालय ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

### ब्यौहारी के छह खिलाड़ी जिला टीम में चयनित

प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शहडोल जिला टीम में किया गया। खास बात यह रही कि जिला टीम के लिए चयनित सभी छह खिलाड़ी ब्यौहारी महाविद्यालय के हैं। महिला वर्ग, निशा बुनकर (कप्तान), लक्ष्मी सोनी और नम्रता सिंह। पुरुष वर्गरू क्षितिज प्रधान (कप्तान), आर्यन सिंह बघेल और प्रयाझ चतुर्वेदी। निशा बुनकर को महिला जिला टीम तथा क्षितिज प्रधान को पुरुष जिला टीम की कप्तानी सौंपी गई है। क्षितिज प्रधान लगातार दूसरे वर्ष जिला टीम के कप्तान बने हैं।

### अब संभाग स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व

चयनित छह खिलाड़ी अब संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शहडोल जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन यूटी.डी., पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय शहडोल द्वारा किया जाएगा। यहां शहडोल जिले की टीम का मुकाबला उमरिया और अनूपपुर जिलों की विजेता टीमों से होगा। संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उज्जैन जाएंगे।

### प्राचार्य ने दी बधाई

महाविद्यालय की इस उपलब्धि में टीम मैनेजर एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विजय प्रताप सिंह तथा टीम कोच सुधांशु सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, अनुशासन और कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. तिवारी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता महाविद्यालय की खेल परंपरा, खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को आगामी संभाग एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। ब्यौहारी महाविद्यालय की इस दोहरी सफलता से महाविद्यालय के स्टाफ, क्रीड़ा विभाग और विद्यार्थियों में हर्ष का माहौल है।

# सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक सुर, एक लय में गूंजा 'वंदे मातरम्' राष्ट्र गान

**बुढ़ार (स्वतंत्रमत)।** नमामि भारत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुढार तथा केशवपुरम विद्यालय में एक स्वर में सामुहिक राष्टीय गीत वन्दे मातरम् का गायन हुआ। राष्ट्गीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्यालय में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। निर्धारित समय प्रातः 11 बजे विद्यार्थियों, भैया-बहनों एवं सम्मानित अभिभावकों ने एक समय, एक सुर, एक लय और एक ताल में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्रभक्ति एवं एकता का संदेश दिया। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुढार में नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी के मुख्यातिथ तथा केशवपुरम विद्यालय में वरिष्ठ शिक्षक अनिल सेन के मुख्यातिथ में कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी, संगीत विशारद मंदाकिनी गौतम, व्यवस्थापक रविकुमार रजक कोषाध्यक्ष प्रतीत गुप्ता, प्रधानाचार्य श्रीकांत चतुर्वेदी की उपस्थिति रही।

राष्ट्गीत के सामूहिक गायन के उपरांत नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी एवं डॉ. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी ने वंदे मातरम् की उपादेयता एवं ऐतिहासिक महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने युवा वर्ग एवं नई पीढ़ी में राष्टभावना और चेतना जागृत करने में राष्टगीत की भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। बुढार विद्यालय के प्राचार्य रामसजीवन पटेल तथा केशवपुरम विद्यालय के प्राचार्य गौरव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ व्याख्याता अमित नारायण द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के संयोजक शिवनारायण त्रिपाठी एवं सह-संयोजक धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को भव्यता दिलाने सरस्वती शिक्षा समिति अध्यक्ष छोटेलाल सरावगी, का सराहनीय योगदान रहा और उनके दिशानिर्देश पर राष्टभावना और देशभक्ति के वातावरण में कार्यक्रम भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ।

# अधिवक्ता मयूर दीप मिश्रा की शानदार पैरवी से भोपाल के डॉ. विवेक शुक्ला को मिली बड़ी राहत

## धारा 409, 420, 467, 468, 471 एवं 34 में हुए उन्मोचित (डिस्चार्ज)

## जिला एवं सत्र न्यायालय बुढ़ार के माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने पारित किया महत्वपूर्ण आदेश

**बुढ़ार (स्वतंत्रमत)।** जिला एवं सत्र न्यायालय बुढ़ार में विचाराधीन आपराधिक प्रकरण में डॉ. विवेक शुक्ला, भोपाल को बड़ी कानूनी राहत मिली है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने प्रकरण में डॉ. विवेक शुक्ला के विरुद्ध लगाए गए आरोपों पर विचार करते हुए उन्हें धारा 409, 420, 467, 468, 471 एवं 34 भारतीय दण्ड संहिता के आरोपों से उन्मोचित (डिस्चार्ज) कर दिया।

**विशेषज्ञ रिपोर्ट बनी महत्वपूर्ण आधार**-डॉ. विवेक शुक्ला की ओर से अधिवक्ता मयूर दीप मिश्रा ने न्यायालय के समक्ष प्रभावी पैरवी करते हुए अभियोजन द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों तथा विशेष रूप से प्रश्नगत हस्ताक्षर से संबंधित विशेषज्ञ रिपोर्ट को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। बचाव पक्ष की ओर से न्यायालय के समक्ष यह तथ्य रखा गया कि प्रश्नगत हस्ताक्षर फ-3 को डॉ. विवेक शुक्ला के नमूना हस्ताक्षरों 23 से 27 से जोड़ने के लिए विशेषज्ञ परीक्षण कराया गया था। विशेषज्ञ की 23 अप्रैल 2026 की रिपोर्ट में उपलब्ध सामग्री के आधार पर प्रश्नगत हस्ताक्षर 3 को उक्त नमूना हस्ताक्षरों से जोड़ना संभव नहीं पाया गया। बचाव पक्ष ने तर्क रखा कि जब अभियोजन की अपनी विशेषज्ञ रिपोर्ट कथित हस्ताक्षर को अभियुक्त डॉ. विवेक शुक्ला से संबद्ध नहीं करती है, तब केवल अनुमान या सामान्य संदेह के आधार पर उन्हें कथित कूटरचना से जोड़ना उचित नहीं है। अधिवक्ता मयूर दीप मिश्रा द्वारा न्यायालय के समक्ष धारा 409 भारतीय दण्ड संहिता के संबंध में तर्क दिया गया कि अभियुक्त के विरुद्ध संपत्ति की न्यासगत सुपुर्दगी तथा उसके बेईमानीपूर्वक दुरुपयोग का आवश्यक प्रथमदृष्टया आधार उपलब्ध नहीं है। धारा 420 के संबंध में यह तर्क रखा गया कि अभियुक्त द्वारा किसी व्यक्ति के साथ छल करने अथवा कपटपूर्ण प्रलोभन देकर संपत्ति प्राप्त करने का स्पष्ट प्रथमदृष्टया साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। धारा 467 एवं 468 के संबंध में बचाव पक्ष ने प्रश्नगत दस्तावेज एवं हस्ताक्षर की कूटरचना से अभियुक्त के संबंध को चुनौती दी तथा विशेषज्ञ रिपोर्ट को महत्वपूर्ण आधार बनाया। धारा 471 के संबंध में यह तर्क रखा गया कि अभियुक्त द्वारा किसी कूटरचित दस्तावेज को उसके कूटरचित होने के ज्ञान के साथ वास्तविक दस्तावेज के रूप में उपयोग किए जाने का प्रथमदृष्टया कोई पर्याप्त आधार नहीं है। वहीं धारा 34 भारतीय दण्ड संहिता के संबंध में बचाव पक्ष ने कहा कि केवल एक ही प्रकरण में अनेक व्यक्तियों के आरोपी होने मात्र से साझा आपराधिक आशय स्वतः सिद्ध नहीं होता।

# विधायक, कमिश्नर एवं सीईओ जिला पंचायत ने एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

## कमिश्नर ने विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षणिक परिणाम के लिए शिक्षकों को और अधिक मेहनत से अध्यापन की दी समझाइश

## सीईओ जिला पंचायत ने शिक्षक बनकर विद्यार्थियों से गणित के प्रश्न हल कराए

**शहडोल (स्वतंत्रमत)।** जैतपुर विधायक, कमिश्नर सुरभि गुप्ता तथा सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक व्यवस्था, सहशैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास की व्यवस्थाओं तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। आयुक्त ने विद्यालय में शिक्षकों से चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों को और अधिक मेहनत एवं लगन के साथ अध्यापन कार्य करना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों की विषयवार समझ को मजबूत करने, कठिन विषयों को सरल एवं सहज तरीके से समझाने तथा नियमित अभ्यास कराने की समझाइश दी। उन्होंने शिक्षकों के व्यक्तिगत परीक्षा परिणामों में भी और अधिक सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में संगीत, खेल एवं आर्ट-पेंट के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ उनकी रुचि एवं प्रतिभा के अनुरूप विभिन्न सहशैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत शिवम् प्रजापति ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से गणित विषय से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने विद्यार्थियों को पाइथागोरस सिद्धांत एवं क्वार्डिनेट की जानकारी देते हुए प्रश्नों को हल कराया तथा विद्यार्थियों की विषय संबंधी समझ का परीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों को गणित एवं विज्ञान जैसे विषयों का नियमित अभ्यास कराने तथा विद्यार्थियों से अधिक से अधिक प्रश्न हल कराने की समझाइश दी, ताकि विद्यार्थियों की विषय की समझ के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हो। उल्लेखनीय है कि एकलव्य आवासीय विद्यालय का सीबीएसई परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। अधिकारियों ने इस उपलब्धि के लिए विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाए रखते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जाना आवश्यक है। इसके पश्चात अधिकारियों ने छात्रावास का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से भोजन एवं नाश्ते की गुणवत्ता, समय पर भोजन उपलब्ध होने, छात्रावास में साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में भी अधिकारियों ने जानकारी ली तथा छात्रावास में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त एम.पी. सिंह, एसडीएम दीपक मंडावी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य आनंद राय सिन्हा, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** शनिवार 26 सितंबर को कृष्णा गार्डन में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण 25 की जगह 26 सितंबर को स्टेडियम की जगह कृष्णा गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि राष्ट के समुचित विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेलो इंडिया सहित विभिन्न योजनाओं और आयोजनों के माध्यम से देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के साथ-साथ शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल में हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना और निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास है। प्रतियोगिता में एक टीम विजेता और दूसरी उपविजेता बनती है, लेकिन मैदान पर उतरने वाला प्रत्येक खिलाड़ी अपने अनुभव से कुछ नया सीखता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से 200 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए हैं।

### सडक हादसे मे युवक की मौत, शव को रखकर परिजनों ने किया चक्काजाम

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** लोरहा हाइवे पर सड़क हादसे में स्थानीय नीलेश पिता रामनाथ यादव उम्र करीब 24 वर्ष के मौत की खबर है। हादसे में घटना के बाद गम्भीर रूप से जख्मी युवक को देर रात जिला अस्पताल लाया गया था,प्राथमिक उपचार कर बिना देर किए कटनी रेफेर कर दिया गया था,परन्तु डॉक्टर्स उसे बचा नही सके। अंततः कटनी अस्पताल में मौत हो गई। हादसा कैसे हुआ।

# विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं : मीना सिंह

## सरसवाही में 1.23 करोड़ की लागत से बने हायर सेकंडरी स्कूल भवन का मानपुर विधायक ने किया लोकार्पण

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** जिला मुख्यालय से लगे मानपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरसवाही स्थित शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। विद्यालय परिसर में लगभग 1 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रयोगशाला एवं क्लासरूम भवन का लोकार्पण मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह द्वारा किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक सुश्री मीना सिंह ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण करते हुए विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए बेहतर अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं का होना आवश्यक है। नए भवन के निर्माण से विद्यालय के विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ प्रयोगात्मक शिक्षा के लिए भी बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। नवनिर्मित प्रयोगशाला से विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों को प्रयोग के माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा। वहीं, अतिरिक्त क्लासरूम उपलब्ध होने से विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं के संचालन में सुविधा होगी तथा विद्यालय में अध्ययन का वातावरण और बेहतर बनने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने क्षेत्र में शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं तथा भविष्य की योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की बात कही। ग्रामीणों ने विद्यालय के लिए इतनी बड़ी राशि से भवन निर्माण एवं सुविधाओं के विस्तार को क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

# सुर्खियां बटोर रहे पीआईयू द्वारा कराए गये घटिया निर्माण कार्य..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश में विगत कुछ वर्षों से लोक निर्माण विभाग और इसके शाखा द्वारा बड़े बजट वाले शासकीय निर्माण कार्य बड़े संख्या में करवाये जा रहे हैं द्य इन विभाग में हो रहे 60 - 70 फीसदी निर्माण कार्यों के भृष्टाचारी लोकार्पण के पहले अथवा लोकार्पण के कुछ हसे महीने में ही उजागर होने लगते हैं! जब कि उक्त निर्माण कार्यों के मध्य में ही क्षेत्रवास्यों द्वारा गुणवत्ता विहीन हो रहे निर्माण कार्यों में सुधार और जांच के सांथ कार्यवाही करवाने के लिये शिकायत और मांग होने लगती है जिसके सच्चाई को मीडिया सरकार तक पहुंचाने में पहल करती रहती है, जिसके बाद मिली भगत के ताकत से ऐसे विषय वाले फाइल दवा दिये जाते हैं। जिन निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में बिलम्ब करते रहना भृष्टाचार को छिपाने का नियम सा बन चुका है, बाद में चंद दिनो मे ही उस बड़े रोड व भवनों का निर्माण करके टेंटिंग - पेंटिंग करके किसी बड़े जन प्रतिनिधि द्वारा लोकार्पण करवा कर भृष्टाचार छिपाने में शफल्ता हांसिल कर लिया करते हैं, जब कभी अधूरे कार्य में ही भृष्टाचारी उजागर होने लगता है तब विभाग द्वारा जवाब में कहा जाता है कि ठेकेदार का पैसा रुका हुआ है, यदि निर्माण कार्य में निर्धारित समय से पहले खराबी आई तो उसी पैसा से मरम्त करवाया जायेगा। बिना टीपी के रेत का उपयोग होने से कहा जाता है कि जीएसटी की राषी काट कर ठेकेदार का भुक्तान होगा। वहीं स्टीमेट से हटकर सस्तेवाले और घटिया एवं कम मात्रा में मटेरियल के उपयोग होते में आवाज उठने पर जवाब दिया जाता है कि स्टीमेट को सार्वजनिक करने का नियम नहीं है, यह निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन हो रहा है अथवा नहीं जिसको जन्ता नहीं शिर्फ उपयंत्री शिद्ध कर सकते है, अन्य लोग क्या जाने गुणवत्ता और स्टीमेट के बारे में ? इस तरह के भृष्टाचार छिपाने के लिये विभाग द्वारा कई प्रकार के रचारचाई दिमाक लगाई जाती है। दुख की बात यह है कि डेढ़ से ढाई लाख रुपये से बनने वाले पीएम आवास योजना से बनने वाले मकानों की उम्र 40 - 50 साल से ज्यादा होता है और करोड़ों के लागत से बनने वाले भवनों की उम्र 10 - 15 वर्ष से कम क्यों हुआ करता है.? मानपुर एसडीएम कार्यालय, परासी ध आगनबाड़ी, रेझौहां आगनबाड़ी, मझखेता आगनबाड़ी केन्द्र, महरोंई विज्ञानलैब, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द चंसुरा और अमरपुर, डिगरी कॉलेज मानपुर, सीएमराइस स्कूल मानपुर एवं मानपुर क्षेत्र में बने कई स्कूल भवनो का निर्माण कार्य पीआईयू विभाग एजेंशी द्वारा करवाया गया है जिन भवनों के भृष्टाचार महीना पंद्रह दिन से छरूमाह तक में ही प्रगट्य होकर उजागर होने लगजाता है, मानपुर क्षेत्र में कई निर्माण कार्य आज दिनांक तक अधर में लटके हैं और बिलभुक्तान पूर्ण हो चुका है। जहां लोगों का कहना है कि लोक निर्माण और पीआईयू विभागीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण करने वाले भारत में क्या कोई विभाग अथवा अधिकारी न होंगें जो इन विभागों के निर्माण कार्यों की निस्पक्ष रूप में शक्त जांच कर कड़े कार्यवाही करवा सकें जिससे भविस्य में भृष्टाचार पर रोंक लगाकर शास्कीय बजट का सदुपयोग होने लगे, दोसियों द्वारा दुरुयोग रुपियों का वसूली करवा कर दोसियों पर कड़े कार्यवाही करवाया जा सके।


## कार्यालय नगरपालिका परिषद् धनपुरी जिला – शहडोल म.प्र.

(कार्यालय दूरभाष नं. एवं फैक्स नं. – 07652–250318, E-mail ID- cmodhanpuri@mpurban.gov.in)

क्रमांक/न.पा./लो.नि./2026–27/1239 धनपुरी दिनांक :– 25/09/2026

//निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली एवं जेम पोर्टल पर पंजीकृत संविदाकारों से ऑनलाईन जेम पोर्टल के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट GEM Portal पर निम्नानुसार बिड नं. पर देखा जा सकता है।

| क्र | जेम बिड क्रमांक एवं दिनांक | कार्य का नाम | लागत एवं अमानत राशि | कार्य की समयावधि | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | BID NO; GEM/2026/B/8068185 Dt-24-09-2026 | PROVIDING/FIXING/FEBRICATION OF EXISTING WELCOME GATE WITH ACTIVE LED DISPLAY SYSTEM. | 86.50 लाख जीएस.टी सहित एवं EMD-86000/- | कार्यादेश से 120 दिवस | 24.10.2026 को 6.00 PM |
| 2 | BID NO; GEM/2026/B/8068047 Dt-24-09-2026 | Supply of 2 nos EV Grand Trackless Train | 27.80 लाख जीएस.टी सहित एवं EMD-27800/- | कार्यादेश से 120 दिवस | 24.10.2026 को 6.00 PM |
| 3 | BID NO; GEM/2026/B/8042316 Dt-22-09-2026 | Supply of 3 nos EV London Bus. | 21.30 लाख जीएस.टी सहित एवं EMD-21300/- | कार्यादेश से 120 दिवस | 23.10.2026 को 6.00 PM |

नोट :– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन GEM Portal की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला– शहडोल म.प्र.

# न्यूट्रिशन और डायटेटिक्सः सेहत के साथ करियर

बदलती जीवनशैली, व्यस्त दिनचर्या और खानपान की आदतों में बदलाव के कारण लोग अब स्वास्थ्य और पोषण को लेकर पहले से अधिक जागरूक हैं। संतुलित आहार केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। इसी वजह से न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ तेजी से जुड़ता करियर विकल्प बन रहा है।

## क्या है न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स?

इस क्षेत्र में भोजन, पोषक तत्वों और उनके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिजों की भूमिका समझने के साथ अलग-अलग आयु और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार संतुलित आहार की योजना बनाना सिखाया जाता है।

## 12वीं के बाद कौन-से कोर्स?

12वीं के बाद विद्यार्थी अपनी रुचि और करियर लक्ष्य के अनुसार बीएससी न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, बीएससी फूड एंड न्यूट्रिशन, बीएससी होम साइंस, बीएससी फूड साइंस जैसे स्नातक पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इनकी अवधि संस्थान के अनुसार सामान्यतः 3 से 4 वर्ष हो सकती है। जल्दी कौशल हासिल करने के लिए संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा या प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी विकल्प हैं। स्नातक के बाद एमएससी न्यूट्रिशन, डायटेटिक्स या फूड साइंस में विशेषज्ञता ली जा सकती है। शोध और शिक्षण के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पीएचडी का विकल्प भी उपलब्ध है।

## किन विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त?

जिन विद्यार्थियों को जीव विज्ञान, स्वास्थ्य, भोजन और विज्ञान में रुचि है, वे इस क्षेत्र पर विचार कर सकते हैं। वैज्ञानिक सोच, लोगों की जरूरत समझने की क्षमता, विश्लेषण और प्रभावी संवाद कौशल इस क्षेत्र में उपयोगी हैं।

## कहां मिलेंगे करियर के अवसर?

न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स से जुड़े पेशेवर अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, फिटनेस एवं वेलनेस सेंटरों, खाद्य उद्योग, शोध संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में काम कर सकते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में भी अवसर मिल सकते हैं। न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स में प्रमुख अवसर ये हैं

1 **अस्पताल** - क्लिनिकल न्यूट्रिशन और मरीजों के लिए आहार योजना।

2 **डायटेटिक्स** - व्यक्तिगत स्वास्थ्य और खानपान के अनुसार आहार सलाह।

3 **फिटनेस सेंटर** - वजन प्रबंधन और फिटनेस डाइट संबंधी मार्गदर्शन।

4 **स्कूल-कॉलेज** - विद्यार्थियों के पोषण और स्वास्थ्य कार्यक्रम।

5 **खाद्य उद्योग** - खाद्य गुणवत्ता, उत्पाद विकास और पोषण संबंधी कार्य।

6 **सार्वजनिक स्वास्थ्य** - पोषण अभियान और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।

7 **शोध एवं शिक्षण** - शोध संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अवसर।

8 **स्वरोजगार** - अनुभव और आवश्यक योग्यता के बाद पोषण परामर्श सेवा शुरू करने का विकल्प।

## प्रमुख करियर पद

न्यूट्रिशनिस्ट, डायटिशियन, क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट, स्वास्थ्य सलाहकार, खाद्य एवं पोषण विशेषज्ञ, शोधकर्ता और शिक्षक।

# असफलता को स्वीकारें, सीखें और आगे बढ़ें

जीवन हमेशा सीधी और आसान राह नहीं होता। इसमें उतार-चढ़ाव, मोड़ और चुनौतियां आती रहती हैं। हर विद्यार्थी सफलता पाना चाहता है, लेकिन रास्ते में असफलता का सामना होना भी स्वाभाविक है। असफलता को अंत मानकर निराश होने के बजाय इसे सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर समझना चाहिए।

## असफलता को स्वीकारना पहला कदम

परीक्षा में कम अंक आना, प्रतियोगिता में चयन न होना या किसी लक्ष्य को समय पर हासिल न कर पाना असफलता हो सकती है। ऐसी स्थिति में दूसरों को दोष देने या भाग्य को कोसने के बजाय अपनी कमियों को पहचानना जरूरी है। अपनी गलतियों को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता और आत्मविश्वास की निशानी है।

## आत्मविश्लेषण से पहचानें कमी

असफलता के बाद आत्मविश्लेषण सबसे महत्वपूर्ण कदम है। खुद से सवाल करें कहां कमी रह गई? तैयारी पर्याप्त थी या नहीं? समय का सही प्रबंधन हुआ? कौन-सी रणनीति काम नहीं कर पाई? इन सवालों के जवाब अगली तैयारी को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

## रणनीति बदलें, लक्ष्य नहीं

बार-बार एक ही तरीके से प्रयास करने के बजाय जरूरत के अनुसार अपनी रणनीति बदलें। पढ़ाई में कठिनाई है तो विषय को छोटे हिस्सों में बांटें, नियमित अभ्यास करें और शिक्षक या विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लें। असफलता के बाद बनाया गया नया लक्ष्य स्पष्ट, व्यावहारिक और समयबद्ध होना चाहिए।

## नकारात्मक सोच से बचें

एक परीक्षा या एक प्रयास में मिली असफलता से पूरा भविष्य तय नहीं होता। खुद की तुलना दूसरों से करने के बजाय अपनी पिछली स्थिति से करें। छोटी-छोटी प्रगति पर ध्यान दें और लगातार प्रयास करते रहें। धैर्य, अनुशासन और निरंतरता सफलता की राह मजबूत बनाते हैं।

नीलू गुप्ता

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी,
गोविंदगंज,
जबलपुर।

# पीआरटी, टीजीटी, पीजीटी समेत शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर अवसर

डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति (डीएवीसीएमसी) ने शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए देशभर के डीएवी स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी), नर्सरी शिक्षक और परामर्शदाता के साथ लिपिक, सहायक, पुस्तकालय सहायक, प्रयोगशाला सहायक और नर्स के पद शामिल हैं।

**इन विषयों में अवसर**- हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, संगीत, कला एवं शिल्प, शारीरिक शिक्षा समेत विभिन्न विषयों में शिक्षकों की जरूरत है। पीजीटी स्तर पर भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विषय शामिल हैं।

**कहां होगी भर्ती**- मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत 15 से अधिक राज्यों के डीएवी स्कूलों में रिक्तियां हैं।

**चयन प्रक्रिया**- ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, कम्प्यूटर आधारित परीक्षा और स्कूल स्तर पर प्रदर्शन परीक्षा/साक्षात्कार के आधार पर चयन होगा। परीक्षा दिसंबर 2026 में प्रस्तावित है।

**आवेदन शुल्क**- 300 रूपए आवेदन शुल्क है। अभ्यर्थी आवेदन से पहले संबंधित स्कूल की रिक्ति, योग्यता और अन्य शर्तों की आधिकारिक सूचना जरूर देखें।

# मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना : पाएं लोन से लेकर सब्सिडी तक का लाभ

क्या आप भी खुद का बॉस बनने का ख्वाब देख रहे हैं? अपना बिजनेस शुरू कर न केवल खुद अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार देना चाहते हैं! मगर पैसों की कमी आड़े आ रही है। तो हम आपको मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक खास योजना के बारे में बताने जा रहे हैं। इस योजना के तहत आप 10 लाख रुपये तक का लोन लेकर एक सफल बिजनेसमैन बन सकते हैं। यह योजना क्या है? योजना का उद्देश्य क्या है? इसके लिए कैसे आवेदन करें? चलिए हम आपको बताते हैं।

## योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य राज्य के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। साथ ही प्रदेश में लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर व रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। इस योजना के जरिए उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र और अन्य व्यवसायों को प्रोत्साहित करना है।

## योजना के फायदे

- योजना के तहत 50,000 से 10 लाख रुपये तक का कर्ज उपलब्ध कराया जाता है।
- सामान्य वर्ग के आवेदकों को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत तक (अधिकतम 1 लाख रुपये) दिए जाते हैं।
- बीपीएल/एसटी/एससी/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला/अल्पसंख्यक/दिव्यांगजन को परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (अधिकतम 2 लाख) आर्थिक मदद।
- विमुक्त घुमक्कड़ व अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति को परियोजना लागत का 30 प्रतिशत अधिकतम (3 लाख रुपये) की अतिरिक्त मदद।
- भोपाल गैस पीड़ितों को अतिरिक्त 20 फीसदी या अधिकतम 1 लाख की मदद।
- 5 प्रतिशत तक ब्याज दर में सब्सिडी, महिलाओं को 7 प्रतिशत तक ब्याज में सब्सिडी मिलती है।
- यह सब्सिडी 7 साल (25,000 रुपये सालाना) तक दी जाती है।
- योजना के अंतर्गत गारंटी फीस अधिकतम 7 साल तक देय होगी।

## पात्रता क्या है?

- आवेदक मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
- आवेदक की उम्र 18 साल से 45 साल के बीच हो।
- किसी भी अन्य सरकारी स्वरोजगार योजना का लाभ न लिया गया हो।
- आवेदक के पास अपना एक बिजनेस प्लान होना चाहिए।
- आवेदक कम से कम 5वीं कक्षा पास हो।

किन लोगों को नहीं मिलेगा लोन

- अगर किसी ने बैंक से लोन लेकर न लौटाया हो और डिफाल्टर घोषित हुआ हो।
- आवेदक का परिवार पहले से ही किसी बिजनेस में इनकम टैक्स न देता हो।
- सिर्फएक बार इस योजना का लाभ मिल सकता है।

## कैसे करें ऑफलाइन अप्लाई

आप पास के जिला उद्योग केंद्र या नगरपालिका ऑफिस में जाकर भी दस्तावेजों के साथ फॉर्म जमा करा सकते हैं। हालांकि बैंक और सरकारी एजेंसियों द्वारा फॉर्म को वैरिफाई और अटेंचटेड कराना होगा। इसके बाद ही लोन मिल सकेगा।

# अमेरिका में ग्रीन कार्ड के नियम बदले, भारतीय आवेदक जानें जरूरी बातें

अमेरिका में ग्रीन कार्ड यानी स्थायी निवास के लिए आवेदन करने वालों के लिए 'पब्लिक चार्ज' नियम एक बार फि र चर्चा में है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने सितंबर 2025 में अधिकारियों को पब्लिक चार्ज से जुड़े मौजूदा कानून और दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा था।

**क्या है नियम**- इस नियम के तहत यह देखा जाता है कि आवेदक भविष्य में मुख्य रूप से सरकार पर निर्भर रहने की स्थिति में तो नहीं होगा। आकलन में उम्र, स्वास्थ्य, पारिवारिक स्थिति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा और कौशल समेत कई परिस्थितियों को देखा जा सकता है।

**किन लाभों पर ध्यान?**- मौजूदा नियमों में मुख्य रूप से कुछ सरकारी नकद सहायता और सरकार के खर्च पर लंबे समय तक संस्थागत देखभाल जैसे लाभ प्रासंगिक हो सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी सरकारी दस्तावेजों के अनुसार एसएनएपी, स्कूल भोजन, कई अन्य गैर-नकद पोषण शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम सामान्यतः पब्लिक चार्ज आकलन में शामिल नहीं हैं।

**आवेदकों के लिए जरूरी बात**- पब्लिक चार्ज नियम सभी आव्रजन आवेदकों पर समान रूप से लागू नहीं होता। कुछ श्रेणियों, जैसे शरणार्थी, शरण मांगने वाले और कुछ मानवीय मामलों में छूट है। इसलिए भारतीय आवेदकों को किसी भी सरकारी लाभ का इस्तेमाल बंद करने या आवेदन वापस लेने से पहले अपनी विशिष्ट आव्रजन स्थिति के अनुसार आधिकारिक दिशा-निर्देश जरूर देखना चाहिए।

# सीए जनवरी 2027, परीक्षा से पहले ऐसे बनाएं पढ़ाई की रणनीति

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अपडेट है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने जनवरी 2027 में होने वाली सीए फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षाओं का टाइमटेबल जारी कर दिया है। छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम देखकर तैयारी की योजना बना सकते हैं।

## इंटरमीडिएट परीक्षा

सीए इंटरमीडिएट ग्रुप-1 की परीक्षाएं 2, 4 और 6 जनवरी 2027 को होंगी, जबकि ग्रुप-2 की परीक्षाएं 8, 10 और 12 जनवरी को आयोजित की जाएंगी। सभी पेपर का समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा।

## फउंडेशन परीक्षा

सीए फउंडेशन की परीक्षाएं 3, 5, 7 और 9 जनवरी 2027 को होंगी। पेपर-1 और पेपर-2 के लिए तीन घंटे तथा पेपर-3 और पेपर-4 के लिए दो घंटे का समय निर्धारित है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू होगी।

## आवेदन की प्रमुख तारीखें

परीक्षा आवेदन 3 नवंबर 2026 से शुरू होंगे। बिना विलंब शुल्क आवेदन की अंतिम तारीख 16 नवंबर है। 600 रुपये अतिरिक्त शुल्क के साथ 19 नवंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन में सुधार के लिए 20 से 22 नवंबर तक अवसर मिलेगा। विद्यार्थी परीक्षा फ ॉर्म स्टूडेंट सर्विस पोर्टल के माध्यम से भर सकेंगे। उन्हें सलाह है कि समय पर आवेदन करें और तैयारी के लिए अभी से विषयवार अध्ययन योजना बनाएं।

## तैयारी के लिए अपनाएं ये तरीके

1 सीए फउंडेशन की तैयारी के लिए सबसे पहले आईसीएआई की आधिकारिक अध्ययन सामग्री को आधार बनाएं। चारों पेपर, अकाउंटिंग, बिजनेस लॉज, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और बिजनेस इकोनॉमिक्स के लिए आईसीएआई स्टडी मटेरियल से अध्यायवार पढ़ाई करें।

2 इसके साथ रिवीजन टेस्ट पेपर, मॉक टेस्ट पेपर, मॉडल प्रश्न और पिछले प्रश्नपत्र जरूर हल करें। क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड में बिजनेस मैथमैटिक्स, लॉजिकल रीजनिंग और स्टैटिस्टिक्स के फार्मूले अलग कॉपी में लिखकर रोज अभ्यास करें।

3 इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को अपने ग्रुप के अनुसार एडवांस्ड अकाउंटिंग, कॉरपोरेट एंड अदर लॉज, टैक्सेशन, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, ऑडिटिंग एंड एथिक्स तथा फइनेंशियल मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट की आईसीएआई अध्ययन सामग्री से तैयारी करनी चाहिए।

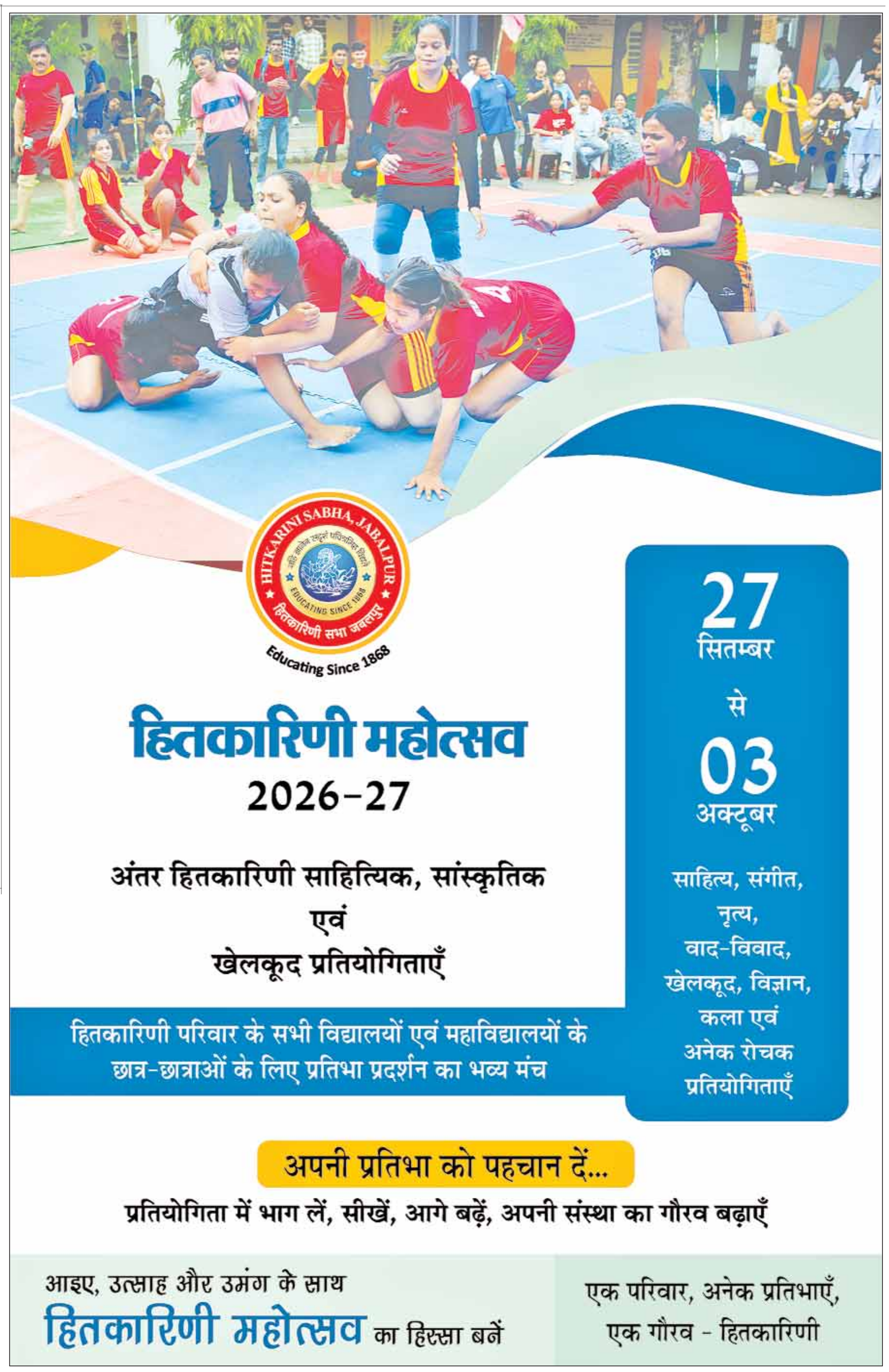


## शब्द पहेली - 8987

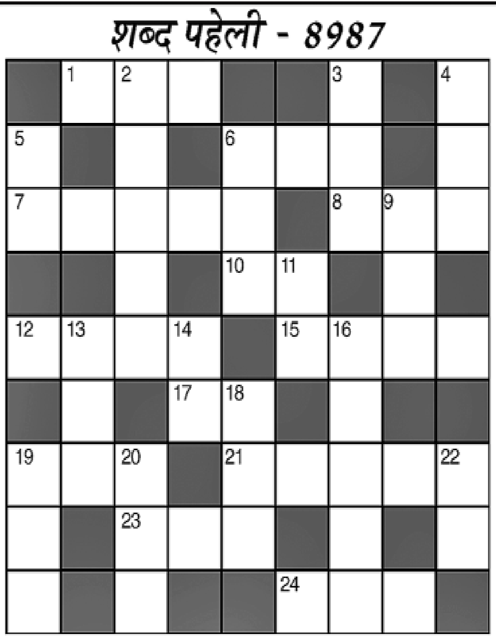

**बाएँ से दाएँ**

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

**ऊपर से नीचे**

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8986 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# दो साल में 31.32 करोड़ खर्च के बाद भी सड़कें जानलेवा

## पैदल चलना भी मुश्किल

सतना (स्वतंत्र मत)

स्मार्ट सिटी सतना की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है, लेकिन बारिश के बाद शहर की सड़कों का हाल और भी बदतर हो गया है। आलम यह है कि सड़कों पर वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जबकि पिछले दो साल में सड़कों के रेस्टोरेशन के नाम पर शहर में 31.32 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि खर्च की जा चुकी है।

जानकारी के अनुसार इस राशि में 7.91 करोड़ स्मार्ट सिटी फंड और 23.41 करोड़ नगर निगम फंड शामिल है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद शहर की सड़कों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। कागजों में विकास दिख रहा है, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर की सबसे व्यस्त स्टेशन रोड का हाल सबसे बुरा है। यहां जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क है। इस सड़क पर चलने से ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी नाव या झूले में बैठे हों। वाहन चालक गड्ढों से बचने के चक्कर में आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। वहीं वार्ड नंबर 11 घूरडांग की मुख्य सड़क जो कैमा स्टेशन को जोड़ती है उसका भी कमोबेश यही हाल है। पूरी सड़क कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। स्कूली बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों को इस सड़क से निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बाइक सवार फिसलकर घायल भी हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम और स्मार्ट सिटी के जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं। सड़क बनती है और दो महीने में ही उखड़ जाती है। गुणवत्ताहीन काम और भ्रष्टाचार के चलते जनता के करोड़ों रुपये बर्बाद हो रहे हैं। बावजूद इसके शहर के जनप्रतिनिधियों को जरा भी शर्म नहीं आ रही है। वे रोज फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत उनके दावों की पोल खोल रही है। नागरिकों ने मांग की है कि 31.32 करोड़ रुपये के खर्च का ऑडिट कराया जाए और दोषी ठेकेदारों व अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराई जाए ताकि लोगों को इस जानलेवा सफर से राहत मिल सके।

### सतना महापौर अयोग्यता मामला

# गलत तथ्यों के आधार पर स्टे प्राप्त करने का आरोप, हाईकोर्ट में 12 अक्टूबर को होगी बहस

सतना (स्वतंत्र मत)

सतना नगर निगम के महापौर योगेश ताम्रकार के खिलाफ प्रॉपर्टी टैक्स की भारी बकाया राशि 67,15,369 रुपये जमा न करने के कारण महापौर पद से अयोग्य ठहराने का मामला अब बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी सतना के जिलाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह द्वारा दायर व्यवहार वाद में महापौर पर मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 17(2)(डी) के तहत अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

## जिला न्यायालय ने खारिज किए थे महापौर के तर्क

व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-एक, जिला सतना की अदालत में दायर वाद क्रमांक ऋष्ट्स 287/2025 में महापौर द्वारा प्रस्तुत बचाव के तमाम तर्कों को अदालत ने खारिज कर दिया था। 27 अप्रैल 2026 को पारित अपने आदेश में न्यायालय ने वाद प्रश्न तय करने के लिए 27 जून 2026 की तिथि निर्धारित की थी। जिला अदालत के इस रुख के बाद महापौर योगेश ताम्रकार ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में सिविल रिवीजन याचिका (ष्ट्रक्र ह्रश. 624/2026) दायर की। वादी पक्ष डॉ. अमित सिंह का गंभीर आरोप है कि महापौर ने हाईकोर्ट में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाकर 13 जुलाई 2026 को अंतरिम स्थगन प्राप्त किया था। हाईकोर्ट में उत्तरदाता डॉ. अमित सिंह की ओर से उनके अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष आवेदन देकर स्पष्ट किया कि महापौर पक्ष द्वारा किन-किन कानूनी तथ्यों को छिपाकर स्टे हासिल किया गया है। अधिवक्ता ने मांग की कि गलत तथ्यों के आधार पर दिए गए इस स्थगन को तत्काल निरस्त किया जाए। डॉ. अमित सिंह पक्ष के तर्कों को गंभीरता से लेते हुए माननीय उच्च न्यायालय (न्यायमूर्ति दीपक खोत) ने मामले की बहस हेतु 12 अक्टूबर 2026 की तिथि निर्धारित की है।

## हाईकोर्ट में छुपाए गए मुख्य कानूनी तथ्य (वादी पक्ष के अनुसार

प्रथम अपर जिला न्यायाधीश का आदेश (22/12/2016) विविध व्यवहार अपील क्रमांक 3400059/2016 में प्रथम अपर जिला न्यायाधीश, सतना ने 22 दिसंबर 2016 को स्पष्ट आदेश दिया था कि एक माह के भीतर बकाया कर का भुगतान किया जाए। इस आदेश की जानकारी छिपाई गई। सिविल रिवीजन वापस लेना (45/2017 एवं 133/2017) जिला अदालत के उक्त आदेश के खिलाफ योगेश ताम्रकार व अन्य बकायादारों ने हाईकोर्ट जबलपुर में सिविल रिवीजन दायर कर पहले वसूली पर स्थगन लिया था। परंतु हाईकोर्ट द्वारा इस पर कोई अंतिम फैसला सुनाए जाने से पूर्व ही स्वयं याचिकाकर्ताओं द्वारा आवेदन देकर अपना केस वापस ले लिया गया था।

## 12 अक्टूबर की सुनवाई पर टिकी नजरें

हाईकोर्ट में उत्तरदाता के वकील द्वारा इन तथ्यों को रिकॉर्ड पर लाए जाने के बाद अब सभी की निगाहें 12 अक्टूबर को होने वाली महत्वपूर्ण बहस पर टिक गई हैं, जहां महापौर के अयोग्यता मामले और स्टे के भविष्य का फैसला होगा।

# मंदिरों में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही

## शिवराजपुर दहलान धाम में दानपेटी टूटी नगदी लेकर फरार हुए चोर

**सतना (स्वतंत्र मत)।** जिले में आस्था के केंद्रों पर चोरों की नजर लगातार बनी हुई है। मंदिरों में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला सिंहपुर थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध शिवराजपुर दहलान धाम हनुमान मंदिर का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर दानपेटी में रखी नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार, दहलान धाम हनुमान मंदिर में रोज की तरह शाम की आरती के बाद पुजारी मंदिर बंद कर घर चले गए थे। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चोर मंदिर परिसर में घुसे और दानपेटी का ताला तोड़ दिया। सुबह जब पुजारी मंदिर की साफ-सफाई के लिए पहुंचे तो उन्हें दानपेटी टूटी हुई मिली और अंदर रखी सारी नकदी गायब थी। तुरंत इसकी सूचना मंदिर समिति और ग्रामीणों को दी गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख और नाराजगी जताई। मंदिर समिति के सदस्यों का कहना है कि यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र है और यहां इस तरह की चोरी होना बेहद चिंताजनक है। घटना की जानकारी लगते ही एसडीओपी रघु केसरी और सिंहपुर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया फिंगरप्रिंट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जिले में मंदिरों में चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके कुछ दिन पहले ही गाजीपुर स्थित देवी मंदिर से लगभग 25 किलो चांदी के आभूषण और मुकुट चोरी हो गए थे, जिसका आज तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि जिले के सभी प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

# बच्चों-महिलाओं का समग्र विकास शासन की प्राथमिकता : मंत्री उदय प्रताप सिंह

## आमगांवछोटा में संपन्न हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना साईखेड़ा के आंगनवाड़ी केंद्र आमगांवछोटा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चों, महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े विषय समाज के भविष्य से जुड़े हुए हैं। आंगनवाड़ी केंद्र इन प्रयासों की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जहां बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक विकास के साथ महिलाओं एवं परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।उन्होंने कहा कि बेटियों का सम्मान, बच्चों का पोषण और महिलाओं का सशक्तिकरण एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा समाज की सहभागिता से इन योजनाओं को प्रभावी बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सिंह ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे गांव-गांव में शासन की योजनाओं को पहुंचाने और महिलाओं एवं बच्चों से सीधे जुड़कर सेवा देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा के साथ उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पोषित एवं शिक्षित बालिकाएं तथा आत्मनिर्भर महिलाएं ही सशक्त समाज की आधारशिला हैं, इसलिए शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिला एवं बालिका तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सिंह एवं अन्य अतिथियों ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत लाड़ली बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए। साथ ही कुपोषित बच्चों को पोषण किट प्रदान की गई। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से मिलने वाले लाभ की जानकारी ली तथा अन्य पात्र परिवारों को भी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

# सनातन वैदिक अनुष्ठान समापन पर हुई भक्तों के कल्याण की कामना

**नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।** श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 12 दिवसीय पावन गणेश महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ हुआ। इस अवधि के दौरान प्रतिदिन शास्त्रोक्त मर्यादाओं के अनुरूप सनातन वैदिक अनुष्ठान का विधि-विधान पूर्वक आयोजन चलता रहा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चि दुःख भाग्भवेत॥

भक्तजनों के सुख, आरोग्य और शांति की मंगलकामना के पवित्र भाव से यह अनुष्ठान आचार्य कृष्णकांत उदेनिया एवं पं विनोद मिश्रा के सान्निध्य में हुआ। आचार्यद्वय ने यजमानों से मंत्रोच्चार के बीच विधिपूर्वक पूजन-अर्चन और आहुतियां संपन्न कराईं।

# भारी बारिश से बाणसागर बांध लबालब

## 12 गेट खोलकर छोड़ा गया पानी डाउनस्ट्रीम में अलर्ट जारी

**सतना (स्वतंत्र मत)।** रुक-रुक कर हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाणसागर बांध के कैचमेंट एरिया में पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है। जिसके चलते आज बाणसागर डैम के 12 गेट खोल दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार बाणसागर मुख्य बांध के कैचमेंट में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण बांध में जल आवक तेजी से बढ़ गई है। पूर्ण भराव जलस्तर बनाए रखने के लिए आज दिनांक 26 सितंबर को सुबह बांध के डिस्चार्ज में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। डैम के 12 गेट खुलने के साथ ही सोन नदी के किनारे बसे मैहर और सीधी जिले के क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नदी व बांध के आसपास किनारे वाले इलाकों में जाने से लोगों को रोकने की अपील भी मैहर व शहडोल जिला प्रशासन द्वारा की गई है।

# मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत करेलीकलां में जन संवाद शिविर आयोजित

## कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत करेलीकलां में शुक्रवार को जन संवाद शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन मौजूद थे। जन संवाद के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने किसानों को फार्मर आईडी के महत्व एवं इसके लाभ की जानकारी दी। उन्होंने पात्र किसानों से फार्मर आईडी बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना की जानकारी देते हुए पात्र श्रमिकों को पंजीयन कराकर योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।कलेक्टर ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी और पशुपालकों से पात्रतानुसार इन योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शिविर में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 34 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जन संवाद शिविर में 9 स्व-सहायता समूहों को कुल 30 लाख रुपये की ऋण राशि के चेक वितरित किए गए। वहीं पशुपालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 7 हितग्राहियों को कुल 7 लाख 94 हजार 224 रुपये की सहायता प्रदान की गई। इनमें आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना, समुन्नत पशु प्रजनन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना, 10+1 बकरी इकाई योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना के हितग्राही शामिल रहे। इसी प्रकार 2 मछुआ हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 20-20 हजार रुपये की राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर मरीजों को नियमित उपचार लेने, पौष्टिक आहार का सेवन करने के लिए प्रेरित किया।

# श्री तारण तरण जैन समाज द्वारा पर्वराज पर्युषण का क्षमावाणी कार्यक्रम से समापन किया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

श्री दिगम्बर जैन समाज के दस दिनों तक चले पर्वराज पर्युषण का समापन श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुये इस अवसर पर सामुहिक क्षमावाणी की गई। सामुहिक क्षमावाणी श्री सकल दिगम्बर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन द्वारा कराई गई।इसके पूर्व सुबह पूर्ण भक्तिभाव के साथ मन्दिर विधि की गई मन्दिर विधि में आचार्य संत तारण तरण स्वामी द्वारा रचित श्री मालारोहणजी, श्री पंडित पूजा जी,और कमलबत्तीसी जी ग्रन्थों की फूलना पढ़ी गई तथा तिलक महोत्सव किया गया।पर्वराज पर्युषण के अवसर पर श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी मे इटारसी से पधारे श्री ओमप्रकाश जैन शास्त्री का उनके द्वारा पर्युषण पर्व में दसलक्षण धर्म की दसों दिनों तक की गई आराधना पर श्री सकल तारण तरण जैन समाज द्वारा श्रीफल और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।इस अवसर पर श्री सकल तारण तरण जैन समाज के अध्यक्ष राकेश जैन(मंगलकलश),मुकेश जैन(शांतिदूत),श्री सकल दिगम्बर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन, राजकुमार जैन(जैन किराना),संजय सराफ, जतिन जैन(लकी), श्री बीरश्री महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती भारती जैन(मंगलकलश),श्रीमती आशा जैन(शांतिदूत), ने अपने उदबोधन में पर्वराज पर्युषण पर्व पर इटारसी से पधारे श्री ओमप्रकाश जैन शास्त्री की प्रंशसा करते हुये कहा की पर्वराज पर्युषण के दस दिनों में उनके द्वारा गुरुमहाराज द्वारा रचित दसलक्षण धर्म की प्रभावना करते हुये उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।श्री सकल तारण तरण समाज द्वारा पर्वराज पर्युषण पर उपवास करने हेतु श्रीमती राशि जैन, श्रीमती स्मृति जैन, श्रीमती शुभी जैन, श्रीमती रिया जैन,कु.परी, कु.सांझी,कु.महक,कु.मुस्कान, निक्की जैन, शिशिर जैन, मन जैन तथा कु.फाल्गुनी जैन द्वारा कक्षा 12 वी में 85 प्रतिशत कु. परी जैन द्वारा कक्षा दसवीं में 91प्रतिशत, मास्टर अनय जैन द्वारा कक्षा 3 में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करने कु.अवनि जैन द्वारा सम्भागीय स्तर पर तैराकी प्रतियोगिता,और अरहन जैन के नीट परीक्षा पास कर एम बी बी एस में पहुंचने के लिये श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन श्री सकल तारण तरण समाज के सचिव राजीव जैन(पत्रकार)द्वारा किया गया।

## रेल रोको आंदोलन किया स्थगित

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जिले की रेल सुविधाओं नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज सहित विभिन्न लंबित रेल मांगों को लेकर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने शनिवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर के डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता से उनके कार्यालय में मुलाकात की प्रतिनिधिमंडल ने जिले की प्रमुख रेल समस्याओं और मांगों को लेकर विस्तार से चर्चा की बैठक में नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की प्रक्रिया, ट्रेनों के संचालन, मौजूदा ट्रेनों के विस्तार और मंडला की रेल कनेक्टिविटी से जुड़े कई मुद्दे उठाए गए बैठक में नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज के संबंध में पूछे गए सवाल पर डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि ओवरब्रिज निर्माण में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं है। निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करने की प्रक्रिया जारी है स्टीमेट पूर्ण होने के बाद जल्द ही टेंडर जारी किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

## निबंध भाषण प्रतियोगिता

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जनपद शिक्षा केंद के तत्वावधान में सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की विभिन्न विधाओं एवं दोनों स्तरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह तथा प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया गया। आयोजन का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, अभिव्यक्ति कौशल, सरोकार एवं सेवा भावना को विकसित और प्रोत्साहित करना रहा।

## अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में नगरपालिका के हॉल में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्थानीय एवं निजी क्षेत्र की 5 प्रतिष्ठित कम्पनियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती सुषमा विश्वकर्मा ने उपस्थित अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

## दुर्गा नवमी को अवकाश

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जिले में वर्ष 2026 के लिए दुर्गा नवमी के अवसर पर 19 अक्टूबर को सम्पूर्ण जिले के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। पूर्व में 4 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था जिसे शासन द्वारा शासकीय सामान्य अवकाश घोषित किए जाने के कारण नए अवकाश को निर्धारित किया गया है।

## उत्कृष्ट में एनएसएस दिवस

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसएस दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पर्यावरणविद् राजेश क्षत्री एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने विद्यार्थियों को सेवाभाव अपनाने तथा घर के बुजुर्गों की सेवा के साथ राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदारियां निभाने के लिए प्रेरित किया।

## पेंशनर्स ने सौंपा ज्ञापन

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** अखिल भारतीय राज्य शासकीय पेंशनर महासंघ के राष्ट्रीय आव्हान पर तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रांताध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन मध्यप्रदेश राजकुमार दुबे के निर्देश अनुसार वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन जिला शाखा बीके राय जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में गिरते पानी में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनर्स एकत्र होकर कलेक्ट्रेट जाकर ज्ञापन सौंपा।

# हीरापुर में बिजली का कहर...चार युवकों की करंट से मौत

## एसडीएम ने अधीक्षण अभियंता को लताड़ा, बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

**मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्रमत)।**

तहसील नैनपुर के ग्राम हीरापुर में शनिवार की सुबह हुई घटना से गांव में मातम फैल गया। शुक्रवार की रात पूरा गांव उत्साह और उमंग में डूबा रहा यहां मंदिर में विराजित गणेश प्रतिमा के विसर्जन चल समारोह में पूरे गांव के लोग शामिल हुए देर रात तक ढोल धमाके बजते रहे सुबह पहर युवक प्रतिमा विसर्जन करके लौटे और गणेश पंडाल में ही सोने के लिए चले गए। यहां पर 7 युवक सो हुए थे कि सुबह पहर हवा तूफान से विद्युत मुख्य लाईन का तार टूटकर मंदिर परिसर में लगी रेलिंग में जा फंसी जिसकी चपेट में यहां सो रहे चार युवक आ गए और वे हादसे के शिकार हो गए जिनकी मौंके में ही मौत हो गई वहीं तीन युवको को करंट लगने पर वे भाग खड़े हुए जिनकी जान बच गई लेकिन करंट की चपेट में होने के कारण उनका उपचार जारी है। घटना की खबर गांव में तेजी से फैली और यहां पर नैनपुर एसडीएम अमले सहित पहुंचे जहां पर विद्युत विभाग की घोर लापरवाही सामने दिखाई दी वही जबावदार अधिकारी अधीक्षण अभियंता के द्वारा मोबाईल फोन में गैरजिम्मेदार बयान देने के बाद एसडीएम आग बबूला हो गए और जमकर कहा सुनीं हुई। एसडीएम ने संबंधित अधीक्षण अभियंता की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की है। वहीं एसडीएम ने बताया कि जनसुनवाई में भी इनका कोई भी अमला उपस्थित नही होता है पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था की स्थिति ठीक नही है। खुले ट्रांसफार्मर तो झूलते तार से आए दिन दुर्घाटनाएं हो रही हैं। वहीं अब तक पीड़ित परिवार को एमपीव्हीबी के द्वारा कोई भी सहायता राशि उपलब्ध नही कराई गई है क्षेत्र में एमपीव्हीबी के अधिकारी कर्मचारियों को लेकर भारी रोष है। मृतकों की पहचान जैनू भांवरे 19 वर्ष, रवि झारिया 24 वर्ष, कृष्ण कुमार भांवरे 18 और वीरेंद्र भांवरे 24 वर्ष के रूप में हुई है वहीं गंभीर रूप से घायल युवक का नाम प्रियांशु बताया गया है हादसे के बाद पूरे हीरापुर गांव में चीख-पुकार मच गई। जिन गलियों में गणेश उत्सव की रौनक थी वहां देखते ही देखते मातम पसर गया बताया गया कि गणेश समिति के सदस्य शनिवार तड़के करीब 4 बजे गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर वापस लौटे थे। विसर्जन के बाद झांकी और पंडाल में रखे सामान की रखवाली के लिए कुछ युवक वहीं रुक गए। करीब 5 बजे युवक पंडाल में सो गए। इसी दौरान अचानक बिजली का तार टूटकर पंडाल के संपर्क में आने की आशंका है करंट फैलते ही वहां सो रहे युवक इसकी चपेट में आ गए हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला करंट की चपेट में आने से चार युवकों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हीरापुर की घटना ने जिले में विद्युत व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के खंभों, तारों और लाइनों की स्थिति को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आती रही हैं। कई स्थानों पर झूलते तार, पुराने विद्युत पोल और जर्जर लाइनों को लेकर ग्रामीणों द्वारा विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समय पर सुधार नहीं होने के आरोप लगते रहे हैं हीरापुर हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि बिजली लाइन और तारों का नियमित निरीक्षण होता है तो आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी क्या संबंधित क्षेत्र की विद्युत लाइन की सुरक्षा जांच समय पर हुई थी क्या पंडाल के आसपास से गुजर रही बिजली लाइन को लेकर कोई सावधानी बरती गई थी और यदि तार टूटने से हादसा हुआ है तो उसकी स्थिति पहले से खराब थी या अचानक तकनीकी कारण से तार टूटा हादसे की वास्तविक वजह को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत लाइनों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता बरती जानी चाहिए। हीरापुर हादसे पर मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने चारों मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। उन्होंने कहा कि चार युवकों का निधन अत्यंत दुखद है और इस कठिन समय में सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके भी हीरापुर गांव पहुंचीं और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया मंत्री ने जिला स्तर से मृतकों के चारों परिवारों के एक-एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार दिलाने की बात कही है मंत्री के गांव पहुंचने के दौरान पीड़ित परिवारों का दर्द साफ दिखाई दिया परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीण भी इस घटना से स्तब्ध नजर आए हीरापुर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद जिस पंडाल में कुछ घंटे पहले तक उत्सव और भक्ति का माहौल था वहीं सुबह मौत का मंजर देखने को मिला चार परिवारों के चिराग बुझ गए और पूरा गांव शोक में डूब गया।

# सेवा संकल्प में नारायणगंज का गौरव

**मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।**

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय निबंध भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में नारायणगंज स्थित सांदीपनि स्कूल की दो छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग वर्गों में भाषण प्रतियोगिता में जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं नारायणगंज का नाम रोशन किया प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

हाईस्कूल स्तर की भाषण प्रतियोगिता में सांदीपनि स्कूल की छात्रा अनुप्रिया अग्निहोत्री ने प्रभावी प्रस्तुति देते हुए जिले में तीसरा स्थान हासिल किया इसी तरह मिडिल स्कूल स्तर की भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा नंदिनी सिंगरोरे ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दोनों छात्राओं की सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने छात्राओं की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्राओं की इस सफलता को विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया गया।

# कचरे से बनाया खाद, होम कंपोस्टिंग के लिए किया प्रेरित

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।**

स्वच्छता के प्रति जन-सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से देशभर में चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत नगर पालिका द्वारा वार्ड स्तर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 24 सितंबर को विभिन्न वार्डों के पार्षदों की सहभागिता से होम कंपोस्टिंग पुन: उपयोग एवं पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल की गई। नगर पालिका की ओर से बताया गया कि अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत विकसित भारत थीम पर संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता व्यवस्था से जोड़ते हुए घर और आसपास के क्षेत्र में कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रेरित करना है। इसी कड़ी में माली मोहगांव डंपिंग ग्राउंड में स्थित वेस्ट टू कंपोस्ट प्लांट में तैयार की गई जैविक खाद वार्डवासियों को निःशुल्क प्रदान की गई। नागरिकों को घरों से निकलने वाले गीले कचरे को उपयोगी खाद में परिवर्तित करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि घरेलू स्तर पर होम कंपोस्टिंग के माध्यम से रसोई एवं अन्य जैविक कचरे का उपयोग खाद बनाने में किया जा सकता है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वार्डवासियों को घर से निकलने वाले गीले कचरे के पृथक्करण तथा होम कंपोस्टिंग की विधि समझाई गई। नागरिकों को अपने घरों बगीचों एवं गमलों में तैयार खाद का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। नगर पालिका का उद्देश्य कचरे को सीधे डंपिंग स्थल तक पहुंचाने के बजाय उसके पुन: उपयोग और प्रसंस्करण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में आजाद वार्ड पार्षद सुधीर मिश्रा, राजेंद्र वार्ड के नरेश कछवाहा, सुभाष वार्ड पार्षद वंदना कछवाहा, जवाहर वार्ड पार्षद आशा मर्सकोले तथा श्रीराम वार्ड की पार्षद कृतिका चौरसिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। गतिविधि के दौरान नोडल अधिकारी रूखसार अली ने मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक एस.सी. चौधरी, वार्ड सुपरवाइजर राजेश गोदरे, पुष्पेंद्र पाण्डेय और सुनील लहोरिया सहित अल्ट्रा क्लीन एंड केयर सर्विस की आईईसी टीम उपस्थित रही।

## पं. दीनदयाल की जयंती पर किया नमन

**मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।** पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर भाजपा मंडल कार्यालय भुआ बिछिया में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पं. दीनदयाल जी का अंत्योदय का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। उनका यह दर्शन हमें समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है और जनसेवा के संकल्प को दिशा प्रदान करता है मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट ने कहा आज हमने पंडित जी के विचारों को सिर्फ याद नहीं किया, बल्कि उनके अंत्योदय के संकल्प को फिर से दोहराया है। भाजपा नेता डॉ विजय आनंद मरावी ने कहा कि श्रद्धेय दीनदयाल ने हमें सिखाया कि राष्ट्र का विकास तब तक अधूरा है जब तक समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान न हो। प्राकृतिक एवं जैविक खेती जिला प्रमुख सुदेश नामदेव ने कहा था पंडित जी का जीवन त्याग और राष्ट्र समर्पण का प्रतीक था।

# रेवती कॉलेज में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में ब्रेन पावर एकेडमी के सहयोग से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें करियर निर्माण के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करना रहा प्लेसमेंट ड्राइव में महाविद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साक्षात्कार दिया।

विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगार अवसरों को लेकर अपनी योग्यता एवं कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कनिका खरे ने साक्षात्कार में शामिल सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य कामना की उन्होंने कहा कि इस तरह के प्लेसमेंट कार्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय संचालक डॉ. अभिषेक चौबे के निर्देशन में किया गया प्लेसमेंट ड्राइव की प्रभारी अपूर्वा मिश्रा रहीं जिन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यार्थियों ने भी प्लेसमेंट ड्राइव में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए रोजगार के अवसरों को लेकर उत्साह दिखाया।

## आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जिले के विकास खंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगारपुर के आंगनवाड़ी केंद्र इमली टोला में तीन दिवसीय सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सरपंच अंजनी मरावी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी विनीता यादव के करकमलों से किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर आंगनवाड़ी केंद्र परिसर में पौधरोपण किया गया। इसके बाद बच्चों के लिए खेल कहानी, चित्रकला एवं मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

## कार्यक्रम अधिकारी वालेंटियर्स सम्मानित

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित इकाइयों में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और विद्यालयों में प्रत्येक वर्ष 24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया जाता है। पं कुंज लाल दुबे सभागार कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना 58 वां स्थापना दिवस पर जिले से राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारी अशोक वरकड़े पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगारपुर मोहगांव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुखदेव वरकड़े शासकीय स्नातक महाविद्यालय बिछिया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ रंजीत भालेकर शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनी बंजर कॉलेज को कुलगुरु ने ट्राफी प्रशस्ति एवं मेडल से सम्मानित किया है।

# शोभायात्राओं के साथ भक्तों ने दी प्रथम पूज्य को भावपूर्ण विदाई

### गणेशोत्सव का समापन

### गूंजे 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष

**नैनपुर (स्वतंत्र मत)** नगर में दस दिनों तक श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया श्री गणेशोत्सव पर्व सानंद सम्पन्न हुआ। गणेशोत्सव के अंतिम दिनों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम लगातार जारी रहा। नगर के विभिन्न सार्वजनिक पूजा पंडालों सहित घर-घर में विराजित प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को भक्तों ने श्रद्धा और भावपूर्ण वातावरण में विदाई दी। नगर पालिका द्वारा चकोर नदी के तट पर प्रतिमा विसर्जन के लिए विशाल कृत्रिम कुंड तैयार किया गया था। इसी कुंड में सार्वजनिक गणेश पंडालों एवं घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं का बारी-बारी से विसर्जन किया गया। गणेश भक्तों ने ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ शोभायात्राएं एवं विसर्जन जुलूस निकाले। इन जुलूसों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मार्गभर 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष गूंजते रहे और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान श्री गणेश को विदाई देने का भावुकता भरा दृश्य भी देखने को मिला। दस दिनों तक घरों और पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद भक्तों ने मंगलकामना के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष पुन: पधारने की प्रार्थना की।

**घरों में भी किया प्रतिमाओं का विसर्जन**-नगर के अनेक परिवारों ने पर्यावरण एवं धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए अपने घरों में ही भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। परिवारजनों ने बड़े पात्र में शुद्ध जल भरकर विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव से गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया। इसके बाद विसर्जित प्रतिमा से प्राप्त मिट्टी को सुरक्षित रखकर वर्षभर पूजा में उपयोग करने की परंपरा भी कई परिवारों ने अपनाई। श्रद्धालुओं का मानना है कि इस प्रकार भगवान श्री गणेश की पवित्र मिट्टी को घर में रखकर पूजा करने से वर्षभर प्रथम पूज्य का सानिध्य और सात्विक भाव बना रहता है। इस तरह नैनपुर में श्री गणेशोत्सव का समापन धार्मिक आस्था, उल्लास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता के भाव के साथ हुआ।

# नैनपुर में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

**नैनपुर (स्वतंत्र मत)।** मंडला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं सहायक आयुक्त अरुण कुमार शुक्ला के निर्देशन तथा जिला क्रीड़ा प्रभारी मंगल पंद्रे के मार्गदर्शन में 26 सितंबर को नैनपुर में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के लगभग 20 विद्यालयों से पहुंचे जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने खेल कौशल और दमखम का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना के साथ मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी टीम 1 अक्टूबर को डिंडौरी में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय प्रतियोगिता में मंडला जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। वहीं, सीनियर वर्ग की क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन नैनपुर में ही किया जाएगा, जिसमें चयनित खिलाड़ी सहभागिता करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विकासखंड क्रीड़ा प्रभारी डी.एस. ठाकुर, नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य शरणागत जी, विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी बाजपेयी जी सहित नैनपुर ब्लॉक के पीटीआई गौतम सर, दिनेश बघेल, संतोष धुर्वे, के. भास्कर राव, दिनेश वरकड़े, बालकिशन उइके उपस्थित थे।

# श्राद्ध की थाली और वृद्ध आखों की खामोशी

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

श्राद्ध पक्ष आते ही घरों में पितृों को याद करने की परंपरा शुरू हो जाती है। उनके नाम पर पकवान बनाए जाते हैं, ब्राह्मण भोज कराया जाता है, दान दिया जाता है और श्रद्धा के साथ पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। हमारी संस्कृति में पितृ स्मरण का अपना गहरा महत्व है। यह हमें अपनी जड़ों, अपने पूर्वजों और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव याद दिलाता है।

लेकिन इसी परंपरा के बीच एक सवाल मन को भीतर तक झकझोरता है, जिन माता-पिता को हम जीवन भर अपने हाथों से भोजन नहीं करा सके, उनकी सेवा नहीं कर सके, उन्हें समय नहीं दे सके, उनके अकेलेपन को नहीं समझ सके, उनके जाने के बाद उनके नाम पर इतने बड़े भोज का क्या अर्थ है?

जिस मां ने बचपन में हमारी थाली में अपनी पसंद का निवाला भी रख दिया, क्या उसे बुढ़ापे में अपनी थाली के लिए संतान का इंतजार करना चाहिए? जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं, क्या वृद्धावस्था में उन्हें अपने ही घर में बोझ समझा जाना चाहिए? यह सवाल किसी एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का है।

हमारे आसपास कितने वृद्ध ऐसे हैं जो आज भी काम करने को मजबूर हैं। कोई सड़क किनारे सामान बेच रहा है, कोई दुकान के बाहर बैठा है, कोई मजदूरी कर रहा है, कोई हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। कोई वृद्धाश्रम में जीवन की आखिरी शामें काट रहा है। आखिर ये लोग कौन हैं? क्या ये किसी दूसरे ग्रह से आए हैं? इनमें भी किसी की मां होगी, किसी का पिता होगा, किसी का वह बुजुर्ग होगा जिसने कभी अपने बच्चों को गोद में खिलाया होगा।

फिर सवाल उठता है कि हम अपने पितरों से प्रेम करते हैं तो जीवित बुजुर्गों के प्रति हमारी संवेदना इतनी कमजोर क्यों हो गई?

श्राद्ध में बनाए गए पकवान अगर किसी जरूरतमंद बुजुर्ग की थाली तक पहुंच जाएं तो शायद उस भोजन का अर्थ और बड़ा हो जाए।

पितरों के नाम पर किया गया दान यदि किसी अकेली मां की दवा खरीद दे, किसी वृद्ध पिता के लिए गर्म कपड़ा बन जाए या किसी बेसहारा बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दे, तो शायद श्राद्ध का उद्देश्य ज्यादा सार्थक हो।

पितृ पक्ष हमें केवल मृत पूर्वजों को याद करने के लिए नहीं, बल्कि यह सोचने के लिए भी आया है कि हमारे आसपास कितने जीवित पितर अपनी संतान के इंतजार में बैठे हैं।

हम अक्सर कहते हैं कि माता-पिता भगवान का रूप हैं। लेकिन भगवान की पूजा के लिए हम मंदिर खोजते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए हमारे पास समय नहीं होता। उनके साथ बैठने के लिए दस मिनट नहीं, लेकिन उनके निधन के बाद उनके नाम पर घंटों के भोज और आयोजन के लिए समय मिल जाता है। यह कैसी श्रद्धा है? अगर माता-पिता के जीवित रहते उनके लिए एक गिलास पानी देने में हमें परेशानी होती है और उनके मरने के बाद उनके नाम पर दर्जनों पकवान बनते हैं, तो हमें अपने कर्मकांड से ज्यादा अपने अंतर्मन का श्राद्ध करने की जरूरत है, उस संवेदनहीनता का श्राद्ध, जिसने हमें अपने ही बुजुर्गों से दूर कर दिया।

पितृों को हमारे दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हमारी श्रद्धा चाहिए, लेकिन श्रद्धा का सबसे सुंदर रूप कर्म है।

जीते जी मां-बाप की थाली में प्रेम से परोसी गई एक रोटी, उनके लिए बनाए गए हजार पकवानों से बड़ी हो सकती है। उनके अकेलेपन में दिया गया एक घंटा, मृत्यु के बाद किए गए बड़े-बड़े आयोजनों से अधिक मूल्यवान हो सकता है।

इस श्राद्ध पक्ष में जब हम अपने पितृों के लिए भोजन बनाएं तो एक बार अपने घर के उस बुजुर्ग की ओर भी देख लें, जो चुपचाप हमारी ओर देख रहा है। पूछ लें, बाबा, खाना खाया? मां, आपको कुछ चाहिए?

शायद यही वह श्राद्ध है जिसकी हमारे समाज को सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि पितृों को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा रास्ता उनके नाम पर पकवान बनाना नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को जीवित रखना है।

और सबसे बड़ा पितृ तर्पण शायद यही है, जिस मां-बाप ने हमें जीते जी खिलाया, उन्हें हम जीते जी भरपेट खिला सकें; जिन्होंने हमें संभाला, बुढ़ापे में हम उन्हें संभाल सकें; और जिनके आशीर्वाद से हमारा घर बना, उस घर में उनके लिए सम्मान की जगह हमेशा बनी रहे।

मृत्यु के बाद किया गया श्राद्ध परंपरा हो सकता है, लेकिन जीते जी की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

# नित्य से लेकर सपिण्डन तक, पूर्वजों की आत्म-तृप्ति के लिए किए जाते हैं 12 प्रकार के श्राद्ध

दिव्यांशी भदौरिया

धार्मिक शास्त्रों में पितृ पक्ष का महीना बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है। विष्णु पुराण से लेकर गरुड़ पुराण के साथ-साथ भविष्य पुराण में महर्षि विश्वामित्र के हवाले से श्राद्ध के विभिन्न रुपों में वर्णन देखने को मिलता है। शनिवार यानी 26 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है और इसका समापन आश्विन अमावस्या पर होगा। इन 16 दिनों में विधिवत रुप से पितरों का तर्पण किया जाता है, जिससे हमारे पूर्वजों की आत्मा तृप्त होती है और वह अपने परिवार पर हमेशा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

**16 दिवसीय पितृपक्ष शुरू हो चुका है, जो आश्विन अमावस्या तक चलेगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की तृप्ति और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए विधिवत तर्पण व श्राद्ध किया जाता है। शास्त्रों में नित्य, काम्य और पार्वण सहित श्राद्ध के 12 प्रमुख प्रकारों तथा प्रेत मुक्ति के लिए प्रेत श्राद्ध का विधान बताया गया है।**

शास्त्रों के अनुसार, पितरों के लिए दो प्रमुख यज्ञ किए जाते हैं- पिंड पितृयज्ञ और श्राद्ध। वेदों में वर्णन पांच मुख्य महायज्ञों (ब्रह्म, देव, पितृ, वैश्वदेव और अतिथि यज्ञ) में से पितृयज्ञ को ही पुराणों में विस्तार से श्राद्ध कर्म की संज्ञा दी गई है। वहीं, भारत में अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। जैसे कि उत्तर भारत व उत्तर-पूर्व भारत में श्राद्ध पक्ष कहा जाता है, वहीं तमिलनाडु में इसे आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में पितृ पंधरवडा कहा जाता है। आइए आपको इस लेख में बताते हैं श्राद्ध के 12 प्रकार, जिसके बारे में आपको जरुर पता होना चाहिए। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

## श्राद्ध के 12 प्रमुख प्रकार

नित्य श्राद्ध- रोजाना बिना किसी स्पेशल काम्य भावना के जल, तिल व अन्न से किया जाने वाला सामान्य श्राद्ध।

**नैमित्तिक श्राद्ध**- किसी एक विशेष पितर की वार्षिक मृत्यु तिथि पर संपन्न किया जाने वाला श्राद्ध।

**काम्य श्राद्ध**- किसी भी विशेष मनोकामना या सिद्धि की प्राप्ति हेतु किया जाने वाला श्राद्ध।

**नान्दी श्राद्ध**- अपने घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्य या शुभ अवसर के समय किया जाने वाला श्राद्ध।

**पार्वण श्राद्ध**- पितृपक्ष की तिथियों, पर्वों या अमावस्या तिथि पर किया जाने वाले प्रमुख श्राद्ध।

**सपिण्डन श्राद्ध**- किसी व्यक्ति की मृत्यि के पश्चात प्रेत-पिंड को पितृ-पिंड में सम्मिलित करने हेतु किया जाने वाले श्राद्ध ( यह आत्मा को पितरों से मिलन कराता है)।

**गोष्ठी श्राद्ध**- किसी भी परिवार , कुल या स्वजातीय समूह के लोगों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाने वाला श्राद्ध।

**शुद्धयर्थ श्राद्ध**- आत्म-शुद्धि एवं पापों के क्षलन के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध।

**कर्मांग श्राद्ध**- जीवन के 16 संस्कारों (जैसे कि गर्भाधन, नामकरण, उपनयन आदि) के अवसर पर किया जाने वाला श्राद्ध।

**दैविक श्राद्ध**- इसके जरिए देवताओं की कृपा प्राप्त करने मुख्य उद्देश्य का श्राद्ध।

**यात्रार्थ श्राद्ध**- तीर्थ यात्रा पर जाने से पूर्व या तीर्थ स्थानों (जैसे कि गया, प्रयागराज) में जाकर किया जाने वाला श्राद्ध।

**पुष्ट्यर्थ श्राद्ध वृद्धि श्राद्ध**- इसके खुद व परिवार की आर्थिक उन्नति, सुख-समृद्धि संतान प्राप्ति एवं विवाह आदि वृद्धि कारक अवसरों हेतु किया जाने वाला श्राद्ध है।

## आखिर प्रेत श्राद्ध क्या है?

जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके देह त्यागने से लेकर सपिंडीकरण (सपिण्डन श्राद्ध) होने तक की अवधि में जो श्राद्ध कर्म किए जाते हैं, उन्हें प्रेत श्राद्ध के नाम से जाना जाता है। मृत्यु के पश्चात जीवात्मा प्रेत योनि के सूक्ष्म प्रभाव में रहती है। उन्हें इस कष्टदायक स्थिति से मुक्त करने, मार्ग में संबल प्रदान करने और उसे पितृलोक में स्थान दिलाने के उद्देश्य से 10 गात्र श्राद्ध, एकादशाह (11वें दिन का श्राद्ध) और द्वादशाह (12वें दिन का श्राद्ध) जैसे प्रेत श्राद्ध संपन्न किए जाते हैं। जब यह पूर्ण हो जाता है, आत्मा प्रेत भाव से मुक्त होकर पितरों की श्रेणी में चली जाती है।

# पितृ पक्ष में नए कपड़े और सामान की खरीदारी अशुभ क्यों, धार्मिक परंपरा और मान्यताओं के नियम

सनातन धर्म में पितृ पक्ष का बेहद महत्वपूर्ण और अत्यंत पवित्र माना जाता है। आज यानी 26 सितंबर 2026 से भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत हो गई है और इसका समापन आश्विन मास की अमावस्या पर होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इन 16 दिनों में पूर्वज अपने परिवार से मिलने धरती पर आते हैं।

पितृ पक्ष का यह समय हमारे दिवंगत पूर्वजों को समर्पित है। इस दौरान लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति और उनका आशीर्वाद पाने के लिए श्रद्धापूर्वक श्राद्ध, तर्पण और दान-पुण्य करते हैं।

जैसा है कि जब पितृ पक्ष की शुरुआत होती है, हर किसी के मन में सवाल आता है कि इस दौरान नए कपड़े या अन्य नई चीजों को खरीदनी चाहिए? आइए आपको बताते हैं धार्मिक शास्त्र क्या कहता है।

## यह समय दिखावे से दूर रहना

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, पितृ पक्ष में नए कपड़े या कोई भी नई चीज खरीदना शुभ नहीं होता है, इसे वर्जित माना जाता है। दरअसल, यह समय खुशी मनाने का नहीं है। नई चीजें या चमकीले कपड़े हमारे मन में दिखावे की भावना पैदा करते हैं। इन 16 दिनों का समय पूरी तरह से आध्यात्मिक शांति, सादगी और पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए होता है।

## सादगी और हल्के रंगों का महत्व

- धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, श्राद्ध के दौरान सादे और सात्विक कपड़े पहनना ही सबसे अच्छा माना जाता है।
- पूजा-पाठ और तर्पण के समय सफेद, हल्का पीला और अन्य हल्के रंग के कपड़े पहनना शुभ होता है।
- असल में हल्के रंग मन को शांत करता है और पवित्रता का अहसास दिलाता है।
- सादे कपड़े में रहकर जब आप श्राद्ध करते हैं, तो मन में कोई अंहकार नहीं आता है और पूरा ध्यान पितरों की सेवा पर ही रहता है।

## पारिवारिक पंरपरा और अपवाद

धार्मिक मान्यता के अनुसार, यदि आपके परिवार, गांव या समाज में सालों से यह परंपरा चली आ रही है कि पितृ पक्ष में कुछ नया खरीदा जाता है या फिर पहना जाता है, तो आप अपनी उस पारिवारिक परंपरा को निभा सकते हैं। धर्म किसी भी किसी नियम को थोपता नहीं है कि बल्कि व्यक्तिगत मान्यताओं मान्यताओं का सम्मान करता है। वैसे हर क्षेत्र और परिवार की परंपराएं अलग हो सकती हैं। आप इसका पालन कर सकते हैं। आपको परिवार में जो परंपरा निभाई जा रही है, उसका पालन करें।

# फैटी लिवर की समस्या दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें फाइबर और प्रोटीन

खराब जीवनशैली और गलत खानपान व फिजिकल एक्टिविटी की कमी के चलते फैटी लिवर की समस्या काफी देखने को मिल रही है। मोटापे के कारण भी फैटी लिवर की दिक्कत तेजी से बढ़ रही है। जब फैटी लिवर की कोशिकाओं में जरुरत से ज्यादा फैट जमा होने लगता है। इसके वजह से लिवर ठीक तरह से फंक्शन नहीं कर पाता है। जिसके बाद शरीर में काफी टॉक्सिंस जमा होने लगते हैं। दरअसल, शुरुआत में इसके लक्षण नजर नहीं आते हैं और लंबे समय तक इस पर ध्यान न दिया जाए, तो फैटी लिवर का ग्रेड बढ़ सकता है और इसका सीधा असर आपकी सेहत पर होता है। फैटी लिवर के लक्षणों को रिवर्स करने में सबसे मुख्य भूमिका आपके खानपान और लाइफस्टाइल की होती है। यदि आपके रिपोर्ट में फैटी लिवर की समस्या आ गई है, तो आप अच्छी डाइट के साथ इसको रिवर्स कर सकते हैं।

## फैटी लिवर में क्या खाना चाहिए?

यह डाइटिशियन भी मानते हैं कि फैटी लिवर में ऐसा खाना चुनना चाहिए, जो वजन और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है और आपके लिवर पर एक्सट्रा बोझ नहीं डालता है।

**फाइबर का अधिक सेवन करें**- अपनी डाइट में सब्जियां, सलाद, साबुत अनाज और दालों को शामिल करें। ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस, मल्टीग्रेन रोटी और दाल से शरीर को भरपूर मात्रा में फाइबर मिलता है और लंबे समय तक पेट भरा रहता है।

**हरी सब्जियां और मौसमी फल खाएं**- डाइट में आप पालक, मेथी, लौकी, भिंडी जैसी सब्जियों को नियमित रुप से जरुर खाएं। इसके साथ ही फलों में सेब, अमरूद, संतरा, पपीता और बेरीज जैसे कम मात्रा में प्राकृतिक शुगर वाले ऑप्शन लिए जा सकते हैं। लेकिन फलों का जूस पीने के स्थान पर पूरा फल खाना बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

**प्रोटीन पर जरुर ध्यान दें**- फैटी लिवर की समस्या को ठीक करने के लिए आप दाल, चना, राजमा, लोबिया, पनीर की सीमित मात्रा, दही, अंडे और मछली का सेवन कर सकते हैं। प्रोटीन का सही चुनाव वजन को कम करने के लिए काफी जरुरी है।

**हेल्दी फैट चुनें**- फैटी लिवर में हर टाइप फैट बंद करने की कोई जरुरत नहीं है। नट्स और सीड्स जैसे बादाम, अखरोट, अलसी और चिया सीड्स को सीमित मात्रा में डाइट में शामिल कर सकते हैं। इन्हे शरीर के लिए हेल्दी फैट माना जाता है। वहीं, जब खाना बनाएं तो रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल न करें।

## फैटी लिवर में किन चीजों से बचना चाहिए?

- बहुत ज्यादा चीनी और मीठी चीजें जैसे कि मिठाई, केक, पेस्ट्री, कैंडी और मीठे पैकेज्ड फूड का सेवन कम करें।
- इसके साथ ही आप सॉफ्ट ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और अधिक शुगर वाले पैकेज्ड जूस लिवर की सेहत को खराब कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं, समोसे, पकौड़े, फ्रेच फ्राइज और ज्यादा तेल में बना खाना कम खाएं या इसे पूरी तरह अवॉइड करें।
- मैदा से बनीं चीजें, सफेद ब्रेड और अत्यधिक प्रोसेस्ड स्नैक्स का सेवन कम करना चाहिए।

# चेहरा चमकाने के चक्कर में कहीं त्वचा खराब तो नहीं कर रहीं

मिताली जैन

अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए हम सभी कई तरीके आजमाते हैं। इनमें फेस पैक लगाना बेहद ही पॉपुलर है। अमूमन यह देखने में आता है कि जब हम कई बार फेस पैक इस्तेमाल करते हैं, तो चेहरा एकदम से चमकने लगता है। लेकिन कुछ समय बाद चेहरा रूखा लगने लगा, त्वचा में खिंचाव, हल्की जलन या रेडनेस दिखाई देने लगती है। ऐसे में मन में यह सवाल आना स्वाभाविक है कि जो चीज चेहरे को इतना निखार रही थी, वही बाद में त्वचा को खराब क्यों करने लगती है।

## चेहरे पर तुरंत निखार कैसे आ जाता है?

सबसे पहले यह समझते हैं कि फेस पैक लगाने के बाद चेहरे पर तुरंत निखार क्यों आता है। दरअसल, फेस पैक लगाने के बाद जब त्वचा से अतिरिक्त तेल और ऊपर जमा डेड स्किन सेल्स हटती हैं, तो चेहरा कुछ समय के लिए ज्यादा साफ और चमकदार दिखाई दे सकता है। वहीं, कुछ फेस पैक त्वचा से अतिरिक्त चिकनाई सोख लेते हैं। इससे चेहरा कम तैलीय और ज्यादा साफ नजर आता है। यही वजह है कि कई बार फेस पैक लगाने के तुरंत बाद हमें लगता है कि त्वचा का रंग भी निखर गया है।

## नींबू वाला पैक नहीं है सही

चेहरे को जल्दी निखारने के लिए नींबू का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। लेकिन सीधे नींबू का रस चेहरे पर लगाना हर किसी की त्वचा के लिए ठीक नहीं होता। इससे कुछ लोगों को जलन, रूखापन या लालिमा हो सकती है। साथ ही, धूप के संपर्क में आने के बाद स्किन सेंसेटिविटी बढ़ जाती है। इसलिए केवल यह सोचकर कि नींबू प्राकृतिक है और त्वचा को निखार देगा, उसे सीधे चेहरे पर लगाना सही नहीं है।

## जरूरत से ज्यादा बेसन नहीं

स्किन केयर में बेसन काफी पॉपुलर होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा इसका इस्तेमाल ना करें। लेकिन अगर बेसन का लेप बहुत बार लगाया जाए या उसे त्वचा पर बहुत देर तक छोड़ दिया जाए, तो कुछ लोगों की त्वचा रूखी हो सकती है। खासकर जिनकी त्वचा पहले से ही सूखी या सेंसेटिव है, उन्हें बेहद ही सोच-समझकर इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

## मुल्तानी मिट्टी जरा संभलकर

जब फेस पैक की बात हो तो मुल्तानी मिट्टी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मुल्तानी मिट्टी लगाने के बाद चेहरा साफ, ताजा और कम तैलीय दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि तैलीय त्वचा वाले लोग इसे काफी पसंद करते हैं। लेकिन मुल्तानी मिट्टी त्वचा से तेल सोखती है। इसलिए अगर आपकी त्वचा पहले से सूखी है या आप इसे बहुत बार लगाते हैं, तो त्वचा में जरूरत से ज्यादा रूखापन आ सकता है।

# गर्दन के कालेपन से हैं परेशान? ये आसान हैक्स आएंगे काम

एक समस्या जो अधिकतर लोगों को परेशान करती है, वह है गर्दन का कालापन। अक्सर अपने चेहरे की रंगत निखारने के लिए हम कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन गर्दन की तरफ शायद ही ध्यान जाता है। समय के साथ गर्दन काली नजर आने लगती है। ऐसे में कई महिलाएं गर्दन को बार-बार रगड़कर साफ करती हैं, नींबू लगाती हैं या किसी तेज असर वाली क्रीम की तलाश में रहती हैं। लेकिन हर तरह के कालेपन का कारण एक जैसा नहीं होता और इसलिए हर किसी पर एक ही उपाय काम करे, यह जरूरी नहीं है। गर्दन का रंग धूप, त्वचा में होने वाली जलन, बार-बार घर्षण, रूखेपन या त्वचा पर होने वाले बदलावों की वजह से गहरा हो सकता है। इसलिए गर्दन को साफ करने के नाम पर जोर-जोर से रगड़ने के बजाय पहले कारण समझना जरूरी है। तो चलिए जानते हैं कि गर्दन का कालापन कैसे दूर करें-

## गर्दन पर भी लगाएं सनस्क्रीन

जिस तरह हम चेहरे पर सनस्क्रीन लगाते हैं, ठीक उसी तरह गर्दन पर भी रोज सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। दरअसल, धूप त्वचा में रंग बनाने वाले तत्व को बढ़ा सकती है, जिससे पहले से मौजूद काले धब्बे और ज्यादा गहरे नजर आ सकते हैं। ऐसे में धूप से बचाव करने से आगे होने वाली रंगत की समस्या को रोकने और मौजूदा कालेपन को धीरे-धीरे हल्का करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, सनस्क्रीन हमेशा अपनी स्किन टाइप के अनुसार ही चुनें।

## गर्दन को रगड़ना बंद करें

कई लोगों को लगता है कि गर्दन का कालापन गंदगी की वजह से है, इसलिए वे अक्सर स्किन को बहुत जोर से रगड़ते हैं। लेकिन ऐसा करना समस्या को और बढ़ा सकता है। इससे स्किन में जलन और सूजन हो सकती है। इसके बाद त्वचा पर और ज्यादा रंगत दिखाई दे सकती है। हमेशा नहाते समय गर्दन को हल्के हाथ से साफ करें। मुलायम कपड़े से भी जोर लगाकर रगड़ने की जरूरत नहीं है।

## नायसिनामाइड का करें इस्तेमाल

अगर गर्दन पर हल्की रंगत असमान है तो ऐसे में नायसिनामाइड बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। दरसअल, नायसिनामाइड विटामिन बी3 का एक रूप है। जिसका इस्तेमाल असमान रंगत और त्वचा की बनावट को बेहतर करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इससे एक ही बार में रिजल्ट मिलने की उम्मीद ना करें। हमेशा पहली बार लगाने से पहले गर्दन के एक छोटे हिस्से पर लगाकर देखें। अगर जलन या लालिमा नहीं होती, तभी इसे नियमित देखभाल में शामिल करें।

## गर्दन का कालापन दूर करने के चक्कर में ये गलतियां न करें

गर्दन का कालापन जल्दी दूर करने के चक्कर में आप कुछ गलतियों को करने से बचें-

- नींबू सीधे गर्दन पर न लगाएं।
- बेकिंग सोडा से त्वचा न रगड़ें।
- रोज स्क्रब न करें।
- नहाते समय गर्दन को जोर से न घिसें।
- एक साथ कई तेज उत्पाद इस्तेमाल न करें।
- जलन होने के बाद भी कोई उत्पाद लगाते न रहें।
- बिना वजह रंग गोरा करने वाली तेज क्रीम न लगाएं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
रविवार 27 सितंबर 2026



# सऊदी पर हूती हमलों के बीच पाकिस्तान की चुप्पी क्या बेअसर साबित हो रहा है मक्का रक्षा समझौता?

रियाद

सऊदी अरब के दक्षिणी हिस्सों पर हूती विद्रोहियों के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं। इस गंभीर संकट के बीच अब एक बड़ा सवाल हर किसी के जेहन में उठ रहा है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच मक्का संधि के बावजूद, आखिर इस पूरे मामले में पाकिस्तान कहां है? इस्लामाबाद और रियाद के बीच ऐतिहासिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए एक महीने से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन इसके बावजूद, सऊदी की सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान ने जो बड़ी-बड़ी वादे की थीं, वे अब तक सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आ रही हैं। धरातल पर उसकी तरफ से कोई ठोस कदम उठता नहीं दिख रहा है।

7 अगस्त को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि तीनों देशों में से किसी भी एक पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। नाटो की धारा-5 जैसी सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किए गए इस समझौते का उद्देश्य तीनों देशों के बीच एक मजबूत रक्षात्मक समन्वय और निवारक तंत्र तैयार करना था।

समझौते के कुछ ही हफ्तों बाद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के आभा, खमीस मुशैत, जीजान, नजरान और ताइफ जैसे शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए। यहां तक कि पवित्र शहर मक्का के पास भी एक ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। इन हमलों में दर्जनों नागरिक घायल हुए और तेल प्रतिष्ठानों में आग लग गई। हूतियों ने सऊदी राजधानी रियाद पर भी विफल हमले किए हैं। इन सबके बावजूद, जमीनी स्तर पर पाकिस्तान की ओर से पूरी तरह चुप्पी छाई हुई है, और न ही उस सामूहिक प्रतिक्रिया खंड को औपचारिक रूप से लागू किया गया है जिसे इस्लामाबाद ने खुद बातचीत कर तैयार किया था।

सऊदी अरब द्वारा 11 अप्रैल, 2026 को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों देशों के बीच हुए रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत फारस की खाड़ी के पास स्थित किंग अब्दुलअजीज एयरबेस पर पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमान और सहायक विमान पहले से तैनात हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस तैनाती में ब्रिगेड स्तर के लगभग 8,000 सैनिक, पाकिस्तान में असेंबल किए गए छ्व्स्न-17 थंडर लड़ाकू विमानों का एक स्क्वाड्रन, दो सैन्य ड्रोन स्क्वाड्रन और चीनी मूल की ॥क्त-9 लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली शामिल है।

इन सभी हथियारों और उपकरणों का संचालन पूरी तरह से पाकिस्तानी कर्मियों द्वारा किया जाता है, जबकि तैनाती, रसद और प्रति-सैनिक मुआवजे सहित पूरा खर्च सऊदी अरब उठाता है। सऊदी जमीन पर मिसाइलें बरसने और मक्का पर अलर्ट जारी होने के बावजूद, सऊदी अरब द्वारा वित्तपोषित इस सैन्य टुकड़ी को सक्रिय नहीं किया गया है अन्य सऊदी-नेतृत्व वाले सुरक्षा गठबंधनों में पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका को देखते हुए यह निष्क्रियता और अधिक स्पष्ट हो जाती है।

43 देशों के इस गठबंधन की कमान 2017 से पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल राहील शरीफ संभाल रहे हैं।

# ट्रंप ने ईरान के होर्मुज को फिर से खोलने की योजना को किया खारिज

वॉशिंगटन, (स्पुतनिक/वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को एक सप्ताह के लिए फिर से खोलने के तेहरान के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और वह अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के बाद नए हमले करने पर विचार कर रहे हैं।

यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने सात दिनों की योजना रखी है। जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, श्री ट्रंप को संदेह है कि ईरान उनकी शर्तें मानेगा और उन्होंने अपने सहयोगियों से कहा है कि नए हमले हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान और मध्यस्थों को यह भी बताया है कि राष्ट्रपति की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की योजना नहीं है।

इससे पहले, श्री ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर होर्मुज जलडमरूमध्य का एक नक्शा पोस्ट किया और उसे ट्रंप जलडमरूमध्य का नाम दिया। सितंबर की शुरुआत में, श्री ट्रंप ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य का नाम बदलकर अपने नाम पर रखने का सुझाव दिया और दावा किया कि अब इस जलमार्ग पर अमेरिका का नियंत्रण है। व्हाइट हाउस ने पहले सोशल मीडिया पर एक नक्शा भी जारी किया था जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को ट्रंप जलडमरूमध्य का नाम दिया गया था। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान में ठिकानों पर हमले शुरू किए जिसके जवाब में ईरान ने भी हमले किए।

जून के मध्य में, ईरान और अमेरिका ने लड़ाई रोकने के उद्देश्य से एक समझौते पर हस्ताक्षर किया लेकिन इसके कुछ ही समय बाद उन्होंने फिर से एक-दूसरे पर हमले किया। यह टकराव अभी भी सुलझा नहीं है और बीच-बीच में फिर से लड़ाई शुरू हो जाती है। हालांकि, अमेरिका ने इस्लामिक रिपब्लिक पर अपना आर्थिक दबाव बढ़ाने का फ़ैसला किया है ताकि ईरान के लिए और ज़्यादा आर्थिक मुश्किलें उत्पन्न करके इस टकराव को खत्म किया जा सके।

## भारत- खाड़ी परिषद व्यापार वार्ता आगे बढ़ी, व्यापार और ऊर्जा सहयोग मजबूत करने पर जोर

**नयी दिल्ली, (वार्ता)।** भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जी सी सी) के बीच मंत्रीस्तरीय बैठक में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत- जी सी सी मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता आगे बढ़ाने और 2024-28 की संयुक्त कार्ययोजना पर सहयोग जारी रखने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के नेतृत्व में शुक्रवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दोनों पक्षों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत-जी सी सी के बीच कुल व्यापार 178.66 अरब डॉलर रहा। बैठक में भारत- जी सी सी संयुक्त कार्ययोजना 2024-28 की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, परिवहन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, संस्कृति और शिक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत और जी सी सी ने इस वर्ष फरवरी में मुक्त व्यापार समझौते के लिए नियम और दायरा तय होने के बाद शुरू हुई वार्ता का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने कहा कि समझौते से व्यापार बढ़ाने और निर्यात में विविधता लाने में मदद मिल सकती है। श्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया में हाल के संघर्ष के दौरान ऊर्जा और उर्वरक की आपूर्ति जारी रखने के लिए खाड़ी देशों का आभार जताया। अक्षय ऊर्जा, जैव ईंधन और हरित तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा, बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, स्थिरता और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी विचार साझा किए गए।

# नशे से नहीं, अवसरों से जुड़े बच्चों का भविष्य, पुनर्वास में शिक्षा, विश्वास और आत्मसम्मान को मिले प्राथमिकता: न्यायमूर्ति सूर्यकांत

पटना, (वार्ता)

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि बच्चों और किशोरों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को केवल स्वास्थ्य समस्या मानकर नहीं छोड़ा जा सकता और इसे बाल संरक्षण का महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हुए उनके अंदर संवेदनशील तथा समग्र विकास की व्यवस्था विकसित करने के साथ शिक्षा, विश्वास और आत्मसम्मान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बिहार लोक भवन में आज पाटलिपुत्र प्रज्ञा प्रवाह के व्याख्यान में चाइल्डहुड बियॉन्ड ड्रग्स प्रोटेक्शन, केयर एंड रिइंटीग्रेशन विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए बच्चे को केवल उसकी समस्या या गलती के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उसके पीछे की परिस्थितियों को समझना और उसे सामान्य जीवन में लौटने का अवसर देना समाज और व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश ने हाल के एक लैंसेट अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि भारत में कम से कम हर पांच में से एक किशोर के नशे के मध्यम से उच्च जोखिम में होने की बात सामने आई है। यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार करने की जरूरत को रेखांकित करती है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून बनाने या कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रह सकती। बच्चों को नशे की ओर जाने से रोकने के लिए जागरूकता, शिक्षा, बेहतर पारिवारिक वातावरण और समय पर सहायता समान रूप से जरूरी है। समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि नशे की चपेट में आया कोई बच्चा अपने भविष्य से वंचित न हो।

## सड़कें सील, भीड़ जुटाने पर प्रतिबंध... इमरान खान की पार्टी के प्रदर्शन से पहले पाकिस्तान में लगा लॉकडाउन

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देशव्यापी प्रदर्शन और इस्लामाबाद मार्च का एलान किया है इस मार्च को रोकने के लिए प्रशासन ने राजधानी इस्लामाबाद में कड़े सुरक्षा इंतजाम करते हुए शहर को लगभग पूरी तरह से सील कर दिया है। प्रशासन ने राजधानी की ओर आने वाले सभी प्रमुख रास्तों को बंद करने के लिए 1,000 से ज्यादा शिपिंग कंटेनर लगाए हैं, जिनमें से कई पर नुकीले कांटे लगे हैं। पुलों पर रेत की बोरियां रखी गई हैं और शहर में प्रवेश करने वाले मुख्य राजमार्गों को रोक दिया गया है। राजधानी में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा या भीड़ जुटाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर भर में 22,000 पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भी सुरक्षा बल तैनात किए हैं और प्रांतीय राजधानी पेशावर को इस्लामाबाद से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग को बंद कर दिया है। इन सख्त पाबंदियों और नाकेबंदी के कारण स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। राजधानी में रोजमर्रा की जरूरी चीजों की आपूर्ति ठप होने से कारोबारियों और आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रदर्शन इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर हो रहा है। इमरान खान कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पार्टी और उनके समर्थकों का आरोप है कि जेल में उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा है, जिसे लेकर उनकी चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं।

शुक्रवार को पीटीआई ने घोषणा की कि वे इस मार्च की शुरुआत अब 27 सितंबर के बजाय 4 अक्टूबर से करेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि तारीख को एक हफ्ते आगे बढ़ाने से सरकार पर राजनीतिक दबाव और अधिक बढ़ेगा। इस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले इमरान खान के परिवार पर भी कानूनी शिकंजा कस दिया गया है। उनकी बहन अलीमा खान को पहले हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद उजमा खान और नूरीन नियाजी को भी पकड़ लिया गया। पंजाब मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर ऑर्डिनेंस के तहत तीनों बहनों को 30 दिनों के लिए हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

# शुभेंदु ने एंटी-गुंडा विधेयक लौटाए जाने की खबरों को किया खारिज

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन रिपोर्टों को खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राय के विवादित गुंडा-रोधी विधेयक को लौटा दिया है और कहा कि यह कानून अभी राष्ट्रपति तक पहुंचा ही नहीं है। श्री अधिकारी ने शुक्रवार की रात राय सचिवालय में अचानक एक पत्रकार वार्ता बुलायी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ये खबरें फर्जी हैं और विधेयक पर अभी केंद्रीय गृह मंत्रालय में प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, विधेयक अभी माननीय राष्ट्रपति तक नहीं पहुंचा है। यह केंद्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव स्तर पर है। हमने दोपहर से ही इस बारे में विस्तार से जानकारी ली है। विधेयक अभी भी गृह मंत्रालय के पास है।

मुख्यमंत्री की यह प्रेस कॉन्फ्रेंस उन खबरों के कुछ घंटे बाद हुई जिनमें कहा गया था कि राष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल जन सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण विधेयक, 2026 (गुंडा-रोधी विधेयक) को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है और इसे राय सरकार को लौटा दिया है। इन खबरों के बाद विपक्ष ने आलोचना शुरू कर दी और तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस तथा अन्य दलों ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। इन खबरों को खारिज करते हुए श्री अधिकारी ने कहा- नहीं, यह सब बेबुनियाद, फर्जी खबरें और अफवाहें हैं।

इस तरह की अफवाहें जानबूझकर फैलाई जा रही हैं। विधेयक में कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि राष्ट्रपति द्वारा विधेयक लौटाए जाने की खबरें शायद नशीले पदार्थों से जुड़े

प्रावधानों और मौजूदा स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) कानून के साथ उनके टकराव को लेकर हुई गलतफहमी की वजह से उड़ी हैं। उन्होंने ऐसी खबरें फैलाने वालों पर भी निशाना साधते हुए कहा, बेमतलब की मनगढ़ंत बातें न लिखें। जाइए, खाना खाइए और सो जाइए। राय विधानसभा से गत जून में पारित हुए इस बिल का मकसद असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ रोकथाम के उपाय करना है। इसमें असामाजिक गतिविधियों और गुंडों को परिभाषित करने के प्रावधान भी शामिल हैं।

इसमें तय वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर किसी व्यक्ति को एक साल तक के लिए किसी खास इलाके, शहर या जिले से बाहर निकालने का प्रावधान भी है। श्री अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित कानून के दो हिस्से थे। उनके मुताबिक संपत्ति ज़ब्त करने से जुड़ा प्रावधान पहले ही लागू किया जा चुका है, जबकि दूसरा हिस्सा राष्ट्रपति के पास भेजे जाने से पहले अभी प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा, विधेयक के दो हिस्से थे। एक पहले ही लागू हो चुका है। दूसरा लागू किया जायेगा। विधेयक अभी राष्ट्रपति के पास नहीं गया है। मुख्यमंत्री ने केरल और आंध्र प्रदेश में इसी तरह के कानूनों का ज़िक्र करते हुए कहा कि राय सरकार नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों के लिए कुछ प्रावधानों को गैर-ज़मानती बनाने के लिए राष्ट्रपति की मंज़ूरी मांग रही है।

श्री अधिकारी ने कहा, नशीले पदार्थों के मामलों में, भारतीय न्याय संहिता में तीन साल की सज़ा और ज़मानत का प्रावधान है। हम इसे गैर-ज़मानती बनाना चाहते हैं। इसीलिए इसे राष्ट्रपति के पास भेजा गया है। सब कुछ नियमों के अनुसार किया जा रहा है। इसलिए, यह प्रक्रिया गृह मंत्रालय के ज़रिए चल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रस्तावित कानून में गुंडा शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है। राय सरकार ने गत जून में असामाजिक गतिविधियों को रोकने के मक़सद से विधानसभा में पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण विधेयक, 2026 पेश किया था।



## माधुरी दीक्षित कौन होणार करोड़पति में दिखेंगी महाराष्ट्रीयन अंदाज में

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित लोकप्रिय गेम शो कौन होणार करोड़पति में मेजबान की भूमिका में नजर आएंगी। शो का प्रसारण 12 अक्टूबर 2026 से सोनी मराठी पर होगा और यह सोनी लिव पर भी उपलब्ध रहेगा। शो के लिए जारी पहले लुक में माधुरी खूबसूरत पैठणी साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें पारंपरिक भव्यता के साथ आधुनिक अंदाज की झलक देखने को मिल रही है। अपने लुक के बारे में माधुरी ने कहा, पैठणी सिर्फ एक खूबसूरत साड़ी नहीं है, बल्कि इसमें महाराष्ट्र का सदियों पुराना इतिहास, परंपराएं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत बुनी हुई है। यह ऐसी विरासत है जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती आई है और महाराष्ट्र की पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। पैठणी पहनना महाराष्ट्र की परंपराओं, उसकी कला और खूबसूरती को मनाने का एक खूबसूरत तरीका है।उन्होंने कहा, मुझे इसकी बुनाई की खूबसूरती और यह बात बेहद पसंद है कि हर पैठणी अपने आप में खास होती है। अपनी संस्कृति को उसके मूल से जुड़े रहते हुए आधुनिक अंदाज में मनाना भी बहुत खूबसूरत अनुभव है। कौन होणार करोड़पति में माधुरी दीक्षित ज्ञान, सपनों और जिंदगी की प्रेरणादायक कहानियों के साथ दर्शकों के सामने एक नया सफर लेकर आएंगी। हाल ही में जारी प्रोमो में उनके नए और अनदेखे अंदाज की झलक देखने को मिली है। शो में चुनौतीपूर्ण सवालों के साथ प्रतियोगियों के बड़े सपनों और उनकी प्रेरणादायक कहानियों को भी दर्शाया जाएगा।

# कड़े संघर्ष के बाद फिल्म इंडस्ट्री में विशिष्ट पहचान बनायी देवानंद ने

लगभग छह दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता-फिल्मकार देवानंद को फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। पंजाब के गुरदासपुर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में 26 सितंबर 1923 को जन्मे धर्मदेव पिशोरीमल आनंद उर्फ देवानंद ने अंग्रेजी साहित्य में अपनी स्नातक की शिक्षा 1942 में लाहौर के मशहूर गवर्नमेंट कॉलेज से पूरी की । देवानंद इसके आगे भी पढ़ना चाहते थे लेकिन उनके पिता ने साफ शब्दों में कह दिया कि उनके पास उन्हें पढ़ाने के लिये पैसे नहीं है और यदि वह आगे पढ़ना चाहते है तो नौकरी कर लें। देवानंद ने निश्चय किया कि यदि नौकरी ही करनी है तो क्यों ना फिल्म इंडस्ट्री में किस्मत आजमाई जाए। वर्ष 1943 में अपने सपनों को साकार करने के लिये जब वह मुम्बई पहुंचे तब उनके पास मात्र 30 रुपये थे और रहने के लिये कोई ठिकाना नहीं था। देवानंद ने यहां पहुंचकर रेलवे स्टेशन के समीप ही एक सस्ते से होटल में कमरा किराये पर लिया। उस कमरे में उनके साथ तीन अन्य लोग भी रहते थे जो देवानंद की तरह ही फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिये संघर्ष कर रहे थे।जब काफी दिन यूं ही गुजर गये तो देव आनंद ने सोचा कि यदि उन्हें मुंबई में रहना है तो जीवन यापन के लिये नौकरी करनी पड़ेगी चाहे वह कैसी भी नौकरी क्यों न हो। अथक प्रयास के बाद उन्हें मिलिट्री सेन्सर ऑफिस में लिपिक की नौकरी मिल गयी। यहां उन्हें सैनिकों की चिट्ठियों को उनके परिवार के लोगों को पढ़कर सुनाना होता था। मिलिट्री सेन्सर ऑफिस में देव आनंद को 165 रुपये मासिक वेतन मिलना था जिसमें से 45 रुपये वह अपने परिवार के खर्च के लिये भेज देते थे। लगभग एक वर्ष तक मिलिट्री सेन्सर में नौकरी करने के बाद वह अपने बड़े भाई चेतन आनंद के पास चले गये जो उस समय भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) से जुड़े हुए थे। उन्होंने देव आनंद को भी अपने साथ इप्टा मे शामिल कर लिया। इस बीच देवानंद ने नाटकों में छोटे-मोटे रोल किये। वर्ष 1945 में प्रदर्शित फिल्म हम एक हैसे बतौर अभिनेता देवानंद ने अपने सिने कॅरियर की शुरुआत की। वर्ष 1948 मे प्रदर्शित फिल्म जिद्दी देव आनंद के फिल्मी कॅरियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई । इस फिल्म की कामयाबी के बाद उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र मे कदम रख दिया और नवकेतन बैनर की स्थापना की ।

देवानंद प्रख्यात उपन्यासकार आर.के.नारायण से काफी प्रभावित रहा करते थे और उनके उपन्यास गाइड पर फिल्म बनाना चाहते थे। आर.के.नारायणन की स्वीकृति के बाद देवानंद ने हॉलीवुड के सहयोग से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं मे फिल्म गाइड का निर्माण किया जो देवानंद के सिने कॅरियर की पहली रंगीन फिल्म थी । इस फिल्म में देवानंद को उनके जबरदस्त अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता फिल्म फेयर पुरस्कार भी दिया गया। बतौर निर्माता देव आनंद ने कई फिल्में बनाई। 1971 मे फिल्म हरे रामा हरे कष्णा का भी निर्देशन किया जिसकी कामयाबी के बाद उन्होंने हीरा पन्ना,देश परदेस, लूटमार, स्वामी दादा,सचे का बोलबाला और अव्वल नंबर समेत कुछ फिल्मों का निर्देशन भी किया।

देवानंद को सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिये दो बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2001 में एक ओर जहां देवानंद को भारत सरकार की ओर से पद्मभूषण सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 2002 में हिन्दी सिनेमा में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुये उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाने वाले महान फिल्मकार देव आनंद 03 दिसंबर 2011 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

## होमबाउंड में जाह्नवी के सहज अभिनय की याद

एक साल पहले रिलीज हुई फिल्म होमबाउंड में जाह्नवी कपूर ने अपने सहज और संवेदनशील अभिनय से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।नीरज घायवान निर्देशित इस फिल्म में रिश्तों, सपनों, संघर्ष और बदलती परिस्थितियों के बीच की मानवीय भावनाओं को केंद्र में रखा गया है। जाह्नवी ने फिल्म में ऐसा किरदार निभाया, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से अलग नजर आया। उन्होंने बिना किसी बनावटीपन के किरदार की भावनाओं को पर्दे पर उतारने की कोशिश की। फिल्म में जाह्नवी का अभिनय संवादों के बजाय एक्सप्रेशंस और बॉडी लैंग्वेज के जरिए भावनाओं को सामने लाने पर केंद्रित रहा। व्यक्तिगत आकांक्षाओं और रिश्तों के बीच संघर्ष करती उनकी भूमिका कहानी के भावनात्मक पक्ष को मजबूती देती है। होमबाउंड का अंतरराष्ट्रीय सफर 2025 में कान्स फिल्म फेस्टिवल के प्रीमियर से शुरू हुआ। इसके बाद फिल्म ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। फिल्म 26 सितंबर 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बाद में होमबाउंड को 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया। हालांकि फिल्म अंतिम नामांकन में जगह नहीं बना सकी, लेकिन कान्स से ऑस्कर तक का सफर फिल्म के लिए महत्वपूर्ण रहा। एक साल बाद भी जाह्नवी कपूर का सहज और संवेदनशील अभिनय होमबाउंड के उल्लेखनीय पक्षों में शामिल है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
रविवार 27 सितम्बर 2026



# राहीवाड़ा में तेज हवा-तूफान से मक्का की फसल को भारी नुकसान

## किसान रितेश पांडेय सहित अन्य किसानों की फसल प्रभावित, सर्वे कर मुआवजे की मांग

सिवनी क्षेत्र में बीते दिनों आए तेज हवा-तूफान के कारण खेतों में खड़ी मक्का की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है।

**सिवनी (स्वतंत्र मत)।** राहीवाड़ा निवासी किसान रितेश पांडेय के खेत में भी तेज हवाओं के चलते मक्का की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। खेत में खड़ी कई फसलें हवा के कारण गिर गईं, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है।

किसान रितेश पांडेय ने बताया कि फसल अच्छी स्थिति में थी, लेकिन अचानक आए तेज हवा-तूफान ने मक्का की फसल को नुकसान पहुंचा दिया। राहीवाड़ा क्षेत्र में रितेश पांडेय के अलावा अन्य किसानों के खेतों में भी मक्का की फसल प्रभावित हुई है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। किसानों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित खेतों का शीघ्र सर्वे कराकर नुकसान का आकलन किया जाए तथा शासन के नियमानुसार किसानों को उचित राहत एवं मुआवजा

## सिवनी विधायक ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने शनिवार को विधानसभा अंतर्गत प्राकृतिक आपदा से प्रभावित विभिन्न ग्रामों का दौरा कर मक्का और सोयाबीन की फसलों की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित किसानों से संवाद किया। आज भी विधायक दिनेश राय मुनमुन जी ने चमारी मंडल के अनेकों गांवों देवरीकलां, केकड़ा, करेली, ढोडा, सर्रा, लाठगांव, गुंदरई, डांगावानी, झिरी, नवलगांव, इमलीपठार, चमारीखुर्द, चमारीकलां, सूखामाल, मटामा, देवगांव और घुनई सहित आसपास के क्षेत्रों का सघन दौरा किया। तथा खेतों में जाकर आंधी, तूफान और बारिश से नष्ट हुई मक्का व सोयाबीन की फसलों को देखा। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने बताया कि ग्राम बीजादेवरी, लकवाह, निवारी, सालीवाडा, टिकारी, घौंटी, छुआई, भोंगाखेड़ा, गंगई, गठरिया, सोनाडोंगरी, दिघोरी, पुसेरा, कुदवारी, ग्राम नरेला और जिले के अन्य इलाकों से भी मक्का, सोयाबीन फसलों के नुकसान की निरंतर सूचनाएं मिल रही हैं। निरीक्षण के दौरान श्री राय ने पीड़ित किसानों से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संकट की घड़ी है किसान बंधु स्वयं को अकेला न समझें। प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह आपके साथ खड़े है। इसके साथ ही विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे सिवनी विधानसभा और जिले भर के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पहुंचकर पारदर्शी, सटीक और शीघ्र सर्वे कार्य प्रारंभ करें। ताकि कोई भी पात्र किसान बंधु मुआवजा और राहत राशि प्राप्त करने से वंचित न रहे।

## एक भक्ति ऐसी भी : 216 घंटे बाद लिया जल, भक्ति की शक्ति को नमन

**धनौरा स्वतंत्रमत** – तपती धूप और चिलचिलाती गर्मी में दसलक्षण महापर्व के पूरे नौ दिन तक जल की एक बूंद भी मुख में न जाने देना कठिन तप की समीचीन परिभाषा को ही चरितार्थ करता है दसलक्षण महापर्व के इन दिनों में लगातार दस दिन तक अन्न जल सहित चारों प्रकार की आहार का त्याग करके केवलारी विधानसभा के धनौरा के मूल निवासी अश्विन जैन विक्की भैया ने दसलक्षण महापर्व में विगत 12 वर्षो से लगातार निर्जल दस उपवास सम्पन्न करते आ रहे है ।

पर्युषण पर्व के समापन पर क्षमत्क्षमापना या क्षमा पहाड़ी पर्व मनाया जाता है इस दिन जैन धर्म लंबी पूरे वर्ष में किए गए ऐसे कार्यों के लिए क्षमा मांगते हैं जिसे किसी को उनके द्वारा जाने अनजाने में दुख पहुंचा हो कहा जाता है कि क्षमा मांगने वाले से ऊंचा स्थान क्षमता देने वाले का होता है। इसी पर्व के दौरान अश्विन जैन (विक्की भईया) की भक्ति पूरे धनौरा ब्लॉक में चर्चा का विषय बना हुआ है।

## सेवा संकल्प अभियान के तहत सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय में लाइसेंस शिविर आयोजित

**सिवनी। स्वतंत्र मत।** कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय, सिवनी में लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आवश्यक शासकीय सेवाएं उनके अध्ययन स्थल पर ही सहज एवं सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराना रहा। शिविर में छात्राओं को ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवश्यक प्रक्रिया एवं सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही मौके पर ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर 70 छात्राओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए। इससे छात्राओं को लाइसेंस बनवाने के लिए अलग से कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

# राष्ट्रीय प्रतियोगिता अंक गणित में सिवनी की आराध्या जैन बनी नेशनल चैम्पियन

**सिवनी। स्वतंत्र मत।** सिवनी के तीन छात्रों ने राष्ट्र की सबसे बड़ी अंक गणित प्रतियोगता में भाग लेकर नेशनल चेम्पियन बनकर जिले का गौरव बढाया है। बाम्बे में आयोजित यूसीएमएएस नेशनल राष्ट्रीय प्रतियोगिता वर्ष 2026 में सिवनी नगर की आराध्या जैन, सारांश चौधरी कशिश सूर्यवंशी छात्राओं ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 20 राज्य के 5 हजार छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगी छात्रों को 8 मिनिट में 200 प्रश्न हल करना था7 प्रतियोगिता में सिवनी की आराध्या जैन ने तृतीय स्थान एवं सारांश चौधरी एवं कशिश सूर्यवंशी ने भी पांचवा-पांचवा स्थान प्राप्तकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता से स्थान प्राप्त किया। यूसीएमएएस क्लासेस कचहरी चौक सिवनी की डायरेक्टर श्रीमती नीना नाहटा द्वारा छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण नियमित रूप ये दे रही है। छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए कलेक्टर सिवनी सम्माननीय श्रीमती नेहा मीना भूरि-भूरि प्रशंसा एवं तीनो प्रतियोगियों को बधाई दी।

# बारिश के बीच उमंग और उत्साह से दी बप्पा को विदाई

## बैंनगंगा नदी पुल घाट पर बनाए गए विसर्जन कुंड में हुआ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन, प्रशासन के चाक-चौबंद इंतजाम रहे

छपारा। गणेशोत्सव के नौ दिवसीय पर्व के समापन पर गुरुवार 25 सितंबर को नगर सहित क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह, उमंग और भक्ति भाव के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी। लगातार हो रही बारिश के बावजूद सुबह से देर शाम तक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए बैंनगंगा नदी पुल घाट पहुंचने का सिलसिला जारी रहा।

गणेश चतुर्थी से नगर के विभिन्न सार्वजनिक गणेश मंडलों एवं घरों में विराजित भगवान गणेश की प्रतिमाओं की नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती एवं भजन-कीर्तन किए गए। गुरुवार को विसर्जन के दौरान श्रद्धालु हाथों में छतरियां लेकर गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के जयकारे लगाते हुए बैंनगंगा नदी पुल घाट पहुंचे।

बारिश के बीच श्रद्धालुओं ने घाट पर पूजन-अर्चन कर नगर परिषद छपारा द्वारा तैयार किए गए विसर्जन कुंड में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के चलते सभी प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित कुंड में ही कराया गया।

विसर्जन स्थल पर छपारा पुलिस थाना का बल, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी तथा आपदा मित्र दल मौजूद रहा। प्रशासन एवं संबंधित अमले की निगरानी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। वहीं नगर से 16 किलोमीटर दूर स्थित भीमगढ क्षेत्र में विराजित गणपति मुर्तियों के विसर्जन में घाटों पर पुलिस एवं आपदा मित्रों की तैनाती की गई जहां सुरक्षित प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ गणेशोत्सव पर्व सभी की सुख-समृद्धि की लंबोदर से मंगलकारी कामनाओं के साथ समापन हुआ।

# जमुनिया बांध में रिसाव का कारण स्पष्ट पार में बना गड्ढा

### जल संसाधन विभाग ने किया बोरी बंधान, अफसर बोले-अभी खतरे की बात नहीं

**कटंगी(स्वतंत्र मत)।** कटंगी क्षेत्र की ब्रिटिशकालीन मध्यम सिंचाई परियोजना जमुनिया बांध की पार से हो रहे पानी के रिसाव के कारण का आखिरकार पता चल गया है। बांध में जलभराव की दिशा में पार में एक गड्ढा बनने से पानी का रिसाव होने की पुष्टि हुई है। जिसके बाद जल संसाधन विभाग ने बोरी बंधान कर गड्ढे को बंद करने की भरसक कोशिश की है, किंतु इसके बावजूद अभी भी पानी का लगातार रिसाव हो रहा है, हालांकि रिसाव की रफ्तार में थोड़ी कमी जरूर आई है। शनिवार को वैनगंगा संभाग के कार्यपालन यंत्री योगेन्द्र सिंह ठाकुर, एसडीओ डब्ल्यूआरडी सालिकराम बारेकर, उपयंत्री प्रकाश परते सहित विभाग का अमला जमुनिया बांध की स्थिति का जायजा लेते हुए दिखाई दिया। कार्यपालन यंत्री योगेन्द्र सिंह ठाकुर के मुताबिक अभी खतरे की कोई बात नहीं है और स्थिति नियंत्रण में है। दरअसल, इसी माह 12 सितंबर को पहली बार बांध की पार से पानी का रिसाव होते हुए देखा गया था। रिसाव देखते ही आस-पास के गांवों कटेरा, बनेरा, बोपली, अगासी, घुनाड़ी, सिरपुर, भजियापार में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों में दहशत फैल गई थी क्योंकि इस बांध का इतिहास बेहद दर्दनाक रहा है। विधायक गौरव पारधी के निर्देश के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बांध का पानी सभी नहरों में छोड़ना शुरू कर दिया। मुख्य नहर और स्लूस गेट के माध्यम से लगातार पानी छोड़ा गया। जैसे ही बांध का जलस्तर 30 फीट से कम हुआ, वैसे ही बांध की पार के अंदरूनी हिस्से में बने एक गड्ढे का पता चला। यही गड्ढा रिसाव का मुख्य कारण माना जा रहा है। विभाग ने तत्काल बोरियों से उस गड्ढे को बंद करने का काम किया है। बोरी बंधान के बाद रिसाव की गति में कमी आई है, लेकिन पूरी तरह से रिसाव बंद नहीं हुआ है। मौके पर मौजूद वैनगंगा संभाग के कार्यपालन यंत्री योगेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया, हमने निरीक्षण किया है। रिसाव का पॉइंट मिल गया है। 30 फीट से अधिक जलभराव होने पर ही यह रिसाव हो रहा है। अभी हमने बोरी बंधान कर दिया है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, खतरे की कोई बात नहीं है। फिर भी हम लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बांध की पार की स्थायी मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

## उकवा में तीन दिनों तक चला गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

**उकवा(स्वतंत्र मत)।** उकवा क्षेत्र में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का तीन दिनों तक उत्साह और श्रद्धा के साथ विसर्जन किया गया। सार्वजनिक स्थलों और घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं की 10 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद कुछ प्रतिमाओं का गुरुवार को विसर्जन किया गया, जबकि शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं का विसर्जन किया। झमाझम बारिश के बीच भी श्रद्धालु बाजे-गाजे और डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा।

मॉयल उकवा खान, उकवा बस्ती, पानी टोला और उकवा कैंप सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित गणेश प्रतिमाओं को श्रद्धालु विसर्जन के लिए समनापुर तालाब लेकर पहुंचे। पुलिस बल की मौजूदगी में प्रतिमाओं का सावधानीपूर्वक विसर्जन कराया गया। शनिवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

# तीन अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन का शिकंजा

### 6 लोगों को नोटिस, 5 अक्टूबर तक मांगे दस्तावेज

**कटंगी(स्वतंत्र मत)।** तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में जमीनों को छोटे-छोटे भूखंडों में काटकर बेचने के मामले अब प्रशासन की नजर में आ गए हैं। सवाल यह है कि आखिर कॉलोनाइजर एक्ट के निर्धारित नियमों और अनुमतियों के बिना जमीनों पर प्लॉटिंग का खेल कब से चल रहा था? प्रशासन की जांच में बम्हनी और बोनकट्टा में तीन ऐसी कॉलोनियों की जानकारी सामने आने के बाद एसडीएम ने संबंधित लोगों को शुक्रवार को नोटिस जारी किए हैं। अब दस्तावेजों की जांच से यह स्पष्ट होगा कि इन कॉलोनियों के विकास और भूखंडों की बिक्री के लिए आवश्यक अनुमतियां ली गई थीं या नहीं। एसडीएम विजय सिंह यादव के निर्देश पर संपूर्ण अनुभाग में विकसित की जा रही कॉलोनियों की जांच कराई गई। तहसीलदार तिरोड़ी गीता राहंगडाले की जांच रिपोर्ट में तहसील के ग्राम बम्हनी और बोनकट्टा में तीन मामलों की जानकारी सामने आई। प्रशासन ने संबंधित लोगों को 5 अक्टूबर 2026 तक कॉलोनाइजर एक्ट के तहत वांछित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

**बम्हनी में 0.511 हेक्टेयर जमीन पर प्लॉटिंग...** ग्राम बम्हनी में सर्वे नंबर 388/2/1, 388/2/2, 388/2/3 और 388/2/4 की कुल 0.511 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकसित कर प्लॉट काटे जाने की जानकारी जांच में सामने आई। इस मामले में नोकेश पिता तुलसीराम और राकेश पिता राधेलाल को नोटिस जारी किया गया है। ग्राम बोनकट्टा में सर्वे नंबर 255/1/1/1/1 की 0.698 हेक्टेयर भूमि पर प्लॉट बिक्री के मामले में आर्यन शर्मा, जितेंद्र ठाकुर और विजय कापगाते को नोटिस दिया गया है। वहीं सर्वे नंबर 87/8 की 0.247 हेक्टेयर भूमि पर प्लॉट बिक्री के मामले में ज्योति नागपुरे को नोटिस जारी किया गया है।

**अब दस्तावेज बताएंगे वैधता...** प्रशासन की कार्रवाई फिलहाल नोटिस और दस्तावेजों की जांच के चरण में है। संबंधित लोगों से रजिस्ट्रेशन, कॉलोनी विकास और अन्य निर्धारित अनुमतियों से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। दस्तावेज प्रस्तुत होने के बाद उनकी जांच की जाएगी और नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि आवश्यक अनुमतियां नहीं थीं, तो जमीनों पर प्लॉटिंग और उनकी बिक्री की गतिविधियां किस आधार पर चल रही थीं? साथ ही, ऐसी कॉलोनियों में सड़क, नाली, बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं का क्या प्रावधान किया गया था। इन सवालों के जवाब भी प्रशासनिक जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

# बालाघाट में हर चौथा बच्चा कुपोषित

### 32 बच्चों की मौत के बाद आया कुपोषण का हैरान करने वाला आंकड़ा

**बालाघाट(स्वतंत्र मत)।** कुपोषण के मामले में देश में मध्य प्रदेश की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है और ऐतिहासिक रूप से यह देश के सबसे अधिक कुप्रभावित राज्यों में शामिल रहा है। बालाघाट के बैंगा आदिवासी अंचल में कुपोषण, मलेरिया, खसरा और अन्य बीमारियों के कारण 32 से अधिक बच्चों की मृत्यु के बीच अब प्रशासन से कुपोषण का आंकड़ा सामने आया है. जहां बालाघाट जिले में हर चौथा बच्चा कुपोषण से ग्रसित देखा गया हैं. महिला एवं बाल विकास विभाग के अगस्त 2026 तक के कुपोषण के आंकड़े बताए है. इसके मुताबिक, बालाघाट में 1, 21, 892 बच्चों का परीक्षण करवाया गया. इसमें 27,839 बच्चों कुपोषित पाए गए है. जिसमें भी 3,741 बच्चे अति कुपोषित की श्रेणी में शामिल है. ऐसे में बालाघाट जिले का लगभग हर चौथा बच्चा कुपोषित है. वहीं, दूसरी तरफ जिस इलाके में महामारी फैली है वहां स्थिति और भी गंभीर है. दरअसल, बैहर विधानसभा में 1111 बच्चे अति कुपोषित है. इसमें बैहर ब्लॉक में 560 और बिरसा में 551 बच्चे अति कुपोषित है. यानी की प्रभावित क्षेत्र से ही बालाघाट जिले के 29.69 प्रतिशत मामले उसी इलाके से आते हैं. 2025 के विधानसभा सत्र के दौरान प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में लगभग 1.36 लाख कुपोषित बच्चे थे, जिनमें लगभग 29,830 बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित थे.

### 3 साल उम्र और साढ़े चार किलो वजन...

बालाघाट के बोंदारी गांव में रहने वाले सुखचंद्र धुर्वे की 3 साल की बेटी प्रीति धुर्वे की मौत हुई थी. इसमें साफ तौर पर कहा गया था कि वह कुपोषण का शिकार थी. तत्कालीन सीएमओ का कहना था कि तीन साल की प्रीती का वजन महज साढ़े चार किलो था. यह एक नहीं बल्कि कई ऐसे में मामले है जिसकी वजह कुपोषण है.

### विधायक के आंकड़ों में 31 प्रतिशत कुपोषित...

इधर, क्षेत्रीय विधायक संजय उइके ने जो आंकड़े मीडिया के सामने जारी किए वह कुछ और ही कहते हैं. उन्होंने एक महीने पहले के आंकड़े जारी किए. इसमें जुलाई 2026 तक 1 लाख 15 हजार 828 बच्चों की जांच हुई, जिसमें उम्र के हिसाब से कम ऊंचाई के बच्चों की संख्या 34 हजार 976 यानी 31 प्रतिशत. वहीं, अंडरवेट 26,640 यानी 23 प्रतिशत है. वहीं, जिनकी ऊंचाई तो है लेकिन वजन नहीं उनकी संख्या 9 हजार 266 यानी 8 प्रतिशत है.

### टेक होम राशन से पोषण तत्व गायब...

विधायक ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए टेक होम राशन यानी टीएचआर को लेकर भी सवाल उठाए हैं. उनका दावा है कि मार्च से टीएचआर बंद है और इससे पहले मिलने वाले राशन में पर्याप्त पोषक तत्व नहीं थे. हालांकि बोंदारी की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्यारी यादव के मुताबिक मई से स्वयं सहायता समूह की मदद से दलिया के पैकेट बांटे जा रहे हैं.

### सरकारी आंकड़ों पर सवाल

कुपोषण के बीच सरकारी पोर्टल पोषण ट्रैकर में दर्ज आंकड़े भी सवालों के घेरे में हैं. कई केंद्रों पर बच्चों की दैनिक उपस्थिति, नाश्ता और गर्म पका भोजन वितरण 100 प्रतिशत दर्ज किया गया है. यहां तक कि सितंबर-अक्टूबर 2025 के आंकड़ों में सरकारी अवकाश वाले दिन भी कुछ आंगनवाड़ी केंद्रों पर 100 प्रतिशत उपस्थिति और भोजन वितरण दर्ज होने का दावा किया गया है. अधिकारियों का कहना है कि कई अभिभावक बच्चों को आंगनवाड़ी के बजाय खेतों में अपने साथ ले जाते हैं. ऐसे में जमीनी स्थिति और पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के बीच अंतर की जांच जरूरी है.

### प्रशासन का दावा-घर-घर पहुंच रहे अधिकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी देंवेंद्र कुमार सुंदरीयाल ने बताया कि कुपोषण के कई सारे कारण हैं, उसमें हम समग्र रूप से काम कर रहें है. जो कुपोषित बच्चें हैं उन्हे सुनिचित करते हैं कि खाना, नाश्ता मिले और घर पर भी समझाई दी जाती हैं कि घर पर भी खाना खिलाए. जैसे बच्चे जिन्हे चिकित्सय सुविधा की आवश्यकता हैं तो उन्हे एनआरसी सेंटर भेजा जाता है. हमारे जिले में एनआरसी से सौ प्रतिशत बच्चें उपचार के बाद स्वस्थ्य होकर घर लौटते है।

# अनवरत बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

## चक्रवाती सिस्टम कमजोर पड़ने से कटनी सहित कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

कटनी (स्वतंत्रमत)

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती सिस्टम कमजोर पड़ने से मध्यप्रदेश के कई जिलों में पिछले तीन दिनों से बारिश का दौर लगातार जारी है। कटनी में भी शहर से लेकर गांव तक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है। पिछले दो दिनों में कटनी जिले में 91 मिलीमीटर यानि करीब चार इंच के आसपास औसत बारिश दर्ज की गई है। गुरूवार की दोपहर से अचानक सक्रिय हुए मानसून से पूरा जिला तरबतर नजर आ रहा है। लगातार पानी गिरने की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जिले में औसत बारिश का आंकड़ा 900 को पार कर गया है। इस साल एक जून से लेकर अब तक 85 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जबकि पिछले साल की तुलना में अब तक 14 प्रतिशत कम बारिश हुई है। स्लीमनाबाद तहसील में सबसे ज्यादा 1180.4 मिलीमीटर और बड़वारा तहसील में सबसे कम 720.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहने की वजह से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। नदियों की जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ रहा है। कटनी नदी सहित अन्य छोटी नदियां उफान मार रही है। निचले इलाकों में जलप्लावन की स्थिति निर्मित हो गई है।

### झमाझम बारिश से बदला मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक डिप्रेशन अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से होते हुए उत्तर पश्चिम ओडिशा की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से आज शनिवार को भी बारिश का दौर जारी है, गहरे अवदाब के प्रभाव से जोरदार वर्षा हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती सिस्टम कमजोर पड़ने से बारिश का दौर चल रहा है। चक्रवाती हवाओं के कारण मानसून की वापसी हुई है।

### कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

कलेक्टर आशीष तिवारी ने राजस्व विभाग को निर्देशित किया है कि जिले में कहीं भी जलभराव, नाला टूटने, नदियों के उफान में रहने के कारण रास्ता बंद होने या फिर कोई संभावित अप्रिय स्थिति होने की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दी जाए, जिससे समय रहते राहत एवं बचाव कर्य शुरू किया जा सके।

### कटनी में जिले में बारिश पर एक नजर

| तहसील | आज की वर्षा | कुल वर्षा | पिछले साल कुल वर्षा |
|---|---|---|---|
| कटनी | 55.0 मिमी | 857.0 मिमी | 1152.7 मिमी |
| रीठी | 79.1 मिमी | 1103.7 मिमी | 1437.6 मिमी |
| बड़वारा | 90.6 मिमी | 720.9 मिमी | 1001.0 मिमी |
| बरही | 56.0 मिमी | 742.0 मिमी | 951.0 मिमी |
| विगढ़ | 76.7 मिमी | 972.3 मिमी | 933.4 मिमी |
| बहोरीबंद | 55.0 मिमी | 847.3 मिमी | 942.7 मिमी |
| स्लीमनाबाद | 65.0 मिमी | 1180.4 मिमी | 1250.6 मिमी |
| ढीमरखेड़ा | 76.9 मिमी | 982.8 मिमी | 1026.6 मिमी |
| कुल योग | 69.3 मिमी | 926.2 मिमी | 1087.4 मिमी |
| इंच में वर्षा | 2.7 मिमी | 36.3 इंच | 42.8 इंच |

नोट : जिले में सामान्य वर्षा की तुलना में आज तक कुल 85.2 प्रतिशत वर्षा हुई है, जबकि गत वर्ष की तुलना में आज तक 14.8 कम प्रतिशत वर्षा हुई है।

# दद्दा जी के अवतरण दिवस पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

## दद्दा धाम से गृह ग्राम कुंडा मर्दनगढ़ तक गूंजे भक्ति के स्वर

कटनी (स्वतंत्रमत)

ब्रह्मलीन गृहस्थ संत दद्दा जी के अवतरण दिवस अनंत चतुर्दशी पर श्रद्धा और भति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कटनी स्थित दद्दा धाम, घनश्याम बाग आश्रम और उनके गृह ग्राम कुंडा मर्दनगढ़ में दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलता रहा। दद्दा जी के शिष्यों ने दूर-दूर से पहुंचकर अपने गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की। दद्दा धाम स्थित श्रीकृष्ण वृद्धाश्रम परिसर में देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे शिष्यों ने समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर गुरुदेव को नमन किया। श्री दद्दा जी मंदिर में दर्शन के साथ श्रद्धालुओं ने शिवलिंग निर्माण में सहभागिता की। भजन-कीर्तन, महारुद्राभिषेक, हवन और महाआरती से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद भंडारा प्रसाद का आयोजन हुआ। वहीं दद्दा जी के गृह ग्राम कुंडा मर्दनगढ़ में जबलपुर, सिहोरा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिष्य मंडल के लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर गुरुदेव के अवतरण दिवस को श्रद्धा के साथ मनाया। घनश्याम बाग आश्रम में भी शिष्यों और भक्तों की मौजूदगी में धार्मिक आयोजन हुए। गुरुदेव के प्रति आस्था और समर्पण का भाव तीनों स्थानों पर दिखाई दिया। शिष्यों ने दद्दा जी की शिक्षाओं और आध्यात्मिक साधना को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सुबह से देर तक चले आयोजनों में भक्ति, साधना और गुरु-वंदना का वातावरण बना रहा।

## बारिश के बीच छपरवाह में धूमधाम से हुआ गजानन महाराज का विसर्जन

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह में अनंत चतुर्दशी को बारिश के बीच श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ गजानन महाराज की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। अनंत चतुर्दशी को सुबह से ही क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की और गाजे-बाजे के साथ विसर्जन यात्रा निकाली। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बड़ी संख्या में लोग विसर्जन यात्रा में शामिल हुए और गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालु नाचते-गाते और गुलाल उड़ाते हुए आगे बढ़े। निर्धारित स्थल पर विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद गजानन महाराज की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर आयोजकों एवं स्थानीय लोगों ने आवश्यक व्यवस्थाएं संभालीं। श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण विदाई देते हुए अगले वर्ष पुनः गणपति महाराज के आगमन की कामना की।

# 53 करोड़ से होगा कटनी उमरिया मार्ग का कायाकल्प

## 52.41 करोड़ के टेंडर जारी, 5 साल तक ठेकेदार करेगा देखरेख

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी से उमरिया के बीच की सड़क को अधिक बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एक व्यापक योजना तैयार की है। मार्ग के सुधार और अगले पांच वर्षों तक रखरखाव के लिए 52.41 करोड़ के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इस नई व्यवस्था के तहत ठेकेदार की जिम्मेदारी केवल गड्ढे भरने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे मार्ग को तय मानकों के अनुसार बेहतर स्थिति में बनाए रखना होगा। असर देखा जाता है कि मरम्मत के कुछ समय बाद ही सड़क दोबारा खराब हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए इस बार ठेकेदार को 5 साल तक सड़क के रखरखाव की जिमेदारी दी जाएगी। यदि सड़क पर गड्ढे, दरारें या डामर उखड़ने जैसी समस्याएं आती हैं, तो तय मानकों के अनुरूप सुधार करना अनिवार्य होगा। सड़क के किनारों के धंसने और कटाव की मरमत की जाएगी। बारिश के दौरान पानी जमा न हो, इसके लिए नालियों की सफाई और मरम्मत की जाएगी, जिससे सड़क की सतह बेहतर बनी रहे। मार्ग में आने वाले पुलों और पुलियों की नियमित सफाई और मरमत की जाएगी। इसके अलावा क्षतिग्रस्त रेलिंग, पैरापेट वाल, क्रैश बैरियर, कर्व, रोड मार्किंग, किलोमीटर स्टोन और सड़क संकेतकों को भी सही स्थिति में रखा जाएगा। सड़क किनारे जमा मलबे और अन्य रुकावटों को नियमित रूप से हटाया जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा सुगम हो सके।

## सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में नन्हे इंजीनियरों ने दिखाई अपनी रचनात्मक प्रतिभा

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में विद्यार्थियों के लिए पॉप्सिकल स्टिक इंजीनियरिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में बच्चों ने पॉप्सिकल स्टिक्स की सहायता से विभिन्न रचनात्मक आकृतियाँ एवं संरचनाएँ तैयार कीं। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक सोच, कल्पनाशक्ति, समस्या-समाधान क्षमता एवं टीम भावना का विकास करना था। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। यह गतिविधि बच्चों के लिए सीखने और आनंद लेने का एक शानदार अनुभव रही। विद्यालय की इंचार्ज नाजनीन तौफीक एवं उप-प्रधानाचार्या शबनम अख्तर भी उपस्थित रहीं और उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की निर्देशिका जूही जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को कुछ नया सीखने के अवसर प्रदान करना और उन्हें रचनात्मक एवं उपयोगी गतिविधियों में व्यस्त रखना है।

# प्रतिबंध के बावजूद खुलीं मीट दुकानें निगम ने तीन दुकानों पर ठोका जुर्माना

कटनी (स्वतंत्रमत)

अनंत चतुर्दशी पर मांसाहारी पदार्थों के क्रय-विक्रय पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद शहर में तीन मीट दुकानें खुली मिलीं। नगर निगम की जांच टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए संचालकों पर जुर्माना लगाया और दुकानें बंद कराईं। मिशन चौक में निरीक्षण के दौरान न्यू गोल्डन एग्ज एंड चिकन सेंटर तथा इंडियन एग्ज एंड चिकन सेंटर खुले मिले। दोनों संचालकों पर एक-एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद माधव नगर क्षेत्र में जांच के दौरान इंडियन चिकन सेंटर भी खुला मिला, जिस पर 4 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। निगम स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी की मौजूदगी में हुई कार्रवाई के दौरान संचालकों को प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन करने की हिदायत दी गई। निगम ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित अवधि में दोबारा दुकान संचालित मिलने पर जुर्माने के साथ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। निरीक्षण अभियान जारी रहने की बात निगम प्रशासन ने कही है।

## ग्राम पंचायत भवन और पक्की सड़क विहीन पटेहरा निवासी अब मुख्यमंत्री और सांसद से कर रहे हैं इनकी मांग..!

**मानपुर (स्वतंत्रमत)** । कार्यालय भवन, पक्की सड़क और बड़े पूल निर्माण में आगे रहने वाले भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही सड़क न होने से यदि कोई ग्राम पंचायत घिर चुका हो तो उस पंचायत के विकास और स्वास्थ्य शिक्षा के स्तर का क्या दसा होगा..? जी हां मप्र उमरिया जिला के मानपुर तहसील क्षेत्रांतरगत बड़े आवादी वाला एक पटेहरा नाम का ग्राम पंचायत है द्य यहां आदिवास्यों की बड़ी आवादी है द्य यहां की दसा पिछले वर्षों से बड़ी दयनीय और जटिल है। यहां का ग्राम पंचायत पुराना ग्राम पंचायत भवन दशकों से जर्जर पड़ा है जहां से इस कार्यालय को मंगल भवन में संचालित किया जा रहा है। यहां के बार्डर तक पीएमजीएसवाई के सड़क टच तो कर रहेहैं जो बहुत पहले ही जरजर हो चुके हैं। लखनौटी से कुठिलिया होते हुये पटेहरा और पटेहरा से

भड़ारी तक तकरीबन 8 – 9 किमी लम्बी सड़क इसके अलावा बस्ती के अंदर की तकरीबन 4 – 5 किमी की सड़क पूरी तरह कीचड़ युक्त रहती है, पिछले कई पंचवर्षी पहले इन सड़कों का मरम्मत ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया था वह भी बहपत कम बजट से मुरुम व गिट्टी बोल्डर मुरुम से जो बहुत पहले नष्ट हो चुके हैं।

## बहुत ही सुंदर और भक्ति से भरा आयोजन

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर एसबीआई लाइफ कटनी डिविजनल ऑफिस में श्री गणेश हवन, पूजन एवं विसर्जन समारोह बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस मंगल अवसर पर उपस्थित सभी सदस्य ब्रांच मैनेजर संजय राठौर विजय गणेश यादव नवीन, रितेश शिवपूजन सिंह शेखर वर्मा अनुराग आर्य विवेक सोनी अनिल गौतम आशा अग्रहरि, मनीषा प्यासी, संस्कृति मैडम, पूजा सिंह, रूपेश, मनोज एवं समस्त स्टाफपरिवार। सभी ने एक साथ गणपति बप्पा से प्रार्थना की कि एसबीआई लाइफ परिवार पर सदा अपनी कृपा बनाए रखें और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लाएं।

# जैन मंदिरों में गूंजा णमोकार मंत्र

कटनी (स्वतंत्रमत)

दिगंबर जैन समाज के पर्वराज पर्यूषण पर्व का उाम क्षमा धर्म के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में श्रद्धा और भति का वातावरण रहा। पर्यूषण पर 10 दिन मंदिरों में पूजन-अभिषेक तथा रात्रि में महाआरती सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यूषण पर्व के अंतर्गत समाजजनों द्वारा लाडू सजाओ प्रतियोगिता, प्रश्न मंच, धार्मिक तंबोला, टिकुल दशमी, अंताक्षरी, फैंसी ड्रेस एवं भजन प्रतियोगिता सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं महावीर कीर्ति स्तंभ में णमोकार मंत्र का अखंड पाठ एवं भताबर स्तोत्र का अखंड पाठ भी श्रद्धापूर्वक किया गया। 1008 वासुपूज्य भगवान के निर्वाण कल्याणक दिवस के अवसर पर जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए और श्रद्धालुओं द्वारा भगवान को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही रही और भतिभाव के साथ पूजन-अभिषेक एवं धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। इन आयोजनों में दिगंबर जैन पंचायत महासभा, आचार्य विद्यासागर नवयुवक मंडल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, जैन मिलन गुरुभत मंडल, चेतनोदय भति संघ, ज्ञानोदय भत मंडल, हाउसिंग बोर्ड जैन मंदिर, गौशाला जैन मंदिर भक्ति मंडली, बंगला मंदिर भतगण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी ंया में समाजजन शामिल हुए। समाजजनों ने पर्व को आत्मशुद्धि, संयम, तप और धार्मिक साधना के रूप में मनाते हुए श्रद्धा के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। क्षमावाणी के साथ पर्व का समापन हुआ।

# सार्थक ऐप से लगेगी डॉक्टरों की हाजिरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

स्लीमनाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉटरों और कर्मचारियों की मौजूदगी पर अब डिजिटल निगरानी रहेगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनय विश्वकर्मा और डीएफओ गर्वित गंगवार ने अस्पताल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी डॉटर और कर्मचारी अपनी उपस्थिति सार्थक ऐप से ही दर्ज करें और निर्धारित समय पर अस्पताल में उपलब्ध रहें। ग्रामीण क्षेत्र के इस स्वास्थ्य केंद्र पर आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में चिकित्सकों की अनुपस्थिति या समय पर उपलब्धता नहीं होने का सीधा असर मरीजों पर पड़ता है। कलेक्टर ने इसी को ध्यान में रखते हुए सीएमएचओ और अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्था पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों को पर्याप्त और समय पर उपचार मिलना चाहिए। इलाज के दौरान मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। सार्थक ऐप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था का उद्देश्य अस्पताल में पदस्थ अमले की नियमित मौजूदगी सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवस्थित रखने और मरीजों की सुविधा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

# भारत का कबड्डी में गोल्डन डबल

## पुरुष और महिला टीमों ने फ़ाइनल में ईरान को हराया

आइची नागोया (वार्ता)।

भारत ने एशियाई खेलों में पुरुष और महिला वर्ग में कबड्डी फ़ाइनल में शनिवार को ईरान को हराकर दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की। पुरुषों के रोमांचक मुकाबले में भारत ने ईरान को 40-34 से हराकर गोल्ड मेडल जीता और एशियाई खेलों में अपना ख़िताब सफलतापूर्वक बचाया। महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम बरकरार रखा। पुरुष फ़ाइनल में हाफ़-टाइम तक भारत 18-17 से पीछे था, लेकिन ब्रेक के बाद चुनौती का सामना करते हुए ईरान को ऑल-आउट किया और मुक़ाबले पर पकड़ बनाते हुए कबड्डी में एशियाई खेलों का रिकॉर्ड नौवां गोल्ड मेडल हासिल किया। भारत ने दूसरे हाफ़ में मैच का पासा पलट दिया है और ईरान को ऑल-आउट करने के बाद बढ़त बना ली। मज़बूत डिफ़ेंस और स्मार्ट रेडिंग की मदद से भारत ने पिछड़ने के बाद वापसी की है और मैच के अंतिम चरणों में पाँच अंकों की बढ़त बना ली ।

**भारत ने हाफ़ का समापन मज़बूती से किया**-कड़े मुक़ाबले वाले शुरुआती दौर के बाद, हाफ़-टाइम तक ईरान की टीम भारत से 18-17 से मामूली बढ़त बनाए हुए थी। ईरान ने इस दौरान मैच का एकमात्र ऑल-आउट किया, लेकिन भारत ने हाफ़ का समापन मज़बूती से किया और अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया, जिससे वे मुक़ाबले में बने रहे।

**भारत की महिला कबड्डी टीम ने चौथा स्वर्ण पदक जीता**-टोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में हुए फाइनल मुकाबले में भारत की महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर अपना एशियाई खेलों का चौथा स्वर्ण पदक जीता। अब तक हुए पांच एशियाई खेलों में ईरान ने जकार्ता 2018 में फ़ाइनल में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। दिलचस्प बात यह है कि ईरान ने फाइनल मैच की शुरुआत अपनी स्टार रेडर और कप्तान ज़हरा करीमी को बेंच पर बिठाकर की।

डिफेंडिंग चैंपियन ने शानदार शुरुआत की। रेडर पूजा, संजू देवी और निकिता हथवाला ने शुरुआती पॉइंट हासिल किए और टीम को 5-2 की बढ़त दिला दी। हालांकि, ईरान ने सुपर टैकल के ज़रिए स्कोर बराबर किया और 7-5 की बढ़त बना ली। लेकिन भारत ने तुरंत वापसी की और मैच का पहला ऑल आउट करके ईरान पर 13-10 की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद निकिता हथवाला ने दो पॉइंट की रेड की और स्कोर 15-10 कर दिया।

**भारतीय डिफेंस ने ईरान को कोई मौका नहीं दिया**-मैट पर वापस लौटीं करीमी ने अतेना मादेदी की मदद से मैच का रुख पलटने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने ईरान की स्टार रेडर सानिया नईमी को कोई मौका नहीं दिया और उन पर पूरी तरह काबू बनाए रखा। संजू देवी ने एक और मल्टी-पॉइंट रेड की - जिसमें बोनस और दो टच पॉइंट शामिल थे - जबकि डिफेंस ने लगातार सफल टैकल किए। इससे हाफ़-टाइम से दो मिनट पहले ही भारत की बढ़त दहाई के अंक (डबल डिजिट) तक पहुँच गई।हाफ-टाइम की सीटी बजने से पहले के आखिरी दो मिनट ईरान के नाम रहे। एक सुपर टैकल, उसके बाद बोनस और मादेदी के शानदार एंकल होल्ड की बदौलत जकार्ता 2018 की चैंपियन टीम ने ब्रेक तक अंतर को कम करके 22-16 कर दिया।

**दूसरे हाफ में ईरान पूरी तरह जोश में नजर आया**-दूसरे हाफ में ईरान पूरी तरह जोश में नजर आया। डिफेंस के मजबूत खेल और सानिया नईमी के अचानक लय में आने से, उन्होंने स्कोर का अंतर कम करके 23-20 कर दिया। दबाव के बीच, जब मैट पर भारत की सिर्फ़ दो खिलाड़ी बची थीं, रितु नेगी ने सानिया को थाई होल्ड करके शानदार सुपर टैकल किया।

पूजा ने भी अहम पॉइंट हासिल किए ताकि भारत ऑल आउट न हो जाए। लेकिन आखिरकार मदादी ने एक ही रेड में दो टच पॉइंट हासिल करके भारत को ऑल आउट कर दिया और खेल खत्म होने में स्कोर को सिर्फ़ एक पॉइंट (27-26) के अंतर पर ला दिया।मैच का रुख बदलने के लिए भारत ने रेडर्स पर भरोसा जताया और उन्होंने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। पूजा ने पूरे मैच की तरह टच पॉइंट हासिल करना जारी रखा और संजू देवी ने भी कुछ बड़ी रेड्स के ज़रिए योगदान दिया।

# तेजिंदरपाल सिंह तूर ने शॉट पुट में रजत पदक जीता

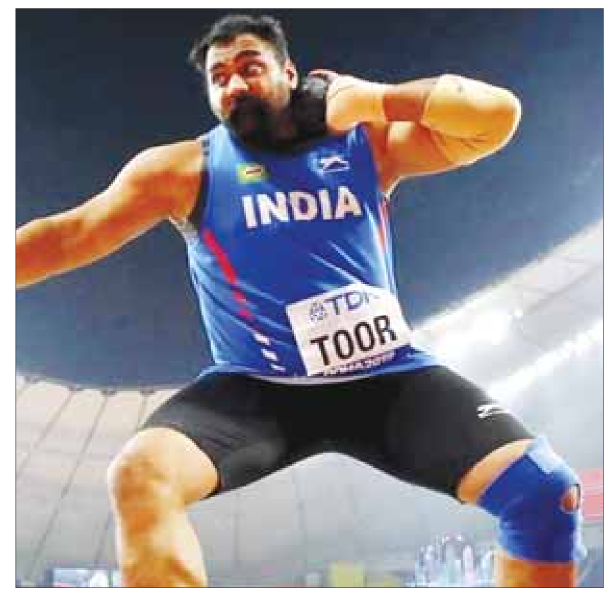


आइची नागोया (वार्ता)।

भारत के तेजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट इवेंट में 20.64 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सिल्वर मेडल जीता। वे ईरान के मोहम्मदरेज़ा तयेबिसे से पीछे रहे, जिन्होंने 20.81 मीटर का एशियाई खेलों का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले के दो एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, अब उनके नाम एशियाई खेलों का तीसरा मेडल हो गया है। उनके साथी खिलाड़ी करणवीर सिंह तीन राउंड के बाद बाहर हो गए; वे 18.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ 10वें स्थान पर रहे। नेशनल रिकॉर्ड-होल्डर अनिमेष कुजूर ने अपनी सेमीफ़ाइनल हीट में 20.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और पुरुषों के 200 मीटर फ़ाइनल के लिए सीधे क्वालिफ़ाई कर लिया। सभी सेमीफ़ाइनल हीट में अनिमेष कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे। फ़ाइनल कल होगा। तेजस्विन शंकर ने हाई जंप में 2.18 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 973 अंक हासिल किए और चार इवेंट्स के बाद डेकाथलॉन में पहले स्थान पर पहुंच गए। तेजस्विन के कुल 3457 अंक हैं और वे दूसरे स्थान पर मौजूद एथलीट से 165 अंक आगे हैं। उनके साथी खिलाड़ी तौफीक नौशाद 2986 अंकों के साथ स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर हैं। हरिता भद्रा ने अपनी हीट में 23.31 सेकेंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल करते हुए महिला 200 मीटर के फाइनल में जगह बनाई। वह ओवरऑल चौथे स्थान पर रहीं। उन्नति अयप्पा बोलैंड ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल किया और 23.33 सेकेंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया। वह ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहीं। ज्योति याराजी ने नहीं लिया स्टार्ट, नंदिनी कोंगन 100 मीटर हर्डल्स के फाइनल में भारत की ज्योति याराजी ने महिला 100 मीटर हर्डल्स की हीट में हिस्सा नहीं लिया और डीएनएस (डिड नॉट स्टार्ट) रहीं। वहीं, उनकी हमवतन नंदिनी कोंगन ने 13.48 सेकंड के समय के साथ फाइनल में जगह बना ली। नंदिनी अपनी हीट में चौथे स्थान पर रहीं और ओवरऑल छठे स्थान पर रहते हुए स्थान के आधार पर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल कल आयोजित होगा। भारत के प्रवीण चित्रवेल को चोट लगने के कारण पुरुषों के ट्रिपल जंप फ़ाइनल से हटना पड़ा। उनके साथी खिलाड़ी कार्तिक उन्नीकृष्णन 15.96 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ छठे स्थान पर हैं।

## बीसीसीआई ने मुथूट फिनकॉर्प को टाइटल स्पॉन्सर घोषित किया

**मुंबई (वार्ता)।** बीसीसीआई ने मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड को भारत में होने वाले क्रिकेट मैचों के लिए टाइटल स्पॉन्सर घोषित किया है। यह साझेदारी मार्च 2028 तक चलेगी। इस टाइटल स्पॉन्सरशिप में भारत में खेले जाने वाले सभी इंटरनेशनल सीरीज़ और टूर्नामेंट के साथ-साथ बोर्ड द्वारा आयोजित सभी घरेलू टूर्नामेंट भी शामिल होंगे। यह साझेदारी मुथूट फिनकॉर्प की पूरे भारत में मज़बूत मौजूदगी और भारतीय क्रिकेट की देशव्यापी पहुँच को एक साथ लाती है। मुथूट फिनकॉर्प का खास नीला रंग, भारतीय क्रिकेट की मेन इन ब्लू और विमेन इन ब्लू टीमों के साथ एक स्वाभाविक विज़ुअल जुड़ाव भी बनाता है। यह पार्टनरशिप मुथूट फिनकॉर्प को भारत की नेशनल टीमों और अहम घरेलू प्रतियोगिताओं के ज़रिए देश भर के क्रिकेट दर्शकों से जुड़ने का मौका देगी। इस साझेदारी की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ भारत के पहले वनडे मैच से होगी। बीसीसीआई के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा भारतीय क्रिकेट का घरेलू सीज़न नेशनल टीमों, घरेलू प्रतियोगिताओं और खिलाड़ियों को उनके सफ़र के अलग-अलग पड़ावों पर एक साथ लाता है। टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर मुथूट फिनकॉर्प का जुड़ना भारतीय क्रिकेट की ताकत और पहुँच के साथ-साथ देश भर के लोगों के साथ इसके जुड़ाव को भी दिखाता है। मन्हास ने कहा,दोनों ब्रांड्स के बीच एक स्वाभाविक जुड़ाव भी है, जिसमें मुथूट फिनकॉर्प का खास नीला रंग भारतीय क्रिकेट की मेन इन ब्लू और विमेन इन ब्लू टीमों के साथ जुड़ता है।

# भारत ने जापान को हराकर सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई

**आइची नागोया (वार्ता)** भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बारिश वाले शनिवार को गिफू प्रीफ़ेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में पूल ए के अपने चौथे मैच में मेज़बान जापान को कड़े मुक़ाबले में 2-0 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के सेमीफ़ाइनल में जगह पक्की कर ली। एशियन गेम्स के इस कड़े हॉकी मुक़ाबले में भारत के लिए अभिषेक (15वें मिनट) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (40वें मिनट) ने दो गोल किए।लगातार हो रही हल्की बारिश और गीले मैदान के बावजूद जापान ने भारत को कड़ी टक्कर दी, लेकिन मौजूदा चैंपियन ने मैच जीतने और एक मैच बाकी रहते हुए सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करने के लिए ज़रूरी प्रदर्शन किया। भारत सोमवार को एशियन गेम्स में अपने ग्रुप के आखिरी मैच में बंगलादेश से खेलेगा। जापान के ख़िलाफ़ यह मैच भारतीय डिफेंडर संजय के लिए एक यादगार पल था, क्योंकि उन्होंने अपना 100वां सीनियर इंटरनेशनल मैच खेला। मैच तेज़ रफ़्तार से शुरू हुआ और दोनों टीमें अटैक करने की कोशिश कर रही थीं। तीसरे मिनट में भारत गोल के करीब पहुंचा जब एक एरियल पास सर्कल के टॉप पर अभिषेक के पास पहुंचा, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकाशी योशिकावा के सामने वन-ऑन-वन स्थिति में भारतीय स्ट्राइकर के साथ गेंद को खतरनाक माना गया और मूव को रोक दिया गया। दो मिनट बाद, मनप्रीत सिंह ने भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन हरमनप्रीत का फ़्लिक एक भारतीय खिलाड़ी को जा लगा। छठे मिनट में सर्कल के अंदर जापानी खिलाड़ी के पैर से गेंद लगने के बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत का शॉट रशर के पैर पर लगा और दोबारा मिले मौके पर पोस्ट पर मौजूद जापानी डिफेंडर ने शानदार बचाव किया।

जापान ने ज़बरदस्त काउंटर-अटैक से जवाब दिया। सातवें मिनट में उन्होंने लगातार मौके बनाए, जिसमें सेरेन तनाका को शुरुआती कोशिश के मिस-हिट होने के बाद एक और मौका मिला। हालांकि, भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा डटे रहे। भारत ने दबाव बनाना जारी रखा; मनप्रीत ने नौवें मिनट में दिलप्रीत सिंह को मौका दिया, लेकिन उनके शॉट में ज़रूरी ताक़त नहीं थी। जापान को लगा कि उन्होंने 10वें मिनट में बढ़त बना ली है, लेकिन गोल को अमान्य कर दिया गया क्योंकि गेंद के गोल में जाने से पहले एक भारतीय खिलाड़ी का पैर उससे टकराया था। दूसरी ओर, भारत मौके बनाता रहा; शिलानंद लाकड़ा ने बीच से शानदार दौड़ लगाई और अभिषेक को गेंद दी, लेकिन सुखजीत सिंह को मौका देने की उनकी कोशिश नाकाम रही। आखिरकार भारत ने 15वें मिनट में गतिरोध तोड़ा। जापान के डिफेंस ने अभिषेक को सर्कल के ऊपरी हिस्से में बहुत ज़्यादा समय दिया, और फॉरवर्ड ने कोई गलती नहीं की; उन्होंने गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया और पहले क्वार्टर के अंत में भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। खेल फिर से शुरू होने के बाद जापान ने दबाव बनाए रखा और 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन योमा ओका के ज़बरदस्त शॉट को भारतीय खिलाड़ी की स्टिक ने रोक दिया। भारत अपनी बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंच गया था जब जरमनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह और सुखजीत ने मिलकर कोशिश की, लेकिन राजिंदर का पास गोल के सामने से बिना किसी खतरे के निकल गया। दूसरी ओर, मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए जापान को बराबरी करने से रोक दिया। भारत को 21वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन जुगराज सिंह के ज़मीनी शॉट में दम नहीं था और जापान ने उसे क्लियर कर दिया। इसके बाद मेज़बान टीम ने अपने डिफेंस को मज़बूत किया, जिससे हाफ-टाइम से पहले भारत के लिए कोई और मौका बनाना मुश्किल हो गया। भारत हाफ-टाइम में 1-0 की मामूली बढ़त के साथ गया। तीसरे क्वार्टर में जापान ने डीप डिफेंस किया और तेज़ी से जवाबी हमले करने पर भरोसा किया। 36वें मिनट में, भारतीय सर्कल में एक अच्छी तरह से बनाए गए मूव के बाद मेज़बान टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। आइची-नागोया 2026 में, पुरुषों का हॉकी टूर्नामेंट लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफ़ायर के तौर पर भी काम करेगा, जिसमें गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम को आगामी समर गेम्स के लिए सीधे एंट्री मिलेगी। भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने हांगझोउ 2023 में यह खिताब जीता था।

# 'सैलरी में ना हो कोई कटौती'

**वेज सीलिंग 25000 रुपये करने पर मंत्रालय का नियोक्ताओं को निर्देश**

**नई दिल्ली।** इस महीने केंद्र सरकार ने प्राइवेट कर्मचारियों की वेज सीलिंग को 15000 रुपये से बढ़ाकर 25000 रुपये करने का ऐलान किया। 2014 के बाद कर्मचारियों के वेज सीलिंग में इजाफा हुआ था। इस खबर के सामने आने के बाद कर्मचारियों में इसको लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई। कुछ का कहना है कि इससे सैलरी में कटौती देखने को मिलेगी। इस तरह की चर्चाओं को देखते हुए केंद्र सरकार के श्रम एंव रोजगार मंत्रालय ने नियोक्ताओं (कंपनियों) को निर्देश दिया है कि नए नियमों के लागू होने के बाद कानूनी तौर पर तय सैलरी की सीमा में कोई भी कटौती ना हो। बता दें, केंद्र सरकार की तरफ से लिए गए नए फैसले की वजह से 1 करोड़ नए ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को अब इसका फायदा मिलेगा। मंत्रालय की तरफ से सलाह दी गई है कि इस नए बदलाव को कर्मचारियों की संतुष्टि, बेहतर ह्यूमत रिसोर्से को बढ़ाना देने के तौर पर देखें। मंत्रालय ने कहा, एंप्लॉयर कानूनी तौर पर योगदान करके सीटीसी में शामिल कराके कर्मचारियों की सैलरी में इसकी कटौती को नहीं माना जा सकता है। मिनिस्ट्री ने निर्देश में कहा है कि इस नए नियम से प्रभावी होने वाले कर्मचारियों की कंपनियां समीक्षा शुरू करें। नए पे साइकल का इंतजार ना किया जाए। मिनिस्ट्री ने साफ किया कि नियोक्ता का योगदान सही तरीके से किया जाए। साथ ही कानून लागू होने

के बाद कर्मचारियों की सैलरी में कटौती ना की जाए। बता दें, हालांकि, मंत्रालय ने इस बात को माना है कि कानून के लागू होने के बाद एंप्लॉयर की लागत यानी खर्च में इजाफा होगा। मंत्रालय ने सलाह दी है कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत हर नई नौकरी पर मिलने वाले 3000 रुपये की सहयोग राशि से नियोक्ता अपना बोझ कुछ कम कर सकते हैं। इस नए नियम के लागू होने के बाद इन हैंड सैलरी कम होने पर मिनिस्ट्री ने कहा कि वेतन सीमा बढ़ने से ईपीएफ में जो कटौती होगी उस पर लगातार बेहतर ब्याज का फायदा मिलेगा। इसके अलावा गारंटीड पेंशन और मुफ्त इंश्योरेंस की भी सुविधा कर्मचारियों को मिलेगी।

# कांडला में देश की पहली बंदरगाह आधारित ई-मेथनॉल परियोजना का शिलान्यास

**गांधीधाम (वार्ता)** । गुजरात के कांडला में शनिवार को देश की पहली बंदरगाह आधारित ई-मेथनॉल परियोजना का शिलान्यास किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी में इस परियोजना की आधारशिला रखी। करीब 2,300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस संयंत्र में रोजाना 150 टन ई-मेथनॉल का उत्पादन किया

जाएगा। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा, पानी और जैविक स्रोतों से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड यानी सीओ2 का इस्तेमाल किया जायेगा। ई-मेथनॉल को समुद्री परिवहन के लिए ग्रीन फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। परियोजना से तैयार ईंधन की आपूर्ति एशिया-यूरोप अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर चलने वाले जहाजों को किए जाने की योजना है। साथ ही वैश्विक हरित ईंधन निर्यातक बनने की दिशा में भी यह परियोजना अहम मानी जा रही है। यह परियोजना दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी और असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड की संयुक्त पहल है। इसे चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जायेगा। परियोजना से 3,500 लोगों को सीधे या परोक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही कांडला और आसपास के क्षेत्रों में हरित ऊर्जा की पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित होने की संभावना है।

# चीनी, चावल, दालों के भाव टूटे, गेहूं में तेजी

**नयी दिल्ली (वार्ता)।** घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चीनी का औसत भाव टूट गया। चीनी के साथ चावल और दालों में भी नरमी रही। गेहूं की कीमतों में तेजी देखी गई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 23 रुपये टूटकर 5,167 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। वहीं, गुड़ की कीमत सात रुपये गिरकर 5,922 रुपये प्रति क्विंटल रही। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 33 पैसे उतरकर 56.11 रुपये प्रति किलोग्राम रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 19 रुपये घटकर 4,170 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,885 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 12 रुपये चढ़ गया। दाल-दलहनों में आज नरमी रही। मसूर दाल की औसत कीमत 104 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। तुअर दाल 19 रुपये और मूंग दाल 18 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल 15 रुपये और चना दाल 14 रुपये प्रति क्विंटल कमजोर हुई।

# मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक संकटों से मजबूती से लड़ रहा है भारत: आरबीआई

**मुंबई।** वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर आई है। भारतीय रिज़र्व बैंक के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी लेख के अनुसार, भारत के वित्तीय और बाहरी क्षेत्र घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण बेहद सुरक्षित और सुदृढ़ स्थिति में हैं। हालांकि, रिज़र्व बैंक ने चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और मौसम की अनिश्चितताएं आने वाले समय में देश के लिए बड़ी चुनौतियां बन सकती हैं।

**वैश्विक तनाव और कच्चे तेल का बढ़ता खतरा**-सितंबर महीने में पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, तेल महंगा होने से दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा बढ़ गया है. इससे भारत के भीतर भी महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है. इसके अलावा, दुनिया की बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से उनके सरकारी खजाने पर दबाव देखा जा रहा है, जिसका थोड़ा-बहुत असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ रहा है।

**मुश्किलों के बावजूद विकास दर मजबूत**-इन तमाम अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार सकल घरेलू उत्पाद विकास दर दर्ज की है। लेख में स्पष्ट किया गया है कि देश का वास्तविक आर्थिक आधार इतना मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को आसानी से झेल रहा है। अगस्त और सितंबर के दौरान देश के शेयर बाजारों में सुस्ती जरूर देखी गई, क्योंकि वैश्विक तनाव और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण निवेशकों ने फूंक-फूंक कर कदम रखा. इसके चलते सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले, जबकि अगस्त में उन्होंने जमकर निवेश किया था।

**विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर**-भारत के लिए सबसे बड़ी मजबूती इसका विदेशी मुद्रा भंडार है. जून में सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 सितंबर 2026 तक बढ़कर 765.9 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. इसके साथ ही, जुलाई महीने में देश में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पिछले पांच वर्षों में किसी भी एक महीने के मुकाबले सबसे ऊंचे स्तर पर रहा। अप्रवासी भारतीयों द्वारा बैंकों में जमा की जाने वाली रकम में भी भारी बढ़ोतरी देखी गई है। सेवाओं के निर्यात और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस के दम पर भारत का चालू खाता घाटा भी पूरी तरह नियंत्रण में है।

**बैंकिंग सेक्टर और बाजार में लिक्विडिटी**-देश के बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कोई कमी नहीं है। अगस्त और सितंबर के शुरुआती हफ्तों में बैंकों के पास पर्याप्त सरप्लस पैसा उपलब्ध रहा. इसका मुख्य कारण यह था कि बैंकों ने आरबीआई की विशेष विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा का भरपूर लाभ उठाया। हालांकि, सितंबर के आखिरी दिनों में एडवांस टैक्स के भुगतान के कारण बैंकों से पैसा बाहर निकला, जिससे नकदी थोड़ी संतुलित हुई. अच्छी बात यह है कि देश में बैंकों के पास जमा होने वाले पैसे की रफ्तार तेज हुई है और बाजार में लोन की मांग भी अपनी मजबूत गति बनाए हुए है।

**खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी का रुख**-राहत की खबरों के बीच आम आदमी की जेब के लिए एक चिंताजनक पहलू भी सामने आया है। सितंबर के आंकड़ों के अनुसार, खाने-पीने की चीजों के दामों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। अनाज की बात करें तो चावल और गेहूं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, हालांकि चावल की कीमतों के बढ़ने की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है।

# भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी : डॉ. यादव

## हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल है मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की कोर थीम

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री गणेश अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर एक लंबे अंतराल के बाद भोपाल विकास योजना-2047 (मास्टर प्लान) के प्रारूप (ड्रॉफ्ट) का प्रकाशन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि कैपिटल सिटी की यह विकास योजना (मास्टर प्लान) भोपाल की प्राकृतिक धरोहर-भोजताल, वन क्षेत्रों एवं बाघ भ्रमण क्षेत्र के संरक्षण के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम मोबिलिटी और आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से तैयार की गई है। इस विकास योजना में हरित टीडीआर का बेहतर प्रावधान किया गया है, इससे हरित क्षेत्र में आने वाली भूमि के स्वामियों की क्षतिपूर्ति के साथ विकासकर्ताओं को टीडीआर के जरिए अतिरिक्त विकास की सुविधा भी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध, सुगम, सुरक्षित और विकसित भोपाल के संकल्प की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भोपाल विकास योजना के प्रकाशित प्रारूप पर नागरिकगण अपनी आपत्ति एवं सुझाव दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री का भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी होने पर विभिन्न व्यापारी संघों ने आभार जताकर किया अभिनन्दन

### भोपाल मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के हैं चार प्रमुख स्तंभ

प्रकाशित भोपाल मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट सतत् विकास, समावेशी शहर और समृद्ध भविष्य की संकल्पना से अभिप्रेरित है। इसकी कोर थीम हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल रखी गई है। इस मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के चार प्रमुख आधार स्तंभ रखे गए हैं। इसमें पहला प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके बाद दूसरा आधुनिक दृष्टिकोण एवं नागरिक हितैषी नियोजन पर बल दिया गया है। तीसरा सुधारोन्मुख एवं परिवर्तनकारी नियोजन को भी केन्द्रीय लक्ष्य (कोर टारगेट) में रखा गया है। चौथा इस मास्टर प्लान को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले सतत् विकास की अवधारणा पर केन्द्रित किया गया है।

### भोपाल मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की प्रमुख विशेषताएं

प्राकृतिक संवेदनशीलता सम्मत नियोजन इस मास्टर प्लान की प्रमुख विशेषता है। आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन सम्बन्धी प्रस्ताव। महानगरीय अवधारणा के अनुरूप प्रस्ताव। ग्रोथ कॉरिडोर के माध्यम से शहर का आर्थिक विकास। राज्य की टीओडी नीति के अनुरूप मिश्रित भूमि उपयोग का प्रस्ताव। असीमित एफएआर एवं भवन ऊंचाई। विकास मापदंडों का सरलीकरण एवं युक्तियुकरण। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में शहर के हरित क्षेत्र को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया है। विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए पूंजी संग्रहण की समुचित व्यवस्था। क्रिएटिव री-डेवलपमेंट के माध्यम से पुनर्विकास। अफोर्डेबल हाउसिंग को प्रोत्साहन दिया गया है। हरित टीडीआर के प्रावधान भी किए गए हैं। मास्टर प्लान के क्रियान्वयन का प्रभावी पर्यवेक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में सुरक्षित शहर (सेफ सिटी) के सभी प्रावधान भी किए गए हैं। पार्किंग प्रोत्साहन संबंधी प्रावधान भी किए गए हैं। निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकास योजना की मांगों का क्रियान्वयन भी तय किया गया है। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में भोपाल को इकाई सिटी के रूप में डेवलप करने के लिए भी समुचित प्रस्ताव/प्रविधान किए गए हैं।

### मास्टर प्लान के ड्रॉफ्ट रिलीज के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शनिवार को भोपाल विकास योजना- 2047 (मास्टर प्लान) का ड्रॉफ्ट जारी होने पर भोपाल शहर के विभिन्न व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया। मास्टर प्लान के ड्रॉफ्ट रिलीज के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन भी किया। मौके पर उपस्थित व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि भोपाल शहर का मास्टर प्लान वर्तमान की एक बड़ी जरूरत थी, जिसे सरकार ने पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति के नेतृत्व में मप्र की रीयल इस्टेट से जुड़ी क्रेडाई संस्था की भोपाल इकाई, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भोपाल इकाई, कोलार व्यापारी महासंघ, कोलार के सर्राफा व्यापारी संघ, न्यू मार्केट व्यापारी संघ, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) व्यापारी संघ सहित विभिन्न व्यवसायों के प्रमुख संघों/संगठनों से जुड़े करीब 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने स्वागत-अभिनंदन किया।

# रिमझिम फुहारों के बीच गणपति विसर्जन, बारिश नहीं रोक पाई श्रद्धा

हटा (स्वतंत्र मत)

रिमझिम फुहारों के बीच शुक्रवार को नगर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। बारिश भी श्रद्धालुओं की आस्था और उमंग को नहीं रोक पाई। गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु गणपति बप्पा को लेकर विसर्जन के लिए निकले। कोई छाता लेकर पहुंचा तो किसी ने तिरपाल से प्रतिमा को बारिश से बचाया। रास्ते भर गणपति बप्पा मोरया और अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे गूंजते रहे। सुनार नदी के नावघाट, घुराघाट सहित विभिन्न घाटों पर सुबह से ही गणेश प्रतिमाओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। नावघाट और घुराघाट पर सबसे अधिक प्रतिमाएं पहुंचीं। बच्चों में गणेश विसर्जन को लेकर खासा उत्साह नजर आया।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर युवा और बच्चे नाचते हुए घाट तक पहुंचे। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश से सुख-समृद्धि की कामना की। बारह दिनों तक घरों और पंडालों में विराजमान रहे गणपति को विदाई देते समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। घुराघाट पर गजबाबा सेवा समिति के सदस्यों ने विसर्जन व्यवस्था में सहयोग किया।घुराघाट और नावघाट पर प्रतिमा विसर्जन हुआ और किसी को नदी के पास जाने की अनुमति नही मिली जबकि हजारी घाट पर व्यवस्थाएं नहीं बनी और श्रद्धालुओं ने घाट की सीढ़ियों पर पानी में पैर रखकर विसर्जन किया जिससे खतरे की आशंका बनी रही। सूचना पर टी आई सुधीर बेगी पहुंचे और लोगों को समझायस दी।

# नया ड्राफ्ट मास्टर प्लान कमलनाथ सरकार के मास्टर प्लान की अक्षरशः नकल -भूपेंद्र गुप्ता

भोपाल (स्वतंत्र मत) कांग्रेस नेता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा है कि नया ड्राफ्ट मास्टर प्लान कमलनाथ सरकार के मास्टर प्लान की अक्षरशः नकल है। अगर कमलनाथ जी का मास्टर प्लान का ही ड्राफ्ट लाना था तो 6 साल क्यों इंतजार करते रहे। 6 साल क्यों भोपाल के विकास के नुकसान किया। ड्राफ्ट में लिखा हुआ है की ग्रोथ कॉरिडोर को बीआरटीएस नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा जबकि शिवराज सिंह की सरकार बीआरटीएस उखाड़ कर फेंक चुकी है इसका मतलब है की सरकार ने कमलनाथ जी का ड्राफ्ट पढ़ने की भी सहमत नहीं उठाई और ज्यों का त्यों टीप दिया। गुप्ता ने कहा कि अनलिमिटेड हाइट, एफ आर ए की खरीद और ग्रोथ सेंटर तथा मिक्स लैंड यूज यह सभी कमलनाथ जी की सरकार के ड्राफ्ट मास्टर प्लान का हिस्सा थे। सरकार को ताना चाहिए कि उसने 6 साल में क्या किया है 6 साल तक जब यही ड्राफ्ट लाना था तो कुंडली मार कर क्यों बैठे रहे और भोपाल के विकास को लकवा ग्रस्त कर दिया।

# शिव सिंह की मौत के बाद 8 पुलिस कर्मी लाइन अटैच

दमोह (स्वतंत्र मत)

जुआ फड़ पर पुलिस की दविश के बाद हिंडोरिया हिनौता निवासी शिव सिंह लोधी पिता खिलान 47 वर्ष की कथित रूप से पुलिस कार्यवाही के दौरान मौत हो जाने के बाद गुरुवार रात से शुरू हुआ। बवाल शुक्रवार को उनकी अंतिम यात्रा के दौरान भी जारी रहा। इस दौरान पुलिस को हल्का बल प्रयोग करने, वहीं पुलिस पर पथराव होने जैसे हालात भी सामने आए। जबकि उपरोक्त घटना को लेकर दमोह एसपी द्वारा बीती रात ही जांच के आदेश दे दिए गए थे। साथ ही बांदकपुर चौकी के आठ पुलिस कर्मियों को भी लाइन अटैच कर दिया गया था। इसके बाद भी आज जब सागर से पोस्टमार्टम के बाद शिव सिंह लोधी का शव गांव पहुंचा महिलाओं का आक्रोश भड़क उठा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद जिसके हाथ में जो आया वह पुलिस पर फेंकने से नहीं चूका। पुलिस पर पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ जिसमें बख्तर बंद पुलिस अपना बचाव करती नजर आ रही है।

इस दौरान पथरिया थाना प्रभारी और दमोह एसडीएम को पैर में मामूली चोट आने के बाद प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचना पड़ा तथा उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। हालांकि इसके बाद एसपी आनंद कलंदगी द्वारा दिए गए बयान से यह साफ झलक रहा है कि कुछ पुलिस कर्मियों की कार्य प्रणाली की वजह से भड़के इस आक्रोश के बाद अधिकारियों को बचाव की मुद्रा में आना पड़ा है। जिस तरह के हालात बनाम पुलिस के प्रति आक्रोश बीती रात हिंडोरिया स्वास्थ्य केंद्र के भीतर बाहर देखने को मिले तथा आज अंतिम यात्रा के दौरान नजर आया। यदि कहीं और ऐसा हुआ होता तो निश्चित रूप से पुलिस उन लोगों के खिलाफ अनेक धाराओं में मामला कायम कर चुकी होती। फिलहाल इतने सब के बाद अब हालात शांतिपूर्ण बताए जा रहे हैं। हिंडोरिया थाना बांदकपुर चौकी पुलिस हिनौता गांव में जुआ पकड़ने गई थी। जुआ खेलने वालों में भगदड़ के बीच गांव के शिव सिंह लोधी भी भागने लगे और गिरने के बाद जब वह नहीं उठे तो उनको पुलिस हिंडोरिया की अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर

# कुंडलपुर में मेला लगना तय : राज्यमंत्री लोधी

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** राधा अष्टमी के अवसर पर कुंडलपुर पहुंचे संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने रुक्मिणी माता मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने कहा कुंडलपुर में मेला लगना तय है। रुक्मिणी माता के यहां गोवर्धन पूजा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जिन स्थानों पर लीलाएं की हैंए उन स्थानों को चिन्हित कर जनहित में विकसित करने और उन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है। ऐसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु इन स्थानों तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि कण.कण में परमेश्वर विराजमान हैं। समाज में सभी लोग समान हैं, कोई ऊंचा-नीचा नहीं है। उन्होंने सभी के सुखी, निरोगी और सफल जीवन की कामना करते हुए कहा कि समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारा बना रहना चाहिए। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा काशी और मथुरा सहित देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति की परंपराओं और धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास को आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में धार्मिक आयोजनों को लेकर उत्साह देखने को मिला।

# गणेश विसर्जन के दौरान दो जगह चाकूबाजी की घटना

दमोह (स्वतंत्र मत)

कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात गणेश विसर्जन के दौरान दो जगह चाकूबाजी की घटनाएं हुईं। पांच लोग घायल हुए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। टीआई मनीष कुमार ने बयान दर्ज कर आरोपियों पर मामला दर्ज किया और तलाश शुरू की। सबसे पहले टॉकीज चौराहे के पास घटना हुई। घायल दीपक चौरसिया के अनुसार बच्चों के विवाद में बीच बचाव करने पर सत्यम चौरसिया, लुक्का और मोहित चौरसिया ने उस पर चाकू से हमला किया। दूसरा मामला महाकाली चौराहे के पास है। गणेश विसर्जन कर रहे चार लोगों पर खजरी मोहल्ले के 8-10 लोगों ने चाकू से हमला किया। घायल आकाश रैकवार के मुताबिक दोस्त मधु गुरु के झगड़े में बीच बचाव करने पर राजा बल्लम और साथियों ने उन पर हमला किया। इसी घटना में घायल करन नामदेव के अनुसार ऋषभ अहिरवार और राजा साथियों के साथ मधु गुरु से मारपीट कर रहे थे। बीच बचाव करने पर उन पर और मधु गुरु पर भी चाकू से हमला हुआ। दोनों ही घटनाओं को लेकर कोतवाली टी आई मनीष कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि दो स्थानों पर चाकूबाजी की घटना हुई है और घायल जिला अस्पताल पहुंचे हैं। करीब चार लड़के हैं जो घायल हुए हैं। घायलों से पूछताछ की गई हैए जिन लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। उन पर मामला भी दर्ज किया गया है और गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की गई है।

# सांसद दिल्ली दर्शन योजना से दिल्ली जाएंगे प्रतिभावान छात्रः सांसद लोधी

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** छात्रों में जिज्ञासा और नवाचार बढ़ाने की अभिनव पहल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए यह महसूस हुआ कि छात्रों में जनप्रतिनिधियों और संसदीय कार्यप्रणाली को जानने की बड़ी जिज्ञासा रहती है। इसी उत्सुकता और जिज्ञासा को सकारात्मक दिशा देने के लिए सांसद दिल्ली दर्शन योजना की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना के प्रथम चरण में लोकसभा क्षेत्र के 330 विद्यालयों में निबंध एवं कला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें से प्रथम 15 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 3 दिवसीय दिल्ली भ्रमण पर ले जाया जाएगा जहां वे लोकसभा, राष्ट्रपति संग्रहालय, प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं दिल्ली के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। इस पूरी यात्राए आवास एवं भोजन की व्यवस्था सांसद कार्यालय द्वारा की जाएगी। दूसरे चरण में कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सांसद श्री लोधी ने घोषणा की कि जिला स्तर पर आयोजित इस चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सांसद दिल्ली दर्शन योजना के तहत दिल्ली ले जाया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य उत्कृष्ट छात्रों को भोपाल स्थित विधानसभा भ्रमण कराया जाएगा जिससे उन्हें शैक्षणिक और सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त हो सके।

**- 330 विद्यालयों के बच्चे होंगे प्रतियोगिता में शामिल**

# पितृ पक्ष शुरू होते ही नदी घाटों पर उमड़ी आस्था, किया तर्पण

हटा (स्वतंत्र मत)

पितृ पक्ष के आरंभ के साथ ही पितरों के स्मरण और तर्पण का सिलसिला शुरू हो गया। शनिवार को पितृ पक्ष के पहले दिन सुबह से ही सुनार नदी के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालु पहुंचे और पंडितों के निर्देशन में विधिविधान से पितरों को जल अर्पित किया। लोगों ने अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण कर परिवार की सुख.शांति और समृद्धि की कामना की। हटा के नावघाट, सुरई घाट और हजारी घाट सहित सुनार नदी के अन्य घाटों पर सुबह से ही तर्पण करने वालों की आवाजाही रही। कई परिवार अपने पूर्वजों की निर्धारित तिथि के अनुसार तर्पण के लिए पहुंचे। घाटों पर पंडितों ने धार्मिक विधि के अनुसार तर्पण कराया। पितृ पक्ष के प्रथम दिन गायत्री शक्तिपीठ में भी पितृ स्मरण का आयोजन हुआ। यहां तीन लोगों ने विधिविधान के साथ कुशा ग्रहण की। गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि पितृ पक्ष में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और परंपरा के अनुसार तर्पण, जल अर्पण एवं श्राद्ध कर्म करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान परिवार अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध और तर्पण करते हैं। कुछ परिवार पूरे पितृ पक्ष में नियमित रूप से जल अर्पित करते हैं। इसके चलते आने वाले दिनों में भी सुनार नदी के घाटों पर सुबह के समय श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहने की उम्मीद है।

# जिस प्रकार की पेंटिंग इन छात्रों ने बनाई है उसी प्रकार आगे आने वाला भारत बनेगा : सांसद लोधी

## मेरे सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र हुए सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियानश सेवा पखवाड़ा के तहत शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय दमोह में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, विधायक जंयत कुमार मलैया, भाजपा जिलाअध्यक्ष श्याम शिवहरे, जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, महेश पटेल, मनीष तिवारी, संतोष अठ्या, संजय सेन, संजय यादव, भरत यादव सहित अन्य जनप्रितिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण आज सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों ने छात्रों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन कर चित्रकला की सराहना की।

सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी ने कहा मेरे सपनों के भारत को लेकर यह चित्रकला पूरे दमोह जिले में आयोजित हुई। छात्रों ने अलग-अलग प्रकार की पेंटिंग बनाई। उद्देश्य बड़ा स्पष्ट है कि आज जो आज का जो युवा, आज के जो बच्चे सोचते हैं, जब वह चित्र के माध्यम से उसको पोस्टर में उतारेंगे और वही आने वाले समय में भारत का भविष्य बनेगा और वही जमीन पर उतरेगी। जिला शिक्षा अधिकारी और सभी शिक्षकगण, छात्रों को मैं बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि जिस प्रकार की पेंटिंग इन छात्रों ने बनाई है उसी प्रकार आने वाला जो भारत है वैसा बनेगा।

दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने विद्यार्थियों द्वारा उकेरी गई विभिन्न कलाकृतियों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। श्री मलैया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में हमारे देश के युवाओं और छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों ने आत्मनिर्भर भारत, अत्याधुनिक तकनीक और देश के स्वर्णिम भविष्य की जो कल्पना चित्रों में उकेरी है, वह अत्यंत सराहनीय है। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और बौद्धिक क्षमता का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल ठाकुर ने कहा कि देश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आयोजित इस चित्रकला प्रदर्शनी में स्कूली छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर मनीष तिवारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी सत्यम चौरसिया ने कार्यक्रम में अपनी बात विस्तार रखी। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। संचालन विपिन चौबे और आभार विद्यालय के प्राचार्य आरपी पटेल ने किया।

**नाम सुधार सूचना**

मैं रश्मि साहू पति मुकेश साहू, उम्र 49 वर्ष, निवासी-337/2, स्टेट बैंक कॉलोनी, साकेत नगर, मधुवन पार्क के पास, विवेकानंद वार्ड, जिला जबलपुर म.प्र. की शपथपूर्वक कथन करती हूं कि- यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूं। यह कि मेरे पूर्व मे बने आधार कार्ड मे मेरा घर का चालू नाम मोहिनी साहू पति मुकेश साहू दर्ज चला आ रहा है। यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र व समस्त शासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों मे मेरा नाम रश्मि साहू पति मुकेश साहू, दर्ज चला आ रहा है। यह कि मेरा नाम रश्मि साहू पति मुकेश साहू के नाम से जाना पहचाना, पढा एवं लिखा जावेगा।

**पुराना नाम**
**मोहिनी साहू पति मुकेश साहू**
**Mohini Sahu W/o Mukesh Sahu**
**नया नाम**
**रश्मि साहू पति मुकेश साहू**
**Rashmi Sahu W/o Mukesh sahu**

**आम सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संपत्ति मौजा महाराजपुर, नं. बं. 664 प.ह.नं. 60/10, परसीमन पश्चात नगर निगम वार्ड क्र. 75 रा.नि.मं. महाराजपुर मैत्रीनगर, तहसील अधारताल, जिला जबलपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 296/70 का भाग स्थित भूखण्ड क्र. डी-05 का कुल क्रय रकवा 25 × 62.5 = 1562.5 वर्गफुट पर निर्मित दो मंजिला मकान का टेक्स संपत्ति स्वामी ऋषभ दुबे पिता सुरेश प्रसाद दुबे के द्वारा अदा किया जाना है। अतः आमसूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।नगर निगम में नामांतरण के लिए आवेदन किया है।

**ऋषभ दुबे**
**मो. 9131910560, 6262921899**

## पनागर थाना पुलिस की कार्यवाही, पूछताछ हुई शुरू

### पुलिस की गिरफ्त में शातिर चोर, 45 लाख का सामान बरामद

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** पनागर थाना क्षेत्र में चोरी के अलग अलग मामलों में फरार शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम अभिषेक चौबे उर्फ गुड्डु उम्र 35 साल, आशीष चौबे उम्र 36 साल और ज्योति चौबे है। सभी आरोपी ग्राम केवलारी थाना पनागर के निवासी है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने लगभग 45 लाख रूपए के सोने-चांदी के जेवर तथा घटना मे प्रयुक्त आटो, सब्बल व ऑटो का हुड जब्त करते हुये तीनों आरोपियों कों प्रकरण मे विधिवत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुताबिक आरोपी आशीष चौबे के विरूद्ध पूर्व से 4 अपराध मारपीट, चोरी, एवं एक्सीडेंट का पंजीबद्ध है।

## जन विश्वास अभियान के तहत बरगी ब्लॉक का निरीक्षण

### संभागायुक्त ने विद्यार्थियों से किया संवाद, जांची सुविधाएं

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत संभागायुक्त धनंजय सिंह ने जिले के बरगी का दौरा कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया और शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान संभागायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरगी का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक गुणवत्ता का आकलन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए नियमित पठन पाठन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शैक्षणिक गुणव?ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

# हाईकोर्ट का सवाल- मानकों पर खरे नहीं तो नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता क्यों

## बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में हाईकोर्ट हुआ सख्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले के मामले में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिए जाने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में ऐसे नर्सिंग कालेजों को भी मान्यता दी जा रही है, जो निर्धारित मानकों और आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को पूरा नहीं करते। इस पर न्यायमूर्ति आनंद पाठक व न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने मप्र नर्सिंग नियामक परिषद से 10 दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सवाल उठाया गया कि यदि किसी नर्सिंग कालेज में नियमानुसार आवश्यक भवन, प्रयोगशाला, प्रशिक्षण सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं तो उसे मान्यता किस आधार पर दी जा रही है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि कुछ संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बावजूद मान्यता प्रदान की गई। हालांकि ये आरोप फिलहाल याचिकाकर्ता के दावे हैं। हाई कोर्ट ने इन आरोपों पर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है और परिषद से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

### कॉलेज के वास्तविक स्थान पर भी सवाल

बताया जा रहा है कि कुछ नर्सिंग कालेजों के मान्यता आवेदनों में दर्ज भौगोलिक निर्देशांकों को लेकर भी आपत्ति उठाई गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि आवेदन में दर्ज स्थान संबंधी जानकारी और कालेज की वास्तविक स्थिति में अंतर है। इस पर भी परिषद को जवाब देना होगा। परिषद के जवाब से यह स्पष्ट होगा कि मान्यता देने से पहले कालेज के स्थान और उपलब्ध सुविधाओं का किस प्रकार सत्यापन किया गया। नर्सिंग कालेजों की मान्यता और प्रदेश की नर्सिंग शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर विधि विद्यार्थी संघ ने वर्ष 2022 में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका क्रमांक डब्ल्यूपी-1080-2022 में नर्सिंग कालेजों की मान्यता प्रक्रिया सहित विद्यार्थियों की शिक्षा और प्रशिक्षण से जुड़े मुद्दे लगातार न्यायालय के समक्ष आते रहे हैं।

### विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रशिक्षण का उठा मुद्दा

सुनवाई के दौरान उन विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रशिक्षण का मुद्दा भी उठा, जिन्हें सुविधाओं की कमी वाले कालेजों से योग्य कालेजों में स्थानांतरित किया गया है। इस दौरान महाधिवक्ता प्रशान्त सिंह ने न्यायालय को बताया कि इन विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था करना आवश्यक होगा। एएनएम, जीएनएम, बीएससी, एमएससी और पीबीएससी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से सैद्धांतिक, प्रयोगात्मक और चिकित्सकीय प्रशिक्षण की व्यवस्था की आवश्यकता बताई गई। युगलपीठ ने विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित पक्षों को विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और उसकी रूपरेखा तैयार करने को कहा है। इसका उद्देश्य स्थानांतरित विद्यार्थियों की सैद्धांतिक पढ़ाई के साथ प्रयोगात्मक और चिकित्सकीय प्रशिक्षण में हुई कमी को पूरा करना है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक बगरेचा, राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता राजेश तिवारी, मप्र नर्सिंग नियामक परिषद की ओर से महाधिवक्ता प्रशान्त सिंह और उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी उपस्थित हुए।

# बाइक सवार बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, एक की मौत

## हनुमानताल थाना क्षेत्र में वारदात, दूसरे की हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हनुमानताल थाना अंतर्गत भोलानगर में दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार शाम की है। मृतक युवक करण अपने साथी के साथ खड़ा था, तभी 2 बाइक पर सवार होकर 4 लोग पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इधर घटना की सूचना मिलते ही हनुमानताल थाना पुलिस और प्रेमसागर चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल भिजवाया। इस मामले में पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम लगभग 5 बजे प्रेमसागर निवासी करण पावड़े अपने साथी के साथ खड़ा था। इसी दौरान बाइक से 2 अज्ञात युवक पहुंचे और बिना किसी से बात किए करण पर गोली चला दी। मौके पर तीन-चार राउंड फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही चौराहे पर भगदड़ मच गई। इसके बाद आरोपी बाइक से फरार हो गए।

### आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

वारदात के समय मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावरों के भागने के बाद लोगों ने करण को जमीन पर पड़ा देखा। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक करण की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से उसे विक्टोरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में 2 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मृतक के परिजन और परिचितों से पूछताछ कर रही है। इसके अलावाव चौराहे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। हत्या की वजह क्या थी और वारदात में कौन-कौन शामिल था, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

## बाहर के भटकाव को रोककर अंदर की यात्रा करने का उत्तम समय है चातुर्मास

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** चातुर्मास बाहर के भटकाव को रोककर अंदर की यात्रा करने का उत्तम समय है। इससे शरीर की शुद्धि एवं इंद्रियों पर नियंत्रण होता है चातुर्मास की साधना से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल की प्राप्ति होती है उक्त विचार चातुर्मास की समापन बेला पर श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीमठ मदनमहल आमनपुर कालीमठ मंदिर प्रांगण में दंडी स्वामी ने व्यक्त किये । इस अवसर पर महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतन्य महाराज, दंडी स्वामी नर्मदानंद महाराज उपस्थित रहे। अनिल उसरेटे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद ने महाराजी की पादुका पूजन की एवं मॉं भगवती निरंकार काली की दर्शन कर महाआरती की। इस अवसर पर कालीमठ शिष्य परिवार के भैयाराम अवस्थी, प्रदीप चौहान, अनिल उसरेटे,अजय यादव आदि उपस्थित रहे।

## बंदियों ने सीखे तनावमुक्त जीवन शैली के उपाय

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया कार्यपालक अध्यक्ष, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणके निर्देश पर 26 सितम्बकर को केंद्रीय जेल जबलपुर में जेल बंदियों के तनावमुक्त जीवन शैली प्रबंधन विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। उक्त शिविर में मुख्य वक्ता इस्कॉन उज्जैन के उपाध्यक्ष वाय. एश. बृजेंद्र कृष्ण दास ने अपने आध्यात्मिक जीवन के अनुभवों के साथ बताया कि- तनाव हमें विषयों में उलझकर नकारात्मक विचार की तरफ ले जाता है, परिस्थिति हमेशा बदलती रहती है, इसलिए हमे शांत मन, धैर्य रखते हुए समस्याओं का समाधान ढूंढने की कोशिश करना चाहिए जिससे तनाव कम हो और हम सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपना जीवन जिए। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्णमूर्ति मिश्रा के द्वारा कहा कि- मानव जीवन अनमोल है, इसलिए हमें अपने स्वार्थ को त्याग कर केवल परजन हिताय और

परजन सुखाय की आदत अपनाते हुए मानव सेवा ही माधव सेवा है के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपना जीवन शांति पूर्ण तरीके से जीना चाहिए। जेलर मदन कमलेश ने जेल बंदियों को दी जा रही धार्मिक सुविधाओं व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

## वोट चोरी और धांधली के आरोपों पर आज होगा प्रदर्शन

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** संयुक्त संघर्ष समिति जबलपुर द्वारा रविवार को शाम 4 बजे मालवीय चौक में देश में चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं एवं वोट चोरी के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। समिति के अनुसार प्रदर्शन के दौरान भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की जाएगी तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग को लेकर आवाज बुलंद की जाएगी। प्रदर्शन के उपरांत राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। समिति ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता के मत की सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त संघर्ष समिति ने नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोगों से रविवार को शाम 4 बजे मालवीय चौक पहुंचकर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

## संत अलॉयसियस महाविद्यालय में पंचसृजन कार्यक्रम का आयोजन

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** संत अलॉयसियस महाविद्यालय में कला विभाग द्वारा पंचसृजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. फा. जे. बेन एन्टोन रोज के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व श्रवण भाई पटेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर कला विभाग द्वारा सभी वरिष्ठ एल्युमीनाई का सम्मान किया गया, जिनमें डॉ. रश्मि टंडन मिश्रा, कर्नल एस के जाना, डॉ. सुनीता कूजूर, टेरेसा लसेना रोड्रिग्स, प्रदीप चड्डा सहित सभी विभागों द्वारा एल्यूमीनाई को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा प्रसन्नता यहां आकर मिलती है, क्योंकि ये हमारा महाविद्यालय है। इस अवसर पर लोकगीत, लोकनृत्य, और कबीर की साखिया एवं नाटक की प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा दी गयी। जिसके अंतर्गत लोक संगीत की प्रस्तुति महगाई डायन खाये जात है सुन्दर थी, हिन्दी विभाग द्वारा कबीर की साखिया ने महौल जमा दिया। कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉ. कल्लोल दास, डॉ. एंथोनिमा रॉबिन, डॉ. विश्वास पटेल, डॉ. नीलांजना पाठक आदि उपस्थित रहे।

## सरस्वती शिशु मंदिर में वंदे मातरम गायन का आयोजन

**सिहोरा (स्वतंत्र मत)।** विद्या भारती द्वारा वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के गौरवपूर्ण अवसर पर देशभर में एक साथ सामूहिक वंदे मातरम् गायन का आयोजन किया गया। इसी राष्ट्रव्यापी श्रृंखला में सरस्वती शिशु मंदिर, सिहोरा में प्रात: 11 बजे भव्य सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिहोरा अनुविभागीय अधिकारी ज्योति परस्ते तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती दिलीप दुबे एवं जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री की उपस्थिति रही।

## स्कूलों के उत्थान, वॉर मेमोरियल निर्माण पर हुआ मंथन

### कर्नाटक के सीएम से मिले राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य सभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा अपने दो दिवसीय बैंगलोर प्रवास के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से सौजन्य भेंट करने पहुंचे। इस औपचारिक व महत्वपूर्ण बैठक में ग्रामीण विकास, स्कूली शिक्षा, पर्यावरण और सैनिकों के सम्मान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से सार्थक चर्चा हुई। बैठक के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के आधुनिक सेटअप और उनके समग्र उत्थान को लेकर विशेष विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों की स्मृति में बैंगलोर में एक भव्य 'वॉर मेमोरियल' के निर्माण को लेकर भी

दोनों नेताओं के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। इस अवसर पर विवेक तन्खा के साथ उनके अधिवक्ता पुत्र वरुण तन्खा, राज्य सभा सांसद श्री चंद्रशेखर तथा कर्नाटक रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य भी उपस्थित रहे।

## चित्र और भाषण के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिखाई विकसित भारत की कल्पना

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** विकसित भारत की कल्पना को लेकर जिले के सभी विकासखंडों के विद्यार्थियों ने चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी कला, कल्पना और विचारों का प्रदर्शन करते हुए चित्रों के माध्यम से विकसित भारत की तस्वीर उकेरी, वहीं भाषण प्रतियोगिता में देश के भविष्य को लेकर अपने विचार रखे। आयोजन मॉडल हाई स्कूल में सेवा संकल्प अभियान-मेरे सपनों का विकसित भारत 2047' विषय

पर किया गया। इस अवसर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में बच्चों का हौसला बढ़ाया। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं इनमें महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों ने 'मेरे सपनों का भारत-विकसित भारत 2047 कैसा होगा विषय पर अपनी कल्पनाओं और भावनाओं को अभिव्यक्त किया। उनके विचार भविष्य के विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में

## वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी आज

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी आज सायं 3.30 से हरिशंकर परसाई भवन मदन महल स्टेशन रोड पर पवन पांडे अध्यक्ष समरसता संगठन के मुख्य आतिथ्य एवं सुशील श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न होगी। इस अवसर पर राजेश पाठक प्रवीण एवं आलोक पाठक के काव्य पटेल का लोकार्पण भी होगा। संस्था के विजय नेमा अनुज, संतोष नेमा, राजेश पाठक, प्रतिमा अखिलेश श्रीवास्तव आदि ने सभी साहित्यकारों से उपस्थित की अपील की है।

# केंद्रीय मंत्री गडकरी के निर्देश के बावजूद भी शहपुरा टोल प्लाजा पर राहगीरों से वसूली जारी

## टोलकर्मी का वीडियो हुआ वायरल, कहा पत्र मिलने तक लेंगे टैक्स

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** जबलपुर-भोपाल मार्ग के शहपुरा टोल प्लाजा पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के टोल बंद करने के निर्देश के बावजूद शनिवार को वाहन चालकों से शुल्क वसूला गया। चालकों से हुई इस टोल वसूली का वीडियो भी सामने आया है। इसमें टोलकर्मी कहता नजर आ रहा है कि जब तक उसे लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक किसी वाहन को टोल से छूट नहीं दी जाएगी और शुल्क लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक मप्र लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया था।

उन्होंने बताया था कि शहपुरा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) क्षतिग्रस्त होने से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए गडकरी ने टोल नाका तत्काल बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके करीब 24 घंटे के भीतर ही टोल प्लाजा पर वसूली जारी होने का वीडियो सामने आ गया। शहपुरा टोल पर यह पहली बार नहीं है, जब बंद करने के निर्देश के बावजूद वसूली का मामला सामने आया है। बता दें कि लगभग 25 दिन पहले लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भोपाल में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में शहपुरा टोल बंद करने के निर्देश दिए थे। उस समय जबलपुर-भोपाल मार्ग पर यातायात डायवर्ट किया गया था। इसके बावजूद टोल ठेकेदार ने वसूली जारी रखी थी। ठेकेदार ने कहा था कि उसे टोल बंद करने के लिखित निर्देश नहीं मिला है।


SAM South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

| | |
|---|---|
| THE PARADISE (HINDI) (A-18+) | 11:45 AM, 3:15 PM, 6:45 PM & 10:15 PM |
| DAAYRA (HINDI) (A-18+) | RUBY 4:15 PM & 7:00 PM |
| VIBE (HINDI)(A-18+) | 9:00 AM I RUBY 12:15 PM |
| RESIDENT EVIL (HINDI/ENG) (A-18+) | RUBY HINDI-5:50 PM I ENG- 7:45 PM |
| MIRZAPUR (HINDI) (A-18+) | 11:00 AM, 2:35 PM, 6:20 PM & 10:00 PM RUBY 9:30 PM |
| HANUMAN ANSH (HINDI) | 9:30 AM, 12:30 PM, 3:30 PM, 6:30 PM & 9:30 PM RUBY 1:30 PM, 3:00 PM & 9:50 PM |

@moviemagic_jbp | MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS | Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508


हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एमएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.